



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रजासत्ताक के अखबार
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 15, 1995/आषाढ़ 24, 1917

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 15, 1995/ASADHA 24, 1917

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 29 जून, 1995

का. आ. 1913 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचना सं. जी जी वी एस एफ/3194/2669/डी. तारीख 7-12-1994 द्वारा गुजरात राज्य सरकार गृह विभाग, सचिवालय, गांधीनगर की सहमति से, करज पुलिस स्टेशन, अहमदाबाद में सी आर सं. 381/92 द्वारा रजिस्ट्रीकृत मामले में भारतीय दण्ड संहिता (1860 का 45) की धारा 4 के साथ पठित उक्त संहिता की धारा 379, धारा 467, धारा 468, धारा 420, धारा 114 के अश्वीन दण्डनीय अपराधों और ऊपर उल्लिखित एक या अधिक अपराधों के संबंध में या उनमें संसक्त प्रयत्नों, दृष्टिकोणों और पद्धतियों के तथा उन्हीं पद्धतियों के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध किन्हीं अन्य अपराधों के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष

पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार सम्पूर्ण गुजरात राज्य पर करती है।

[सं. 228/37/95—ए. बी. डी.—II]

एस. सौन्दर राजन, अवसर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 29th June, 1995

S.O. 1913.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government with the consent of the State Government of Gujarat Home Department, Sachivalaya, Gandhinagar vide Notification No. GG/VSP/3194/2669/D, dated 7-12-1994, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole State of Gujarat for the investigation of offences punishable under Sections 379, 467, 468, 420, 114 of the Indian Penal Code (45 of 1860) read with Section 4 of the said Code and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence/offences committed in the course of the same facts in the case registered vide CR. No. 381/92 with Karanj Police Station, Ahmedabad.

[No. 228/37/-AVD.II]

S. SOUNDAR RAJAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

वित्त मंत्रालय

पूणे केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमाशुल्क

आयुक्त का कार्यालय

अधिसूचना संख्या-07/95 (एन. टी.) -कस्टम्स

पुणे, 15 जून, 1995

फा. आ. 1914 :—केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम 25) की धारा 5 की उप धारा (1) के साथ पठित धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सं. गृह (ए) ए (9)—19/95 दिनांक 9-6-1995 द्वारा प्राप्त हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, भारतीय दंड संहिता की धारा 306, 304-बी, 34 एवं 493-ए और दहेज निरोधक अधिनियम की धारा 3 और 4 के अन्तर्गत पंजीकृत प्राथमिक सूचना सं. 41/95 दिनांक 27-1-95, पुलिस थाना रामपुर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश तथा संबंधित श्रीमती रंजना शर्मा धर्मपत्नी श्री दिलीप चौधरी की मृत्यु के अन्वेषण के लिए तथा वर्णित एक या अधिक अपराधों से संबंधित या उनसे संसक्त प्रयत्न, दुष्प्रेरण और पड़ोस तथा उन्हीं सदस्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संभवहार के अनुक्रम में किये गये कोई अन्य अपराध जो अभियुक्तों द्वारा किये गए हैं प्रासंगिक अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत दण्डनीय अपराधों के अन्वेषण के लिए, सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश राज्य पर करती है।

[संख्या 228/43/95—ए. वी. डी. —II]

प. प्रकाश, उप सचिव

New Delhi, 30th June, 1995

S.O. 1914.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section (5) read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act 25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Himachal Pradesh vide Government of Himachal Pradesh, Home Department order No. Home (A)A (9)-19/95 dated 9-6-95, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the state of Himachal Pradesh for the investigation of the offences punishable under Section 306, 304-B, 34 and 493-A IPC and Sections 3 and 4 of Dowry Prohibition Act and any attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction or arising out of the same fact or fact in regard to FIR No. 41/95 dated 27-1-1995 registered at PS Rampur Distt. Shimla, Himachal Pradesh relating to the death of Smt. Ranjana Sharma W/o Shri Dalip Choudhary.

[No. 228/43/95-AVD. II]

PARAG PRAKASH, Dy. Secy.

फा. आ. 1915 :—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी की गयी दिनांक 1-7-94 की अधिसूचना संख्या 33/94 (एन. टी.) कस्टम्स, द्वारा मुझे प्रदत्त अधिकारों को कार्यान्वित करते हुए तथा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 की व्यवस्थाओं के अधीन, मैं, एतद्द्वारा, महाराष्ट्र राज्य के सांगली जिले के मिरज तहसील के "कूपवाड" गांव को, शत प्रतिशत निर्यातकर्ता यूनिटों की सुविधा के लिए, "वेयर हाउसिंग स्टेशन" घोषित कर रहा हूँ।

[फाइल संख्या—VIII/(कस्टम्स) 40-67/टी सी/95]

के. के. अग्रवाल, आयुक्त

MINISTRY OF FINANCE

PUNE CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS COMMISSIONERATE

NOTIFICATION NO. 7/95 (NT)-CUS

Pune, the 15th June, 1995

S.O. 1915.—In exercise of the powers conferred on me by the Notification No. 33/94 (NT)-Cus. dated 1-7-94 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, I hereby declare village 'Kupwad' Taluka—Miraj, Dist.—Sangli, in the State of Maharashtra, to be a warehousing station under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) for the purpose of setting up hundred percentage export oriented units (100% E.O.U.).

[F. No. VIII (CUS) 40—67/TC/95]

K. K. AGARWAL, Commissioner

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

फा. आ. 1916 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा, संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/83/91-सी.शु. 8 दिनांक 30-6-1995 को यह निदेश जारी किया था कि श्री नन्द लाल सारोजी सपुत्र स्वर्गीय श्री मदन लाल सारोजी (1) डी-143, साल्ट लेक सिटी, कलकत्ता-700064 (2) नं. 40, बी. के. पाऊल एवेन्यू, कलकत्ता को निरुद्ध कर दिया जाए और केन्द्रीय कारागार, अलीपुर कलकत्ता में अभिरक्षता में रखा जाए ताकि उसे अविविध में विदेशी मुद्रा के संवहन के प्रतिकूल कार्य करने में रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/83/94-सी.शु.-8]

रूप चन्द, अवर सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 30th June, 1995

S.O. 1916.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/83/94 Cus. VIII dated 30-5-1994 under the said sub-section directing that Shri Nandlal Saraogi S/o Late Shri Madanlal Saraogi (i) D-143, Salt Lake City, Calcutta-700064 (ii) No. 40, B. K. Paul Avenue, Calcutta be detained and kept in custody in the Central Prison Alipore, Calcutta with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange in future

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 675/83/94-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.श्रा. 1917.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/104/94-सी.शु.-8 दिनांक 20-7-1994 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री लियकत अली उर्फ लियकत शोख सपुत्र श्री मुल्लाह अली उर्फ शेख मुल्लाह 34, नेशनल हाई वे, कालिया चेक, जिला—मालदा पश्चिम बंगाल, कलकत्ता (2) डाकखाना—कालियाचेक, जिला—मालदा बंगाल, कलकत्ता को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, डम-डम, कलकत्ता में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/104/94-सी.शु.-8]

रूप चन्द, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1917.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/104/94-Cus. VIII dated 20-7-1994 under the said sub-section directing that Shri Liakat Ali @ Liakat Shaikh S/o Shri Mullah Ali @ Shaikh Mullah, 34, National High Way, Kaliachak, Dist. Malda, West Bengal (ii) P.O. Kaliachak, Dist. Malda, West Bengal be detained and kept in custody in the Central Prison, Dum Dum, Calcutta with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange in future

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/104/94-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.श्रा. 1918.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी के निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/130/94-सी.शु.-8 दिनांक 22-12-1993 को यह निर्देश जारी किया था कि श्रीमती सुन्दरेसन उपा उर्फ पूर्णिमा अग्रवाल उर्फ पूनम अग्रवाल उर्फ पूर्णिमा सी.के. बरदाराजन सुपुत्री स्वर्गीय श्री सी.आर. सुन्दरेसन, 9, राजाजी स्ट्रीट सालीग्रामम, मद्रास-93 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, मद्रास में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, मद्रास के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/130/93 सी.शु.-8]

रूप चन्द, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1918.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/130/93-Cus.VIII dated 22-12-1993 under the said sub-section directing that Smt Sundaresan Usha @ Poornima Agarwal @ Poonam Agarwal @ Poonima C. K. Varadrajani, D/o Late C. R. Sundaresan, 9, Rajaji St., Saketm, Madras 93 be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the conservation of foreign exchange in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Madras, within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/130/93-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.आ. 1919:— भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/8/94-सी.शु.-8 दिनांक 8-2-1994 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री एम. आई. थमईमल अनसारी मुपुव श्री मोहम्मद इशाहिम, नं. कोवर बैद्यनाथन स्ट्रीट, चिन्ताद्रीपट मद्रास-2 (2) नं. 7, आजाद स्ट्रीट, कायलपट्टीन्मम-628204 नेटिव प्लेस अडरस (3) मैसर्स मुल्ला-का ट्रेडर्स नं. 17/2 सिगाना बैकन स्ट्रीट, प्रथम तल मद्रास-1 को निरुद्ध कर दिया जाए और केन्द्रीय कारागार, मद्रास में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, मद्रास के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/8/94-सी.शु.-8]

रूप चन्द, प्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1919.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/8/94-Cus. VIII dated 8-2-1994 under the said sub-section directing that Shri M. I. Thameemul Ansari S/o Sh. Mohamed Ibrahim R/o No. Kovoov Vaidyanathan Street, Chintadripet, Madras-2 (ii) No. 7, Azad Street, Kayalpattinam Pin-628204 (Native Place Address) (iii) M/s. Mulla-ka Traders, No. 17/2, Singana Baicken Street, First Floor, Madras-1 be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Madras (T.N.) within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/8/94-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.आ. 1920:— भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/208/94-सी.शु.-8 दिनांक 20-12-1994 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री बाबूलाल राजमल जैन उर्फ सिधवी कमरा नं. 11, दूसरी मंजिल, माधवकुज एम.जी. रोड, घाट कोपर (पश्चिम) बम्बई-77 (2) मैसर्स स्वर्ण कुटीर ज्वैल्स जेलाराम कोपार-परेटिव सोसायटी एम.जी. रोड, आपोजिट गांधी मार्केट घाट कोपर (ईस्ट) बम्बई-77 को निरुद्ध कर दिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन में निषिद्ध कार्य से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/208/94-सी.शु.-8]

रूप चन्द, प्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1920.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/208/94-Cus. VIII dated 20-12-1994 under the said sub-section directing that Shri Babulal Rajmal Jain @ Singlvi Room No. 11, 2nd Floor Madhav Kunj, M.G. Road Ghatkopar (W) Bombay-400077 (2) M/s. Svarn Kaur Jewellers, Jalaram Co-op. Society, M.G. Road, Opp. Gandhi Market, Ghatkopar (E), Bombay-400077 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the augmentation of country's foreign exchange resources in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/208/94-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.आ. 1921.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/118/93-सी.गु. 8 दिनांक 4-11-1993 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री प्रेम लाल मुपुव श्री महेश्वर पता : गांव एवं डाकखाना अब्दुलबिन, तहसील आर. एस. पुरा, जिला जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, जम्मू, में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में तस्करीत माल को रखने, छुपाने एवं उसके संवहन करने के कार्य से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, जम्मू एवं कश्मीर के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 673/118/93-सी.गु.-8]

ए. के. सिन्हा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1921.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/118/93 Cus. VIII dated 4-11-1993 under the said sub-section directing that Shri Prem Lal S/o Shri Maheswar R/o Village and Post Office, Abdullian,

Tehsil—R.S. Pura, District—Jammu, Jammu and Kashmir be detained and kept in custody in the Central Prison, Jammu with a view to preventing him from engaging in transporting, concealing and keeping smuggled goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, J&K within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/118/93-Cus. VIII]

A. K. SINHA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.आ. 1922.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/106/93-सी.गु. 8 दिनांक 15-10-1993 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री रत्न सिंह मुपुव श्री बचिव सिंह पता : गांव—मेनका, डाकखाना—बजबर्दा, तहसील, सुन्दरबनी, जिला राजौरी, जम्मू-काश्मीर को निरुद्ध कर लिया जाए और जिला कारागार, जम्मू में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में तस्करीत माल को छुपाने एवं दुष्प्रेरण करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, जम्मू-काश्मीर के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 673/106/93-सी.गु.-8]

ए. के. सिन्हा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1922.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/106/93-Cus. VIII dated 15-10-1993 under the said sub-section directing that Shri Rattan Singh S/o Shri Bachittar Singh R/o Village Menaka, P.O. Rajwal, Tehsil Sunderbani District, Rajouri, Jammu and Kashmir be detained and kept in custody in the District Prison Jammu with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods and engaging in concealing of smuggled goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, I&K within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/106/93-Cus. VIII]

A. K. SINHA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 28 जून, 1995

का.आ. 1923 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/53/95-सी.शु. 8 दिनांक 17-5-95 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री दीनदयाल डिडवानिया, सुपुत्र श्री रामगोपाल डिडवानिया, 172, क्षितिज बिल्डिंग मंजिल नं. 17, नेपेन सी रोड, बम्बई को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, नासिक, पुणे में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सका :

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति के इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/53/95-सी.शु. 8]

ए० के० सिन्हा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 28th June, 1995

S.O. 1923.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/53/95-Cus. VIII dated 17-5-1995 under the said sub-section directing that Shri Deendayal Didwania S/o Shri Ramgopal Didwania, 172, Kshitij Building 17th Floor, Nepeansea Road, Bombay be detained and kept in custody in the Central Prison, Nasik Pune with a view to preventing him from smuggling of goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/53/95-Cus. VIII]

A. K. SINHA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 28 जून, 1995

का.आ. 1924 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/54/95 सी.शु. 8 दिनांक 17-5-1995 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री नवनीत कुमार डिडवानिया सुपुत्र श्री दीनदयाल डिडवानिया 172, क्षितिज बिल्डिंग, मंजिल नं. 17, नेपेन सी रोड, बम्बई को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, नासिक, पुणे में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सका ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/54/95-सी.शु.-8]

ए.के. सिन्हा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 28th June, 1995

S.O. 1924.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/54/95-Cus. VIII dated 17-5-1995 under the said sub-section directing that Shri Navneet Kumar Didwania S/o Shri Deendayal Didwania, 172, Kshitij Building 17th Floor, Nepeansea Road, Bombay be detained and kept in custody in the Central Prison, Nasik, Pune with a view to preventing him from smuggling of goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/54/95-Cus. VIII]

A. K. SINHA, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय का कार्यालय

कानपुर, 12 मई, 1995

संख्या 02/95 कस्टम्स (एन टी)

(सीमाशुल्क)

का. आ. 1925 :—सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 152 के खण्ड (क) व राजस्व, विभाग वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की अधिसूचना नं.

33/94-कस (एनटी), दिनांक 1 जुलाई, 1994 के द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं अधोहस्ताक्षरी एम.सी. कौल, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क कानपुर एतद्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के मथुरा जनपद की छाता नहसीय के ग्राम नगला हसनपुर के ऊपरी संपवा III कोसीकलां को, जो दिल्ली-आगरा राजपट्टीय राजमार्ग 2 के 99वें किलोमीटर पर स्थित है, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अंतर्गत 100% ई.ओ.यू. व्यवस्थित करने के उद्देश्य से एक भण्डारण गृह घोषित करता हूँ।

[फा.सं. VIII(40) 27-कस/पसुपति/95/14302]

एम.सी. कौल, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR, CENTRAL EXCISE

Kanpur, the 12th May, 1995

NO. 02/95-CUSTOMS(NT)

(CUSTOMS)

S.O. 1925.—In exercise of the power delegated to the undersigned vide Notification No. 33/94-Cus (NT), dated the 1st July, 1994 by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, under clause (a), of Section 152 of the Customs Act, 1962 I, M. C. Kaul, Collector of Customs and Central Excise, Kanpur hereby declare Village Nagla Hasanpur, 99 Km. Mile Stone, Delhi Agra NH-2, Upside Estate III, Kosikulan, Tehsil Chhata, District Mathura in the State of Uttar Pradesh to be a Warehousing Station under section 9 of the Customs Act, 1962 for the purposes of setting up of 100% E.O.U.

[F. No. VIII(40) 27-Cus/Pasupati/95/14302]

M. C. KAUL, Collector

मुख्य आयकर आयुक्त-II का कार्यालय

कलकत्ता, 19 जून, 1995

सं. 3/95-96

का.आ. 1926 :— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) एवं (2) एवं केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली का दिनांक 5-7-94 की अधिसूचना सं. 9565 एफ.सं. 279/129/93-आई टी जे (पार्ट-II) और एस.ओ. सं. 504 दिनांक 5-7-94 में प्रदत्त शक्तियों का तथा इस दिशा में हमें सक्षम बनाने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग तथा आदेश सं. 3/94-95 दिनांक 26-7-94 के आंशिक संशोधन करते हुए मैं, मुख्य आयकर आयुक्त-II कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर आयुक्त (अपील) 4 कलकत्ता के स्थान पर, आयकर उपायुक्त रेंज 3 के कलकत्ता के प्रभागधीन कार्यरत निर्धारण अधिकारियों द्वारा किए गए निर्धारणों से उद्भूत अपील मामलों पर आयकर आयुक्त (अपील) XI, कलकत्ता का क्षेत्राधिकार होगा।

2. क्षेत्राधिकार आदेश सं. 3/1994-95 दिनांक 26-7-94 भी लागू रहेगा मित्राएँ उपर्युक्त संशोधन के।

3. यह आदेश दिनांक 3-7-1995 में लागू होगा।

[सं. ए सी/एच क्यू/प्लानिंग/30/95-96]

ए.के. बटव्याल, मुख्य आयकर आयुक्त-II

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME-TAX-II

Calcutta, the 19th June, 1995

No. 3/95-96

S.O. 1926.—In exercise of the powers conferred under sub-sections (1) & (2) of section 120 of the Income tax Act, 1961 (13 of 1961) and the powers conferred by notification No. 9565 F. No. 279/129/93-ITJ (Pt. II) dated 5th July, 1994 and S.O. No. 504 dated 5th July, 1994 of the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, and all other powers enabling me in this behalf and in partial modification of the order No. 3/94-95 dated 26th July, 1994, I, the Chief Commissioner of Income-Tax-II, Calcutta, hereby direct that the Commissioner of Income-tax (Appeals)-XI, Calcutta shall have the jurisdiction over the appeal cases arising from the assessments made by the Assessing Officers functioning under the charge of the Deputy Commissioner of Income tax, Range-3, Calcutta, in place of the Commissioner of Income-tax (Appeals)-IV, Calcutta.

2. The jurisdiction order No. 3 of 1994-95 dated 26th July, 1994 will also be in force, save and except the aforesaid modification.

3. This order shall take effect from 3rd July, 1995.

[No. AC/HQ/Planning/30/95-96]

A. K. BATASYAL, Chief Commissioner of Income-tax-II

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1995

का. आ. 1927 :—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) के साथ पठित बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और प्रवरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री राम-दाम गिवराम केमर, लिमिटेड, देवा बैंक, 16, रविवार करंत्रिया, पोस्ट बाक्स सं. 45, नासिक सिटी का दिनांक 28 जून, 1995 से 27 जून, 1998 तक की तीन वर्षों की अवधि के लिए या जब तक वे देना बैंक के एक कर्मचारी के रूप में अपनी सेवा छोड़ नहीं देते हैं, उनमें से जो भी पहले हों, देना बैंक के निदेशक बोर्ड में निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 15/12/94-पार्ट. प्रार.]

एस. के. बतरा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 28th June, 1995

S.O. 1927.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of Sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub-clause (1) of Clause 3 of the Nationalised Banks

(Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Ramdas Shivram Kasar, Clerk, Dena Bank, 16, Raviwar Karanjia, P.B. No. 45, Nasik City as a Director on the Board of Directors of Dena Bank for a period of three years with effect from 28th June, 1995 to 27th June, 1998 or until he ceases to be an employee of the Dena Bank whichever is earlier.

[F. No. 15/12/94-IR]

S. K. BATRA, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का. आ. 1928:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/114/93-सी. नु. 8 दिनांक 4-11-1993 को यह निदेश जारी किया था कि श्री मनमीत सिंह उर्फ तरनजीत सिंह पता 5/16, मुभाय नगर, नई दिल्ली-110027 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संरक्षण के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, दिल्ली के समक्ष हजरि हों।

[फा. सं. 673/114/93-सी. नु. 8]

रूप चन्द, अवर सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1928.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/114/93-Cus. VIII dated 4-11-1993 under the said sub-section directing that Shri Manmeet Singh @ Taranjeet Singh R/o 5/16, Subhash Nagar, New Delhi-110027 be detained and kept in custody in the Central Prison Tihar, New Delhi with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the conservation of foreign exchange in future ;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/114/93-Cus.VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का. आ. 1929:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/102/94-सी.नु. 8, दिनांक 20-7-1994 को यह निदेश जारी किया था कि श्री नित्य मजूमदार सुपुत्र स्वर्गीय श्री अनिल कुमार मजूमदार एच.ए.-224, सेल लेक मैक्टर-3, कलकत्ता-700091 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, दमदम, कलकत्ता में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संरक्षण के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, कलकत्ता के समक्ष हजरि हों।

[फा. सं. 673/102/94-सी.नु.-8]

रूप चन्द, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1929.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/102/94-Cus.VIII dated 20-7-1994 under the said sub-section directing that Shri Nitya Mazumdar S/o Late Shri Anil Kumar Mazumdar HA-224, Sale Lake Sector-III, Calcutta-700091 be detained and kept in custody in the Central Prison Dum Dum, Calcutta with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/102/94-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(ट्रेडिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 29 जून, 1995

का.आ. 1930:—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 4(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, राष्ट्रीय

कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की पूंजी को वर्तमान
330 करोड़ रुपए (तीन सौ तीस करोड़ रु.) से बढ़ाकर
500 करोड़ रु. (पांच सौ करोड़ रु.) करती है।

[एफ. सं. 3(38)/95-ए.सी.]

सुधीर श्रीवास्तव, उप सचिव

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)
New Delhi, the 29th June, 1995

S.O. 1930.—In exercise of the powers conferred by Section 4(i) of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, increases the capital of the National Bank for Agriculture and Rural Development from the existing Rs. 330 crores (Rupees three hundred and thirty crores) to Rs. 500 crores (Rupees five hundred crores).

[F. No. 7(38)/95-ACI]
SUDHIR SRIVASTAVA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 29 जून, 1995

का. आ. 1931 :—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1), खण्ड 5, खण्ड 6, खण्ड 7 और खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित बैकहोरो कम्पनी (उत्कृष्टों का अग्रिम एवं अंतरण) अधिनियम—1970 की धारा 9 की उपधारा 3 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा, श्री एस. ए. कामथ, वर्तमान कार्यपालक निदेशक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को दिनांक 1 जुलाई, 1995 से 30 अप्रैल, 1997 तक की अवधि के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[एफ. सं. 9/10/94—बी. ओ. I]

के. के. मंगल, अवतर सचिव

New Delhi, the 29th June, 1995

S.O. 1931.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section 3 of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub-clause (1) of clause 3 clause 5, clause 6, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri S. A. Kamath, presently Executive Director, Union Bank of India as Chairman and Managing Director, Bank of Maharashtra for the period from 1st July, 1995 and upto 30th April, 1997.

[F. No. 9/10.94-B.O.I]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जून, 1995

का. आ. 1932 :—भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कृष्णाराम बलदेव बैंक लिमिटेड के कारबार के अधिग्रहण से संबंधित दिनांक 22-2-1974 को केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गये आदेश की शर्तों तथा निबंधनों की धारा 5 (IV) तथा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) के खण्ड 35 के उपखण्ड (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कृष्णाराम बलदेव बैंक लिमिटेड की वसूल न की गई परिसम्पत्तियों के अन्तिम मूल्यांकन की समय सीमा को 19 अप्रैल, 1994 से 18 अप्रैल, 1995 (दोनों दिन शामिल हैं) तक की एक वर्ष की अवधि के लिए और बढ़ाती है।

[सं. 15/6/87—बी. ओ. III]

प्रतिभा मोहन, निदेशक

New Delhi, 29 June, 1995

S.O. 1932.—In pursuance of clause 5 (IV) of the Terms and Conditions sanctioned by the Central Government under an order dated the 22nd February, 1974 relating to the acquisition by the State Bank of India of the business of Krishnaram Baldeo Bank Ltd. and in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 35 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby extends the time limit for final valuation of the unrealised assets of the Krishnaram Baldeo Bank Ltd., for a further period of one year from 19th April, 1995 to the 18th April, 1996 both days inclusive.

[No. 15/6/87 B.O.III]

PRATIBHA MOHAN, Director

आदेश

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1995

का. आ. 1933 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा.सं. 673/51/95-सी. शु. 8 दिनांक 17-5-1995 को यह निदेश जारी किया था कि श्री मनोज कुमार डिडवानिया सुपुत्र श्री रामगोपाल डिडवानिया ए-199, न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, नासिक में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन न हो सके;

आदेश

नई दिल्ली, 3 जुलाई 1995

3. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/51/95-सी.शु.-8]

ए.के. सिन्हा, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 3rd July, 1995

S.O. 1933.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/51/95-Cus.VIII dated 17-5-95 under the said sub-section directing that Shri Manoj Kumar Didwania, S/o Ramgopal Didwania, A-199, New Friends Colony, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Nasik with a view to preventing him from smuggling of goods, in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette

[F. No. 673/51/95-Cus.VIII]

A. K. SINHA, Under Secy.

का०आ० 1934.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा की उपधारा 1 के अधीन आदेश फा. सं. 673/52/95-सी.शु. 8 दिनांक 17-5-1995 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री अनिल कुमार डिडवानिया सुपुत्र श्री रामगोपाल डिडवानिया 1207, चिरंजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019 को निषेद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, नासिक में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन न हो सके;

3. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस, दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/52/95-सी.शु.-8]

ए.के. सिन्हा, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 3rd July, 1995

S.O. 1934.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/52/95-Cus.VIII dated 17-5-1995 under the said sub-section directing that Shri Anil Kumar Didwania, S/o Shri Ramgopal Didwania, 1207, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi-110019 be detained and kept in custody in the Central Prison, Nasik with a view to preventing him from smuggling of goods, in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/52/95-Cus.VIII]

A. K. SINHA, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.आ. 1935.—मै. विदेश मंत्रालय, प्रोटोकॉल डिवीजन, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली को मोटोरोला वीआईएस एअर यूएचएफ के 2 सेट आयात के लिए 1,75,350 रु. (मात्र एक लाख, पचहत्तर हजार, तीन सौ पचास रुपए) के लिए आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2324332 दिनांक 24-3-95 मंजूर किया गया था।

फर्म ने ऊपर उल्लिखित लाइसेंस की सीमाशुल्क और विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रतियों की अनुलिपि इस आधार पर जारी करने के लिए आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति प्रेषण में खो गए हैं और उनके द्वारा प्राप्त नहीं किए गए हैं। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस सीमाशुल्क प्रयोजनों और विनिमय नियंत्रण प्रतियां किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी के साथ पंजीकृत नहीं कराई गई थी और आयात लाइसेंस के मूल्य का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया गया है।

मैं तदनुसार संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2324332 दिनांक 24-3-95 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजनों और विनिमय नियंत्रण प्रतियां प्रेषण में खो गई हैं। मैं विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा जारी आदेश सं. आ. 1060(ई) दिनांक 31-12-93 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए मै./विदेश मंत्रालय को जारी मूल सीमाशुल्क प्रयोजनों और विनिमय नियंत्रण प्रतियों सं. पी डी/2324332 दिनांक 24-3-95 को एतद्वारा निरस्त करता हूँ।

उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनों और विनिमय नियंत्रण प्रतियों की अनुलिपि पार्टी को अलग से जारी की जा रही है।

[फा.सं.एसपीएल/एनएस/1017/ए.एम/95 एसएलएस/318]

एच. एल. असवाल, उप महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Foreign Trade)

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1935.—M/s. Ministry of External Affairs, Protocol Division, South Block, New Delhi, were granted an import licence No. P/D/2324332 dated 24th March, 1995 for Rs. 1,75,350 (Rupees One lakh seventy five thousand three hundred and fifty only) for import of 2 Sets of Motorola VISAR UHF.

The Firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs and Exchange control purposes copies of the above mentioned licence on the ground that original Customs purposes and Exchange Control copy of the licence have been lost in transit and not revived by them. It has further been stated that the Customs Purposes and Exchange Control copies of the licence were not registered with any Customs Authority and as such the value of the Import Licence has not been utilised at all.

2. I am accordingly satisfied that the original Customs purposes and Exchange Control copies of import licence No. P/D/2324332 dated 24th March, 1995 have been lost in transit. In exercise of the powers conferred on me order S.O. 1060(E) dated 31st December, 1993 issued by the DGFT, New Delhi, original Customs purposes and exchange/control copies No. P/D/2324332 dated 24th March, 1995 issued to M/s. Ministry of External Affairs are hereby cancelled.

3. A duplicate Customs purposes and Exchange control copies of the said licence are being issued to the party separately.

[F. No. SPL/NS/1017/AM/95/SLS/318]

H. L. ASWAL, Dy. Director Genl.

नागरिक पूति उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक बितरण मंत्रालय

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का. भा. 1936:—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:

अनुसूची

क्र. स. लाइसेंस संख्या	लागू होने की तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या और भाग
1	2	3	4	5
1 5033747	94-12-01	बिनय सीगेंट लि., जमुना नगर, उमरानगशू, एन. सी. हिल्स, एन. सी. हिल्स—788931	पोर्टलैंड पोर्जोलोना सीगेंट उड़न राख आचारित	IS 01489 : 91 पार्ट : 01
2. 5033848	94-12-01	हिन्द गोसाइक एण्ड सीगेंट वर्क्स रूपासूप (पटना कैनाल के ऊपर) बेली रोड, पटना—800014	सामान्य कांचों की फर्ग्वेदी के लिए सीगेंट, कंक्रीट की टाइल, बिना चित्रकारी के लिफ्टिंगाइल	IS 01237 : 80
3. 5033949	94-12-01	डी. एस. कंसर्न, 20 पी, हरीश नियोगी रोड, कलकत्ता—700067	प्लाइवुड की चाय की पेटियां भाग 2 प्लाइवुड	IS 00010 : 76 पार्ट : 02
4. 5034042	94-12-01	इलेक्ट्रिक लैम्प मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया लि.), 1, ताराटोला रोड, गार्डन रीच, कलकत्ता—700024	उच्च बाब के मेरकरी वाष्प लैम्प, 200 से 250 बी.	IS 09900 : 81 पार्ट : 01
5. 5034143	94-12-01	महावीर पम्पस मैन्युफैक्चरिंग प्रा. लि., 21, एफ रोड, बेलागाछी, हावड़ा	गहराई से पानी निकालने के हैंड पम्प (ग्लोम)	IS 09301 : 90
6. 5034244	94-12-01	महावीर पम्पस मैन्युफैक्चरिंग प्रा. लि., 21, एफ रोड, बेलागाछी हावड़ा	गहराई से पानी निकालने के हैंड पम्प (ग्लोम)	IS 13056 : 91
7. 5034345	94-12-01	इंडस्ट्रियल कास्टिंग कोंपेरेशन, 58/5 नेताजी सुभाष रोड, लिसुहा, जिला हावड़ा, लिसुहा हावड़ा	मल, गंदे पानी और संभालन के लिए रेत सांघों में ठले हुए लोहे के स्मिगट और साफ्ट के लिए पाइप	IS 01729 : 79
8. 5034446	94-12-01	के रीकोस परफूमरी वर्क्स न 207 डा. पी. सी. गाय रोड, माउथ जगदाय, 24 परगना (ब)	रोगाणु नाशी द्रव काला	IS 01061 : 82

1	2	3	4	5	6
9.	5034547	94-12-01	मिक्रोमेक इंडस्ट्रीज, 8/1 ए, गुरुदास दत्ता गार्डन लेन, कलकत्ता - 700067	ग्रबल भंडारण टाइप पानी गर्मिनि के बिजली के हीटर बेंट टाइप 25 लीटर क्षमता के	IS 02082 : 85
10.	5034648	94-12-01	इंडियन इलेक्ट्रिकल लैम्प वर्क्स, एए-7/4 बगुइहट्टी रोड, देशबंधु नगर, समीप पोस्ट धाफिस लेन, कलकत्ता-700059	सामान्य सेवाओं के लिए बिजली के लैम्पों के लिए टंगस्टन तंतु	IS 00418 : 78
11.	5034749	94-12-01	नंदन इलेक्ट्रिकल प्रा. लि., 3, जी गगन सरकार रोड, कलकत्ता-700010	सामान्य सेवाओं के लिए बिजली के लैम्पों के लिए टंगस्टन तंतु	IS 00418 : 78
12.	5034850	94-12-01	मिनोटो इंजीनियरिंग वर्क्स, 32, बक्सर रोड, हावड़ा-711306	इ स्पात के पाइप के कोर	IS 06392 : 71
13.	5034951	95-01-01	प्ररुणाचल सॉ एण्ड बेसीर मिल्स प्रा. लि., जयरामपुर-792121 प्ररुणाचल प्रदेश	ब्लॉक बोर्ड	IS 01659 : 90
14.	5035044	95-01-01	साकाली इंजीनियरिंग कॉन्सॉल्टिंग, 37-न्यू रोड, बेलागाछी, हावड़ा-711108	पानी संबंधी कार्यों के लिए स्लूम बाल्व	IS 02906 : 84
15.	5035145	95-01-01	गिनी इंडस्ट्रीज, प्लाट नं. 17 पी, तासीसिल्वई इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 2, रांची बिहार	ग्रल्य दाब एसपीजी के 28.2 लीटर पानी क्षमता वाले बेल्वेड ग्रल्य दाब वाले इस्पात के सिलिंडर	IS 03196 : 92 पार्ट : 01
16.	5035246	95-01-01	डिवलेम (इंडिया), 58 बी .टी. रोड, कलकत्ता-700002	सोडा ग्रमल रासायनिक ग्रमि- शमन के लिए रिफिल भाग 1 सोडा ग्रमल सुशुद्ध अग्नि शमक यंत्रों के लिए रिफिल	IS 05490 : 77 पार्ट : 01
17.	5035347	95-01-01	उमरांगसी सीमेंट लि., उमरांगसी एन. सी. हिल्स, असम	33 ग्रेड ओ. पी. सी.	IS 00269 : 89
18.	5035448	95-01-01	रॉक सीमेंट (प्रा) लि., टेलीफॉस, कुमारमुंडा, जिला सुन्वरगढ़, उड़ीसा	पोर्टबल स्लेग सीमेंट	IS 00455 : 89
19.	5035549	95-01-01	रॉक सीमेंट (प्रा) लि., टेलीफॉस, कुमारमुंडा, जिला सुन्वरगढ़, उड़ीसा	33 ग्रेड प्रा. पी. सी.	IS 00269 : 89
20.	5035650	65-01-01	कामरूप रोलिंग मिल्स प्रा. लि., लोखरा रोड, पो. आ. स्वाकूनी, गुवाहाटी, असम-781018	प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य वर्तित इस्पात की छड़ तार	IS 01786 : 85

1	2	3	4	5	6
21.	5035751	95-01-01	साथू इंटरप्राइस, 15, नागेंद्रनाथ रोड, डमडम, कलकत्ता--700028	गैस, मीस और मलजल के पाइप के लिए रबड़ सिलिंग रिंग	IS 05382 : 85
22.	5035852	95-01-01	ओडीसा प्लास्टिक प्रोडक्ट्स लि., ओटी रोड, बालासौर, 1 बालासौर, उड़ीसा--756001	ट्यूब्स लगाने के लिए बिना प्लास्टिक के पीवीसी जाली और डलवा पाइप	IS 12818 : 92
23.	5035953	95-01-01	ब. चम्पादानी इंड. लि., विलिंगटन जूट मिल की इकाई विलिंगटन जूट मिल, जी. टी. रोड, पो. ओ. रिसरा, जिला हुगली	50 किलो तक बाघ घनाज भरने के लिए जूट के बोरे	IS 12650 : 89
24.	5036046	95-01-01	हाई-टेक लेबोरेटरी, 36--सांलीनड, गोरोलिया, पो. ओ. श्यामनगर, 24 परगना (द.) -- 743127	सीमेंट जलसह बनाने का यौगिक	IS 02645 : 75
25.	5036147	95-01-01	बिरला जूट एण्ड इंड. लि., बेली जूट मिल की इकाई, 5, स्काट केर रोड, पो. ओ. बेली--711201	50 किलो तक बाघ घनाज भरने के लिए जूट के बोरे	IS 12650 : 89
26.	5036248	95-01-01	रिलायंस जूट लि., कुकीनाराह, पो. भटपारा, 24 परगना	50 किलो तक बाघ घनाज भरने के लिए जूट के बोरे	IS 12650 : 89
27.	5036349	95-01-01	खुड़ों जूट मिक्स, बेंगिल, हावड़ा 1	बाघ घनाज की भरवाई के लिए 50 किलो के जूट के बोरे	IS 12650 : 89
28.	5036450	95-01-01	कुमारहटी कं. लि., ग्राहम रोड, पो. ओ. कुमारहटी, कलकत्ता--700058	बाघ घनाज की भरवाई के लिए 50 किलो के जूट के बोरे	IS 12650 : 89
29.	5036551	95-01-01	बंगाल मिमरल्स एण्ड केमिकल्स इंडस्ट्रीज, 67, प्रियनाथ मिडिया रोड, बेलगारिया, कलकत्ता--700056	कूकट आहार के लिए कमिज मिश्रण पूरक	IS 05672 : 92
30.	5036652	95-01-01	नईहटी जूट मिक्स कं. लि., पो. ओ. हाजीनगर, नईहटी, 24--परगना	50 किलो तक बाघ घनाज की भरवाई के लिए जूट के बोरे	IS 12650 : 89
31.	5036753	95-01-01	न्यू सेंद्रल जूट मिक्स, कं. लि., (यूनिट : प्रालबिओन), बुडगी बुडगी, जिला--24 परगना--743319	50 किलो तक बाघ घनाज की भरवाई के लिए जूट के बोरे	IS 12650 : 89
32.	5036854	95-01-01	कालाधोलिएम जूट एण्ड इंडस्ट्रीज लि., 18--मेहता रोड, बडीकाली नगर, पो. ओ. बज-बज-743319	50 किलो तक बाघ घनाज की भरवाई के लिए जूट के बोरे	IS 12650 : 89
33.	5036955	95-01-01	जमी प्लाइवुड इंडस्ट्रीज लि., मोगापानी, पो. ओ., बओमाली, ट्रिप, धरुणाचल प्रदेश	सामान्य कार्यों के लिए प्लाइवुड	IS 00303 : 89
34.	5037048	95-01-01	पर्वतक जूट मिक्स लि., कुमार हट्टी, बी. टी. रोड, 24 परगना, कलकत्ता--700050	भारतीय हेसियम	IS 02818 : 71 पाठ : 02
35.	5037149	95-01-01	वेस्टर्न एप्रो इम्प्लीमेंट कं. प्रा. लि., 212--राजा रामचन्द्र घाट रोड, पानीहट्टी 24 परगना (दक्षिण)	पांच चालित धान के धोंसर	IS 03327 : 82

1	2	3	4	5	6
36.	5037250	95-01-01	मेकनेल इलेक्ट्रिकल्स लि., द्वारा : एमएम हिन्दुस्तान स्टील मेटल लि., 19-दक्षिणवारी रोड, कलकत्ता-700048	बिजली के उपकरणों के लिए ज्वालासह प्रावरण	IS : 02148 : 81
37.	5037351	95-01-01	फोर्ट विलियम इंडस्ट्रीज लि., 6/ए.जी.टी. रोड, कोणार्णव, जिला हुगली	तार के रस्से	IS : 09282 : 79
38.	5037452	95-01-01	इलेक्ट्रो स्टील कार्टिंग लि., 30 बी.टी. रोड, खादवा, पो. ओ. सूकवार 24 परगना (व)	पानी, गैस और जलमल के लिए ग्रुप केन्द्रीय डले (स्पन) तथा लौह के पाइप	IS : 08329 : 90
39.	5037553	95-01-01	नफरचन्द्र जूट मिल्स, बूढानाथ कोल्हा रोड, पो. ओ. कानकीनारा- 743128	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 किलो के जूट के बोरे	IS : 12650 : 89
40.	5037654	95-01-01	हुगली मिल्स कं. लि., यूनिट : गोंगलपाड़ा जूट मिल, गोंगलपाड़ा, हुगली-712137	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 किलो के जूट के बोरे	IS : 12650 : 89
41.	5037755	95-01-01	एस. के. घोष एण्ड कं., 18/16, बीरेन राय रोड, (पू), कलकत्ता - 700034	रोगणुनाशक द्रव, काला	IS : 01081 : 82
42.	5037856	95-01-01	दिबंग बेनी टिम्बर ट्रेड प्रा. लि., पो. ओ. बुलुंग (रोइंग) जिला दिबंग बेनी, अरुणाचल प्रदेश	सामान्य कार्यों के लिए प्लाइवुड	IS : 00303 : 89
43.	5037957	95-01-01	बलहीजी जूट कं. लि., पो. ओ. बिद्यावटी, जिला हुगली	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 किलो के जूट के बोरे	IS : 12650 : 89
44.	5038050	95-01-01	हुगली मिल्स प्रोजेक्ट, हुकुमचन्द जूट मिल की इकाई, पो. ओ. हाजीनगर, नई हट्टी - 24 परगना- 743135	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 किलो के जूट के बोरे	IS : 12650 : 89
45.	5038151	95-01-01	श्री गौरी शंकर जूट मिल प्रा. लि., नाम नगर, पो. ओ. गरुलिया-743133	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 किलो के जूट के बोरे	IS : 12650 : 89
46.	5038252	95-01-01	बेबीट कं. लि., बुडीकाली नगर, पो. ओ. बज बज 24-परगना (व) — 743319	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि. प्रा. के जूट के बोरे	IS : 12650 : 89
47.	5038353	95-01-01	आकलैंड इंटरनेशनल लि., पो. ओ. जगदाला, 24 परगना (दक्षिण) पश्चिम बंगाल (24 परगना) (व.) 743125	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि. प्रा. के जूट के बोरे	IS : 12650 : 89
48.	6060957	94-10-01	अल्लपूर्ण सीमेंट लि., समेला गाँव, आसिफाबाद तालुक, आसिफाबाद जिला (आ. प्र.) 504293	43 घेड सीमेंट	IS : 08112 : 89
49.	6061050	94-10-01	ट्रस्ट पम्प, 324 ए, लिपि रोड, सिहनालूर, कोयम्बतूर-641005	एकहरी फेस, एसी छोटी बिजली की मोटर	IS : 00996 : 79
50.	6061151	94-10-01	बी पी फोम (प्रा) लि., ए-38-40 पिपडिक इंड. एस्टेट, सिदारापेट, पोंडिचेरी-605101	घरेलू प्रयोजनों के लिए नम्य पानीपूरेशन फोम	IS : 07933 : 75

1	2	3	4	5	6
51.	6061252	94-10-01	डेक्समो इंडस्ट्रीज, मेडुपालयम रोड, जी. एम. मिल पोस्ट, कोयम्बतूर-541029	3 फेसी प्रेरण मोटर	IS : 00325 : 78
52.	6061353	94-10-01	गोखारवा पम्प, 88, नावर स्ट्रीट, नाइसकरे कोटम, कोयम्बतूर-641001	एकहरी फेस, एसी छोटी बिजली की मोटर	IS : 00996 : 79
53.	6061454	94-10-01	एस. एस. कम्पोर बक्मं, 110-अम्मान कोइल स्ट्रीट, कोंडीघोपे, मद्रास-600099	कमफोर तकनीकी मोली	IS : 03584 : 84
54.	6061555	94-10-01	विजय सीमेंट (प्रा.) लि., मेलामाथुर अरियालूर, त्रिची जिला-621713	43 ग्रेड ओपीसी	IS : 08112 : 89
55.	6061656	94-10-01	अम्बर बिस्कुट प्रा. लि., मंनोष नगर फॉस रोड, हैदराबाद (भा. प्र.)-500660	बिस्कुट	IS : 01011 : 92
56.	6061757	94-09-01	फ्रीजर कार्पोरेशन, बी-47/48 इंडस्ट्रियल एस्टेट, संतनगर, हैदराबाद-500018	रम इयर कंडिशनर यूनिटरी टाइप	IS : 01391 : 92 भाग : 01
57.	6061858	94-10-01	रिक्विन फ्लोर लि., रामापुरम, डोंडापाळ रोड, नालाबंदगुडम, चिमिरियाल गांव, चिमिरियाल गांव, नालगोंडा जिला (भा. प्र.)—508206	बिना पीठ के तम्य पीबीसी फर्श- बंदी बेलन और शीट केवल प्रतिरोधिता के हल्की खनिज तेल और बिजली के बीज का तेल विभिन्न प्रतिस्थापित प्रतिरोधिता के लिए	IS : 03462 : 86
58.	6061959	94-10-01	त्रिवृताथपुरम विनीष पेंट निर्माण व्यवसाय एस एस लि., बी-4 इंडस्ट्रियल एस्टेट, पका नाभ कोड, त्रिवंथापुरम, केरल-695019	मोमेंट पेंट हल्की घाघा	IS : 05410 : 92
59.	6062052	94-10-01	श्री प्रकाश इंडस्ट्रीज, 26-मुलएशियामाल बेम्राउट, दूसरी स्ट्रीट, लक्ष्मीपुरम, पीलासेड, कोयम्बतूर-641004	एकहरी फेस छोटी बिजली की मोटर, एसी	IS : 00996 : 79
60.	6062153	94-10-01	श्री कामधेनु इंडस्ट्रीज, 27-बी ओ सी II स्ट्रीट कालोनी, ग्रामीसजीकरई, मद्रास-600029	कोलतार बाघ रंग तैयार पाउडर	IS : 05346 : 75
61.	6062254	94-10-01	रवि इंडस्ट्रीज, 8/30 न्यू बामूनगर, पुलीकुसम रोड, पी. एन. पलायम, कोयम्बतूर-641037	एकहरी फेस एसी बिजली की मोटर	IS : 00996 : 79
62.	6062355	95-11-01	सदर्न वायर्स, शे. नं. 365 पपन चेताराम गांव, कि. मी. 29 मद्रास-बंगलौर रोड, नाजरथ पेट, श्री पेरुमबडूर तालुक - 602103	पूर्व प्रचलित कं क्रीट के लिए 3] ओकेटी-3 मिमी बिना लेपित प्रतिबलमुक्त लड़	IS : 06006 : 83
63.	6062456	94-10-01	एस. बी. सीमेंट लि., कनाकादरीपल्ले, कोलीमिगुंडला मंडल, कुरमूल जिला-518123	43 ग्रेड सा. पो. सी.	IS : 08112 : 89

1	2	3	4	5	6
64. 6062557	94-10-01	के.राम सीमेंट, बसंतनगर, करीम नगर जिला, (भा. प्र.) - 505187	सर्कट प्रतिरोधी सीमेंट	IS 12330 : 88	
65. 6062658	94-10-01	पेमा सीमेंट इंडस्ट्रीज लि., तालाचीचरम्पू गांव, टांडपल्ली मंडल, जंमशेपुर जिला (भा. प्र.)	33 ग्रेड जो. पो. सी.	IS 00269 : 89	
66. 6062759	94-11-01	एजी एरीसन, 182, बरका रोड, नामनालवारपेट, मद्रास--600012	सिंकाई के लिए पोलीथीन के पाइप	IS 12786 : 89	
67. 6062860	94-10-01	यासीन इंडस्ट्रीज, 17--सिखको इंडस्ट्रियल एस्टेट, पुडूकोट्टाई, तमिलनाडु--622004	मनस्पति और बाइटेन के 15 किमा. के चौकोर टिन बिना डकन के	IS 10325 : 89	
68. 6062961	94-11-01	प्रियदर्शनी सीमेंट लि., रामापुरम गांव, मालशोडा जिला (भा. प्र.) --508246	सर्कट प्रतिरोधी सीमेंट,	IS 12330 : 83	
69. 6063054	94-10-01	ट्रांसलिक इंडस्ट्रीज, पुनयासायामम, किलीकिल्थूर पो. ओ. कोल्लाम, केरल--691004	एसी एसआर बालक 7 छड के	IS 00398 : 76 पाई : 02	
70. 6063155	94-11-01	गांधीमाथी ग्रामाबंधसे, 143--केसामबक्कम बेंबलूर रोड, पुडूचक्कम, चेंगई मार्ग जिला, तमिलनाडु--603103	शीघ्र पानी गमने के बिजली के हीटर	IS 08978 : 85	
71. 6063256	94-11-01	सी.टी. पम्प, 647 ईश्वरन चेटिशार लेमाउड, टाटाबाद, कोयम्बतूर--641012	कृषि साधनों के लिए तीन फीस प्रेरण मोटर	IS 07538 : 75	
72. 6063357	94-10-01	विजय सीमेंट, बैलाकालपट्टी, पुषानामपट्टी पोस्ट, तुरियूर तालुक, त्रिची जिला	43 ग्रेड सा. पो. सी.	IS 08112 : 89	
73. 6063458	94-10-01	नागार्जुन एपी एण्ड स्टील कारपोरेशन, जे.सी. बर्से, टांडेपल्ली, गुंदूर जिला (भा.प्र.) 522802	कार्बनडाइऑक्साइड बिसर्जनीय चूर्ण	IS : 08446 : 91	
74. 6063559	94-10-01	श्री रवि इंडस्ट्रीज, 15(बी) माइनेले इंडस्ट्रियल एरिया, अनेकुल तालुक, बगलौर जिला- 562107	निमज्जन पम्प	IS : 08034 : 39	
75. 6063660	94-11-01	बेकान इंडस्ट्रियल प्राइवेट लि., प्लाट नं. 2, हकीजपेट मिनी इंड. एस्टेट, मियापुर भार. भार. जिला (भा.प्र.) 500133	गैस, मैन और मलजल के लिए रबर सीलिंग रिंग	IS : 05382 : 85	
76. 6063781	94-11-01	राजेश्वरी इलेक्ट्रिकल, 2123 त्रिची रोड, सम्पुख : राजलक्ष्मी मिल, सिद्धान्तपुर, कोयम्बतूर 641006	इकहरी फेब, छोटी एसी बिजली की मोटर	IS : 00996 : 79	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
77. 6063862	94-11-01	पेसा सोमेंट इंडस्ट्रीज लि., तालारिबिरण्णु गांव, टांडपली मंडल, घनाथपुर जिला (भा.प्र.)	53 ग्रेड सा.पो.सी.	IS : 12269 : 87
78. 6063963	94-11-01	मोदी इलेक्ट्रिकल मै. फे. कम्पनी, ए-10 इंडस्ट्रियल एस्टेट, घम्बाटूर, मद्रास-600058	ए सी एस धार बालक	IS : 00398 : 76 पार्ट : 02
79. 6064056	94-11-16	जय इंडस्ट्रीज 456 सिडको इंडस्ट्रियल स्टेट, घम्बाटूर, मद्रास-60098	पानी गर्म करने के लिए बिजली के इमरसन हीटर	IS : 00368 : 92
80. 6064157	94-11-16	टी.टी. लिमिटेड, प्लॉट नं. 82 एण्ड 85, सिपकोट इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, जुजूवाडी, हुसर, तमिलनाडु-635126	पिटवा एल्यूमीनियम के बर्तन सामान्य और बड़े श्रेणी वाले बिना स्टिक और अप्रबालित प्लास्टिक लेपन वाले	IS : 01660 : 82 पार्ट : 01
81. 6064258	94-11-16	कास इक्विपमेंट कम्पनी, बंग. रोड, मेट्रोपॉलिटन रोड, कावेदेमापल्लायम, पां.बो. नं. 5406, कोयम्बटूर-641030	बिना रुकावट के वायु विकास के लिए प्रत्यागामी एयर कम्प्रेसर	IS : 05456 : 85
82. 6064359	94-11-01	बनजारा सीमेंट लि., सी. नं. 311 बोगासामुद्रम गांव, टांडीपली मंडल, अनन्तपुरी जिला, टांडीपली मंडल-515415	43 ग्रेड सा.पो.सी.	IS : 08112 : 89
83. 6064460	94-11-16	विशाखापत्तनम सीमेंट प्रां. लि., 260 ए, आई डी ए, कोजपल्ले, वरिगना जिला-521228	43 ग्रेड सा.पो.सी.	IS : 08112 : 89
84. 6064561	94-11-01	बाला कम्प्यूटर ग्राफिक एण्ड प्रिंटिंग प्रा. लि., सेफ नं. पैरर छेनीपल्लायम, कोयम्बटूर-641010	1100 घं. तक कार्यकारी बोल्टता के पी बोली रोधी (भारी ड्यूटी) बिजली के केबल	IS : 01554 : 88 पार्ट : 01
85. 6064662	95-11-01	बालाजी इंडस्ट्रियल एण्ड एग्रीकल्चरल कास्टिंग, 16/आई डी ए बाला नगर हैदराबाद-500003	अधिक गहराई से पानी निकालने के ड्रिण्ड पम्प	IS : 13287 : 92
86. 6064763	94-11-01	बी.एस. सेधिया एण्ड कंपनी, प्लॉट नं. ई-7, इंडस्ट्रियल एस्टेट, घनाकापल्ली पो. और मंडल, विशाखापत्तनम 531021	सल्फ्यूरिक एसिड	IS : 00266 : 77
87. 6064864	94-11-01	टैक्नो कैमिक्स इंडस्ट्रीज लि. टाउन हॉल रोड, ओइटस रोड, कलकत्ता-673001		IS : 02888 : 83
88. 6064965	95-11-01	सूर्या ड्राइव, 307- , एलाइडोटाम रोड, पीलागोडु कोयम्बटूर-641004	एयर कम्प्रेसर	IS : 05456 : 85

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
89.	6065058	94-11-01	सिवा इंडस्ट्रीज, नं. 801/1, बी, सितारा रोड, कालापट्टी, कोयम्बरूर-641035	एकहरे फेस छोटी बिजली को मीटर	IS : 00996 : 79
90.	6065159	94-11-01	सुगुना मशीन वर्क्स लि. प्लॉट नं. 408, कालापट्टी रोड, कालापट्टी, कोयम्बरूर-641035		IS : 00996 : 79
91.	6065280	94-11-01	बाबू नोटर्स पोस्ट बॉक्स नं. 293 690 पी.एन. रोड, तिरुवर-638602	वनियान सूती, सादी बुनी हुई	IS : 04964 : 91
92.	6065361	94-11-01	एलिन इटरप्राइस, पो. बॉ. नं. 72, दूसरी मील रेवीगुन्टा रोड, तिरुपति-517501	सामान्य कार्यों के लिए सिलिंडरनुमा बाल्व	IS : 13095 : 91
93.	6065462	94-11-01	राधिका पुल्वराइजर्स 5-68 सर्वे नं. 605/2 पेडा अम्बेरपेट, हयासनगर गंडल, रंगारेड्डी जिला	43 ग्रे सा.पो.सी.	IS : 08112 : 89
94.	6065563	94-11-01	यूनिवर्सल पेस्टीसाइड्स एण्ड केमिकल्स इंडस्ट्रीज, 3-ए सोलाक कादू पलायम, पालाडान-638659	एंडोसल्फान 30% ई सी	IS : 04323 : 80
95.	6065664	94-11-01	यूनिवर्सल पेस्टीसाइड्स एण्ड केमिकल्स इंडस्ट्रीज, 86 भारती पार्क, रोड नं. 2 साईबाबा मिशन पोस्ट, कोयम्बरूर-641011	क्विन्सलफास 25% ई सी	IS - 08028 : 87
96.	6065765	94-11-01	फिनीसेबल इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 87, लिटको इंडस्ट्रियल एस्टेट, कापाधलूर, मडुरई-625006	1100 बो. तक 50 वर्ग मी 0, के पी बी सी रोधी केबल, सहित जसरोधी केबल इकहरी और के विद्युत रोधी	IS : 00694 : 80
97.	6065866	94-11-01	गणेश बॉक्स प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज, आई ए कासूर रोड, रासिपूरम-637408.	पाराफीन गैस	IS : 04654 : 74
98.	6065967	94-11-01	सामभव इलेक्ट्रिक कम्पनी, नं. 14 बन्नीरघाटा रोड, भाक्कम बिल्डिंग, बंगलौर-560030	इकहरी फेस इनर्जी मीटर	IS : 13010 : 80
99.	6066060	94-10-01	बी सी एस फाइबर ग्लास इंडस्ट्रीज, हालीवुडलूर माड्य तालुक, होलेट्टानूर-571401	जी ग्रार पी शीश पात्र	IS : 11246 : 92
100.	6066161	94-10-01	सुंघ इजीनियरिंग प्रा. लि., फेस 2, आटो नगर, बेलूर-524004	कृषि कार्यों के लिए साफ पानी के लिए मोनोसेट पम्प	IS : 09078 : 89
101.	6066262	94-10-01	बिबेक टेक्स, 312, कामराज रोड, तिरुपुर-638604	वनियान सूती, सादी बुनी हुई	IS : 04964 : 91
102.	6066363	94-11-01	ट्रांसलिक इंडस्ट्रीज, बी पी—1/532 ए, बाबुकाविला पंचायत पंचालायाजम, किलकोलूर, पो. बी. कोलाम-691004	एल्यूमीनियम के बाल्व	IS : 00398 : 76 पार्ट : 01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
103.	6066484	94-11-01	बंगलौर पेंस्टीसाइड्स लि., 16वां कि.मी. तुमकुल रोड, बंगलौर ।	कैप्सूल बंद बालेवार फोरेंट	IS : 09358 : 80
104.	6066565	94-11-01	शक्ति इंडस्ट्रीज, बी-370 इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोकुल रोड, हुबली ।	यू पी बी सी पाइप	IS : 04985 : 88
105.	6066666	94-12-01	वि एस्सुमिनिम इंडस्ट्रीज लि. स्टील प्राइवेट्स डिविजन नं० 1, सिरेमिक फैक्टरी रोड, कुंठारा-691501	सामान्य इंजिनियरी कार्यों के लिए गृह इस्पात के तार	IS : 00280 : 78
106.	6066767	94-12-01	बोनी टेक्स, 28, मुधुसाम स्ट्रीट एक्सटें० 1 फास, तिरुपुर-638602	बनियान, सूती सादी बुनी हुई	IS : 04964 : 91
107.	6066868	94-12-01	स्तानमोरे इंजीनियरिंग कम्पनी, 372-ए संधनूर रोड, गणपति, कोयम्बटूर-641006	इकहूरे फेस छोटी ए सी बिजली की मोटर	IS : 00996 : 79
108.	6066969	94-12-01	डालमिया सीमेंट (भारत) लि., डालमियापुरम, त्रिची-621651	53 ग्रेड सा.पो.सी.	IS : 12269 : 87
109.	6067062	94-12-01	मुजाता इंडस्ट्रीज, नं० बी-13 मैसूर रोड, अंकिनेरी काम्प्लेक्स, टमाका इंडस्ट्रियल एरिया, कोलार-563101	सामान्य सेवा के लैम्प	IS : 00418 : 78
110.	6067163	94-12-01	मुक्कन पावर सिस्टम्स प्रा. लि., युनिट 1.बी सी घाई ई लि., बिजलपुरा, के.घार. पुरम, बंगलौर-560016	पावर तंत्र के लिए बंद कैपिटर	IS : 02834 : 86
111.	6067264	94-12-01	वायर (इंडिया) लि. 32-यूनिट सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, ससेम, तमिलनाडु-636004	मैग्नेटिक पैराबोल 50% ईसी	IS : 02865 : 78
112.	6067365	94-12-01	बेजा एम्स प्रा. लि., 1447 ठाडगाम रोड, बी सी टी पोस्ट, कोयम्बटूर-641013	इकहूरी फेस छोटी ए सी बिजली की मोटर	IS : 00996 : 79
113.	6067466	94-12-01	सुपर प्राग, ई पी-28 सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, मराहमसाई नगर, बिजलीपुर	मैग्नेटिक सफेड (तकनीकी)	IS : 02730 : 77
114.	6067567	94-12-01	पायनगर बड प्लास्ट लि. सवीकंडी गांव, सवायिनपेट, मेडक जिला (मा. प्र.)	पेंजल धातु के लिए यू पी बी सी पाइप	IS : 04985 : 88
115.	6067668	94-12-01	एचको इंडिया लि., बी-8 एम एमबी ए इंडस्ट्रियल एरिया, मराहमंडल नगर, बिजलीपुर, तमिलनाडु-603209	सामान्य सेवा के लिए सिलिकोना बाल्ब	IS : 13095 : 91
116.	6067769	94-12-01	मारवेल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, 4/11 ग्रामानकुलम रोड, कोयम्बटूर-641037	बल्बों की मोटर (पी टी 1) लूम मोटर	IS : 02972 : 79 पार्ट : 01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
117.	6067870	94-12-01	मरकरी इंडस्ट्रीज, 109 एम टी सी रोड, मम्बादूर, मद्रास-600068	तीन पिन प्लग	IS : 06638 : 71
118.	6067971	94-12-16	बिजनेस प्लायमर्स, 52-आई बी ए, फ्ल 2, चरेलापल्लम, हैदराबाद 500081	पेयजल धारूति के लिए एच बी ई पी के पाइप	IS : 04984 : 87 IS : 00302 : 92
119.	6068064	94-12-01	मियारी सिस्टम प्रा. लि. टाईप 2, बिकम साराभाई इंड्टोनिक एस्टेट, त्रिभुवनमिथूर, मद्रास-600041		पाइप : 02
120.	6068165	94-12-01	बिजनेस एप्लायमेंसेस, 11-बी, इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रियल एस्टेट, टेक्नापूर-602003	बिजली की इस्तरि	IS : 00302 : 92 पाइप : 02
121.	6068266	94-12-16	श्री संतोषी रोजममर्स, 22 ए बीर बी इलेक्ट्रॉनिक कम्प्लेक्स, कुशियागुडा हैदराबाद-500762	पेयजल धारूति के लिए एच श्री पीई पाइप	IS : 04984 : 87
122.	6068367	94-12-01	बोरक्स इंडिया लि० ए-81 पिपीहक इंडस्ट्रियल एस्टेट, मुद्रपल्लव, पोंडीचुरी 605009	कापर सल्फेट तकनीकी	IS : 00261 : 82
123.	6068468	94-12-16	श्री रायलासीमा एच आई-स्टैंड हैवी लि. गोंडीपारला कुरनूल, कुरनूल-518004	बिलीविंग पाउडर स्थायी	IS : 01065 : 89
124.	6068569	94-12-01	कनटिका स्टेट को-ऑप मार्किटिंग कैबरेलम लि., 39 ए 11 को.स, कोव्वल पन्था, बंगलोर-560089	साजाधियोज 50% ईसी	IS : 02567 : 78
125.	6068670	94-12-01	विजु पाइप फिटिंग प्रा. लि., प्लॉट नं. 6, सलेम इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव एस्टेट लि. सलेम 636140	यूवीबीसी पाइप पेयजल आपूर्ति के लिए	IS : 04985 : 88
126.	6068771	94-12-01	जयाकानन मंच इंडस्ट्रीज, डी नं. 529/2 सेसापूर बिरुगु नगर, टी के कामाराजार जिला-626058	विद्युतबल विरापय दिया सस्ताई	IS : 02653 : 80
127.	6068872	94-12-01	मुमुबल कलर मीच, बक्स, 5/83 कामराजपुरम कालीली, पूर्व त्रिपुथामल, सिवाकाशी-626189	विद्युतबल विरापय दिया सस्ताई	IS : 02653 : 80
128.	6068973	94-12-01	कालामबूला सीमेंट एण्ड केमिकल्स प्रा. लि., इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट प्लॉट, कामजीकोड, पालवाट जिला	43 ग्रड सा.पो.सी	IS : 08112 : 89
129.	6069066	94-12-01	अनुभव सीमेंट लि., 10/455, 456, 457 कोलाथपल्लि जकनाल, यमयमपल्लव, पोन्नल्लव, कोरला-678628	43 ग्रड सा.पो.सी	IS : 08112 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
130.	6069167	94-12-01	श्री कामाक्षी एजेंसी (प्रा.) लि., XIII/521 और 545, चेन्नमूर पो.ओ. फेरोके, कालीकट, केरला-673631	100 मिमी सामान्य व्यास सवण ग्लायज्ड स्टोनबायर पाइप	IS : 00651 : 92
131	6069268	94-12-01	बंसल मॉटेल्स प्राप्ति, इड, बी-119, 120, 121 पिपडिक इंडस्ट्रियल एस्टेट, गेट्टुपलियम, पांडिचेरी-605009	जिक सर्फेट कृषि ग्रेड	IS : 08249 : 76
132.	6069369	94-12-01	मिको फार्म कैमिकल्स लि. सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, बेट्टूर डाम, सलेम जिला तमिलनाडु-636402	मिथनाल फॉस 25% ईसी	IS : 08028 : 87
133.	6069470	94-12-01	बेलम मैन इंडस्ट्रीज, 2/109-ए, बी एण्ड सी, बोडोरेडुडीपट्टी, बेलामपट्टी (भाया) मिथकाशी तमिलनाडु 626123	डिब्बी बंध निरापव दियासलाई	IS : 02653 : 80
134.	6069571	94-12-01	एल एस पी एमो (प्रा.) लि., 298 बी, सुरामंगलम मेन रोड, सलेम, तमिलनाडु	वनस्पति पैकिंग के लिए नम्य थैली	IS : 11352 : 85
135.	6069672	94-12-01	श्री करुनाम्बिका इंजीनियरिंग वर्क्स, 23-बी तिरुपुर मेन रोड मिथकाशी, कोयम्बटूर जिला-638654	जुड़वां टाइप जेट अपक्रोमीय पम्प	IS : 12225 : 87
136.	8082068	94-11-01	जपिटर इलेक्ट्रिक क. 24 मजफगड रोड, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली-110005	तरकाल काफी गर्म करने के बिजली के हीटर	IS : 08978 : 85
137.	8082169	94-11-01	जी.डी. ताम्बी एण्ड संस, ई-103 रोड न. 7, विश्वकर्मा इंड एरिया, अय्यपुर-302003	1100 बो. तक कार्यकारी बोस्टता के लिए कवचित और कवचित पी बी पी रोधी केबल	IS : 00694 : 90
138.	8082270	94-11-01	रोकसी इंटरनेशनल (प्रा.) लि., एस.पी.-313 बी, ई. एरिया, मिथानी, जिला-मसगर	1100 बो तक कार्यकारी बोस्टता के लिए पी बी सी रोधी (एच डी) बिजली के केबल	IS : 01554 : 88 पाटे : 01
139.	8082371	94-11-01	बाइट गेट एंड कैमिकल्स, 16/2 ए, सीट न. 4, इंडस्ट्रियल एरिया, साहिबाबाद	सामान्य काँचों के लिए एस्थुमीनियम पेंट	IS : 02339 : 63
140.	8082472	94-11-01	पावर एंड इंड., गोबि एण्ड पोस्ट माउलाता, तहसील—बारनगर, जिला—उज्जैन	पावर घंटे के लिए गुरखा अपेक्षाएं	IS : 09020 : 79
141.	8082573	94-12-01	पेस्टीसिड्स इंडिया, पोस्ट बाक न. 20, उपयसगर रोड उदयपुर	मलरोपायरीफॉस 20% ईसी	IS : 08944 : 78
142	8082674	94-12-01	कोलफिन इंडस्ट्रीज 513, गांधी हस्तशिल्प, पो.ओ. उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059	कीटाणुरोधी ब्रश, बेनी 'ए'	IS : 01061 : 82

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
143.	8082775	94-12-01	ए.एस. पाइप एण्ड प्लास्टिक इन्स्टीट्यूट बनसिबाड़ा रोड, नवगाँव, प्रतापपुर, जिला बंसबाड़ा (राजस्थान)-327024	यू पी बी सी पाइप	IS : 04885 : 88
144.	8082876	94-12-01	जे.के. इन्स्टीट्यूट लि. सी-1, इन्स्टीट्यूट एरिया, बनसोरे, जिला सोरेना (म. प्र.) - 470444	स्वचालित ग्राहक बाधुचालित	IS : 10914 : 92 पार्ट-02
145.	8082977	94-11-01	मोदी ट्रेडर्स लि., मोदी नगर, मोदीनगर (उ. प्र.) 201201	सूती सिलाई का घागा	IS : 01720 : 78
146.	8083070	94-12-01	गंगा सीमेंट लि., ई-105 मयघर इंड. एरिया, बसानी, फेस 2, जोधपुर-342005	43 ग्रेड सा.पो.ती.	IS : 08112 : 89
147.	8083171	94-12-01	सुवर्ण स्टील रोलिंग मिल्स, 601 मोतीराम रोड, शाहपुरा, दिल्ली-110032	एच एस बी इस्पात की छड़ें	IS : 01788 : 88
148.	8083272	94-12-01	लक्ष्मी प्रोडक्ट्स, 236; मांगली सकरावती, नई दिल्ली-110043	रबर उत्पादन के लिए सेटेक्स भाग	IS : 01741 : 60
149.	8083373	94-12-01	बोधावा फ्लाय कास्टिंग (प्रा.) लि., डी-12 ओखला इंड. एरिया, फेस 1, नई दिल्ली-110020	साइज एम सी 65, 100, 125 और 150 का बैल ग्राई एम : 2062 1992 के आधार पर	IS : 02062 : 92

[सं. के प्रवि/13 : 11]

एस.के. कर्मकार, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION
BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1936.— In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedules :—

THE SCHEDULE

Sl.No.	CM/L-No.	Operative Date	Name & Address of the Party	Article/Process covered by the licence	IS : No./Part
1	2	3	4	5	6
1.	5033747	94-12-01	Vinay Cement Ltd., Jamuna Nagar, Umraungshu, N.C. Hills, N.C. Hills-788931	Portland-Pozzolona Cement, Fly ash based.	IS : 01489 : 91 Part : 01
2.	5033848	94-12-01	Hind Mosaic & Cement Works, Rupaspur (on Patna Canal), Bailey Road, Patna-800014	Cement concrete flooring Tiles General purposes, Terrazo Tiles without fragments	IS : 01237 - 80
3.	5033949	94-12-01	D.S. Concern, 20P, Harish Neogi Road, Calcutta-700067	Plywood Tea-Chest Part 2 Plywood	IS : 00010 : 76 Part : 02

1	2	3	4	5	6
4.	5034042	94-12-01	Electric Lamp Manufacturers (Ind'ia) Ltd., 1, Taratolla Road, Garden Reach Calcutta-700024.	High Pressure Mercury Vapour Lamps, 200 to 250 V.	IS : 09900 : 81 Part : 01
5.	5034143	94-12-01	Mahavir Pumps Manufacturing Pvt. Ltd., 21 'F' Road, Belgachia, Howrah.	Deepwell Hand Pumps	IS : 09301 : 90
6.	5034244	94-12-01	Mahavir Pumps Manufacturing Pvt. Ltd., 21 'F' Road, Belgachia, Howrah.	Deep Well Hand Pumps (Vlom)	IS : 13056 : 91
7.	5034345	94-12-01	Industrial Casting Corporation, 58/5 Netaji Subhas Road, Liluah, Dist. Howrah Liluah, Howrah.	Sand Cast Iron Spigot and Socket soil waste and ventilating Pipes	IS : 01729 : 79
8.	5034446	94-12-01	Kemecos Perfumery Works, 207, Dr. B.C. Roy Road, South Jagaddal, 24, Parganas (S	Disinfectant Fluids, Black	IS : 016061 : 82
9.	5034547	94-12-01	Micromech Industries, 81/A Gurudas Dutta Garden Lane Calcutta-700067	Stationary Storage Type Electric water heaters vent type of Capacity 25 litre	IS : 02082 : 83
10.	5034648	94-12-01	Indian Electrical Lamp Works, AA-7/4, Baguihati Road, Deshbandhu Nagar, Near Post Office Lane Calcutta-700059.	Tungsten Filament General Service Electric lamps	IS : 00418 : 78
11.	5034749	94-12-01	Nandan Electricals Pvt. Ltd., 3G, Gagan Sarkar Road, Calcutta-700010	Tungsten Filament General Service Electric Lamps	IS : 00418 : 78
12.	5034850	94-12-01	Minoti Engineering Works, 32, Buxarah Road, Howrah-711306	Steel Pipe Flanges	IS : 06392 : 71
13.	5034951	95-01-01	Arunachal Saw & Veneer Mills (P) Ltd., Jairam Pur-792121 Arunachal Pradesh	Block Board	IS : 01659 : 90
14.	5035044	95-01-01	Makali Engineering Corporation, 37, 'Q' Road, Belgachia Howrah-711108	Sluice Valves for Water Works Purposes	IS : 02906 : 84
15.	5035145	95-01-01	Ginni Industries Plot No. 17P, Tatisilwai Industrial Area, Phase-II Ranchi, Bihar.	Welded Low Carbon Steel Cylinders for Low pressure LPG of 28.2 Litres water Capacity	IS : 03196 : 92 Part : 01
16.	5035246	95-01-01	Deflame (India), 58, B.T. Road, Calcutta-700002	Refills for Portable Fire Extinguishers and chemical Fitness Part 1 for Soda Acid Portable Fire Extinguishers	IS : 05490 : 77 Part : 01
17.	5035347	95-01-01	Umrongo Cement Ltd., Umrongo, N.C. Hills, Assam.	33 Grade OPC	IS : 00269 : 89
18.	5035448	95-01-01	Rock Cement (P) Ltd., Teliposh, Kummunda, Dist. Sundargarh, Orissa.	Portland Slag Cement	IS : 00455 : 89
19.	5035549	95-01-01	Rock Cement (P) Ltd., Teliposh, Kummunda, Distt. Sundargarh, Orissa.	33 Grade OPC	IS : 00269 : 89
20.	5035650	95-01-01	Kamrup Rolling Mills Pvt. Ltd., Lokhra Road, P.O. Sawkuchi. Guwahati, Assam, 781018.	High Strength Deformed Steel Bars and Wires for Reinforcement	IS : 01786 : 85
21.	5035751	95-01-01	Sannu Enterprise, 15, Nagendra Nath Road, Dumdum, Calcutta-700028	Rubber Sealing Rings for Gas Mains water mains and sewers	IS : 05382 : 85

1	2	3	4	5	6
22.	5035852	95-01-01	Orissa Plastic Processing Ltd., O.T. Road, Balasore, Balasore, Orisswa-756001.	Unplasticized PVC Screen and casing pipes for Bore/Tubewell	IS : 12818 : 92
23.	5035953	95-01-01	The Champadany Inds. Ltd., Unit-Wellington Jute Mills Unit : Wellington Jute Mill, G.T. Road, P.O. Rishra, Distt. Hooghly.	Jute bags for packing foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
24.	5036046	95-01-01	HI-Tek Laboratories, 36, Santigarh, Garulia P.O. Shyamnagar, 24, Parganas (N)-743127	Integral Cement water Proofing Compounds.	IS : 02645 : 75
25.	5036147	95-01-01	Birla Jute & Ind. Ltd., Unit: Bally Jute Mills 5, Scott-Kers Road, P.O. Bally-711201.	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
26.	5036248	95-01-01	Reliance Jute Ltd., Kaukinarraha, Post : Bhatpara, 24, Parganas.	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
27.	5036349	95-01-01	Ludlow Jute Mills, Chengail, Howrah	Jute Bags for packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
28.	5036450	95-01-01	Kamarhatty Co. Ltd., Graham Road, P.O. Kamarhatty Calcutta 700058.	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
29.	5036551	95-01-01	Bengal Mineral & Chemical Industries. 67, Priyanath Middy Road, Belgharia, Calcutta 700056.	Mineral Mixtures for Supplemen- ting Poultry Feeds	IS : 05672 : 92
30.	5036652	95-01-01	Naihati Jute Mills Co. Ltd., P.O. Hazinagar, Naihati, 24 Parganas	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
31.	5036753	95-01-01	New Central Jute Mills Co. Ltd., (Unit : Albion) Budge Budge. Distt. 24, Parganas 743319	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
32.	5036854	95-01-01	Caladonian Jute & Industries Ltd., 18, Mehta Road, Badekli Nagar, P.O. Budge Budge 743319.	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
33.	5036955	95-01-01	Jenny Playwood Industries Ltd., Bogapani, P.O. Beomali, Tirap, Arunachal Pradesh.	Plywood for General Purposes	IS : 00303 : 89
34.	5037048	95-01-01	Prabartak Jute Mills Ltd., Kamarhatty, B.T. Road, 24, Parganas, Calcutta 700058.	Indian Hessian	IS : 02818 : 71 Part : 02
35.	5037149	95-01-01	Western Agro Implements Co. (P) Ltd., 212, Raja Ramchand Ghat Road, Panihati, 24 Parganas (North)	Pedal Operated Paddy Threshar	IS : 03327 : 82
36.	5037250	95-01-01	Macneill Electricals Ltd., C/o M/s. Hindustan Steel Metal Ltd., 19, Dakshindari Road, Calcutta 700048.	Flameproof Enclosures for Electrical Apparatus.	IS : 02148 : 81
37.	5037351	95-01-01	Fort William Industries Ltd., 6/A, G.T. Road, Konnagar Distt. Hooghly.	Wire Ropes	IS : 09282 : 79
38.	5037452	95-01-01	Electro Steel Castings Limited., 30 B.T. Road, Khaidah, P.O. Sukchar, 24 Parganas (N)	Centrifugally Cast (Spun) Ductile Iron Pipes for Water, Gas & Sewage	IS : 08329 : 90

1	2	3	4	5	6
39.	5037553	95-01-01	Naffarchandra Jute Mills Bhutanath Kolay Road, P.O. Kankinarah-743126.	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
40.	5037654	95-01-01	Hooghly Mills Co. Ltd. Unit : Gondalpara Jute Mill Gongalpara, Hooghly-712137.	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
41.	5037755	95-01-01	S.K. Ghosh & Co. 18/16, Biren Roy Road (West) Calcutta-700034.	Disinfectant Fluids, Black	IS : 01061 : 82
42.	5037856	95-01-01	Dibang Valley Timber Trade Pvt. Ltd. P.O. Bolung (Roing) Distt. Dibang Valley Arunachal Pradesh.	Plywood for General Purposes	IS : 00303 : 89
43.	5037957	95-01-01	Dalhousie Jute Co. Ltd. P.O. Baidyhati Distt. Hooghly.	Jute Bags for Packing Foodgrain NS-50 Kg.	IS : 12650 : 89
44.	5038050	95-01-01	Hooghly Mills Project Unit : Hukumchand Jute Mill. P.O. Hazinagar, Naihati, 24 Parganas 743135	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS : 12650 : 89
45.	5038151	95-01-01	Shree Gauri Shanker Jute Mills Pvt. Ltd. Sham Nagar, P.O. Garulia 743133	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS 12650 : 89
46.	5038252	95-01-01	Chevoit Co. Ltd. Budekali Nagar P.O. Budge Budge, 24 Parganas (S)-743319.	Jute Bags for Packing Foodgrain S-50 Kg.	IS 12650 : 89
47.	5038353	95-01-01	Auckland International Ltd. P.O. Jagatalai 24, Parganas (North)-743125 West Bengal	Jute Bags for Packing Food grains, 50 Kg.	IS 12650 : 89
48.	6060957	94-10-01	Annapurna Cements Ltd. Samela Village, Adilabad Taluk, Adilabad District (A.P.) 504293	43 Grade OPC	IS : 08112 : 89
49.	6061050	94-10-01	Trust Pumps 324-a, Trichy Road, Singanallur, Coimbatore-641005.	Single Phase, AC, Small Electric Motors.	IS : 00996 : 79
50.	6061151	94-10-01	D.P. Foam (P) Ltd. A 38-40, PIPDIC Indl. Estate Sedarapet, Pondicherry-605101	Flexible Polyurethane Foam for Domestic Mattresses	IS : 07933 : 75
51.	6061252	94-10-01	Texmo Industries Mettupalayam Road G.N. Mills Post, Coimbatore-641029.	3 Phase Induction Motors	IS : 00325 : 78
52.	6061353	94-10-01	Gowrava Pumps 88 Nadar Streed, Naicker Thottam, Coimbatore-641001.	Single Phase small AC Electric Motor.	IS : 00996 : 79
53.	6061454	94-10-01	S.S. Camphor Works, 110, Ammon Koil Street, Kondithope, Madras-600079.	Camphor Technical Tablets	IS : 03584 : 84
54.	6061555	94-10-01	Vijay Cements (P) Limited Melamathur, Ariyalur Trichy Distt.-621713.	43 Grade OPC	IS : 08112 : 89
55.	6061656	94-10-01	Amber Biscuits Pvt Ltd Santosh Nagar Cross Road Hyderabad (A.P.) 500660	Biscuits	IS : 01011 : 92
56.	6061757	94-09-01	Frizair Corporation B-47/48 Industrial Estate Sanath Nagar Hyderabad-500018	Room air conditioners, Unitary type	IS : 01391 : 92 Part : 01

1	2	3	4	5	6
57. 6061858	94-10-01	Rikvin Floors Ltd. Ramapuram Dondapadu Road Nallabandagudem Chimiriyal Village Nalgonda Distt. (A.P.) 508206		Unbacked flexible PVC flooring for roofs and sheets only restricted to light mineral oil & cotton seed oil for resistance to various substances	IS 03462 : 86
58. 6061959	94-10-01	Thiruvanthapuram Vanitha Paint Nirmana Vyavasaya S.S. Ltd. B-4 Industrial Estate Pappanamcode Thiruvananthapuram-695019 Kerala		Cement paint-light shades only	IS 05410 : 92
59. 6062052	94-10-01	Sri Prakash Industries 26 Thulasiammal Layout Second Street Lakshmiapuram Peelamedu Coimbatore 641004		Single phase small electric motor, AC	IS 00996 : 79
60. 6062153	94-10-01	Shree Kamadhenu Industries 27 V.O.C. Colony Second Street Aminjikarai Madras 600029		Coaltar food colour preparation powder	IS 05346 : 75
61. 6062254	94-10-01	Ravi Industries 6/30 New Dhamu Nagar Puliakulam Road P.N. Palayam Coimbatore 641037		Single phase small AC electric motors	IS 00996 : 79
62. 6062355	94-11-01	Southern Wires S.No. 365, Pappan Chatram Vill KM 29 Madras-Bangalore Road Nazarathpet Sriperumbudur Taluk 602103		3 OKT-3 mm uncoated stress relieved strand for prestressed concrete	IS 06006 : 83
63. 6062456	94-10-01	S.V. Cements Ltd. Kanakadripally Kollmigundla Mandal Kurnool Distt. 518123		43 grade OPC	IS 08112 : 89
64. 6062557	94-10-01	Kesoram Cement Basant Nagar Karim Nagar Distt. (A.P.) 505187		Sulphate resisting portland cement	IS 12330 : 88
65. 6062658	94-10-01	Penna Cement Industries Ltd. Talarichervue Village Tadpatri Mandal Ananthapur Distt. (A.P.)		33 grade OPC	IS 00269 : 89
66. 6062759	94-11-01	AGS Irrigation 182 Barakka Road Nammalwarpet Madras 600012		Polythylene pipes for irrigation laterals	IS 12786 : 89
67. 6062860	94-10-01	Yaseen Industries 17 SIDCO Industrial Estate Pudukkottai, Tamilnadu 622004		15 kg square tins without closure for packing vanaspathi and edible oils	IS 10325 : 89
68. 6062961	94-11-01	Priyadarshini Cement Ltd. Ramapuram Village Nalgonda Distt. (A.P.) 508246		Sulphate resisting portland cement	IS 12330 : 88
69. 6063054	94-10-01	Translinks Industries Punthalathazham Kilikilloor P.O. Kollam, Kerala 691004		ACSR conductors, 7 strands	IS 00398 : 76 Part : 02

1	2	3	4	5	6
70. 6063155	94-11-01	Gandhimathi Appliances Ltd. 143 Kelambakkam Vandalur Road Pudupakkam Chennai MGR Dist. Tamilnadu 603103	Electric Instantaneous water heaters	IS 08978 : 85	
71. 6063256	94-11-01	C.T. Pumps 647 Eswaran Chettiyar Layout Tatabad Coimbatore 641012	Three phase induction motors for agricultural applications	IS 07538 : 75	
72. 6063357	94-10-01	Vijay Cements Vellakalpatti Puthanampatti Post Thuraiyur Taluk Trichi Distt.	43 grade OPC	IS 08112 : 89	
73. 6063458	94-10-01	Nagarajuna Agro & Steel Corporation K.C. Works Tadepalli Guntur Distt. (A.P.) 522502	Carbendazim WDP	IS 08446 : 91	
74. 6063559	94-10-01	Sri Ravi Industries 15(B) AAIBELE Industrial Area Anekal Taluk Bangalore Distt. 562107	Submersible pumpsets	IS 08034 : 89	
75. 6063660	94-11-01	Deccan Industrial Products Pvt Ltd Plot No. 2 Hafeezpet Mini Indl. Estate Miyapur, R.R. Distt. (A.P.) 500133	Rubber sealing rings for Gas mains, water mains and sewers	IS 05382 : 85	
76. 6063761	94-11-01	Rajeshwari Electricals 2123 Trichy Road Opp. Rajalakshmi Mills Singanallur Coimbatore 641005	Single phase, small AC electric motors	IS 00996 : 79	
77. 6063862	94-11-01	Penna Cement Industries Ltd. Talarichervue Village Tadpatri Mandal Ananthapur Distt. (A.P.)	53 grade OPC	IS 12269 : 87	
78. 6063963	94-11-01	Modi Electric Mfg. Company A-10 Industrial Estate Ambattur, Madras 600058	ACSR Conductors	IS 00398 : 76 Part : 02	
79. 6064056	94-11-16	Jay Industries 456 SIDCO Industrial Estate Ambattur, Madras 600098	Electric Immersion water heaters	IS 00368 : 92	
80. 6064157	94-11-16	T.T. Limited Plot No. 82 & 85 SIPCOT Industrial Complex Zuzuwadi Hosur, Tamilnadu 635126	Wrought Aluminium Utensils, medium and heavy class, with & without non-stick unreinforced plastic coating	IS 01660 : 82 Part : 01	
81. 6064258	94-11-16	KAC Equipments Company Bango Road Mettupalayam Road Kavandempalayam P.B. No. 5406 Coimbatore 641030	Reciprocating air Compressors with free air Delivery	IS 05456 : 85	
82. 6064359	94-11-01	Banjara Cements Ltd. S. No. 311 Bhogasamudram Vill. Tadipatri Mandal Anantapuri Dt. Tadipatri Mandal 515415	43 grade OPC	IS 08112 : 89	
83. 6064460	94-11-16	Visakhapatnam Cements Pvt. Ltd. 260A IDA Kondapally Drishna Dt. 521228	43 grade OPC	IS 08112 : 89	

1	2	3	4	5	6
84. 6064561	94-11-01	Bala Computer Graphics and Printing P. Ltd. 8F No. Perur Chettipalayam Coimbatore 641010	PVC insulated (Heavy Duty) electric cables for working Voltages upto and including 1100 V.	IS 01554 : 98 Part:01	
85. 6064662	95-11-01	Balaji Industrial and Agricultural Castings 16 IDA Bala Nagar Hyderabad 500003	Extra Deepwell hand pumps	IS 013297 : 92	
86. 6064763	94-11-01	Vs Sethia and Company Plot No. E-7 Industrial Estate Anakapalli PO & Mandal Visakhapatnam 531021	Sulphuric acid	IS 00266 : 77	
87. 6064864	94-11-01	Techno Chemicals Industries Ltd. Town Hall Road Oyitty Road Calicut 673001		IS 02888 : 83	
88. 6064965	95-11-01	Suriya Drives 307-A, Ellaihottram Road Pellamedu Coimbatore 641004	Air compressor	IS 05456 : 85	
89. 6065058	94-11-01	Siva Industries SF No. 801/1B, Sitra Road Kalappatti Coimbatore 641035	Single phase small AC electric motor	IS 0099 : 79	
90. 6065159	94-11-01	Suguna Machine Works Ltd. SF No. 408 Kalappatti Road Kalappatti Coimbatore 641035		IS 00996 : 79	
91. 6065260	94-11-01	Babu Knitters Post Box No. 293 690 P.N. Road Tirupur 638602	Vest, Cotton, plain knitted	IS 04964 : 91	
92. 606531	94-11-01	Elin Enterprises P.B. No. 22, 2nd Mile Renigunta Road Tirupati 517501	Butterfly valves for general purposes	IS 13095 : 91	
93. 6065462	94-11-01	Radhika Pulverisers 5-68 Survey No. 605/2 Pedda Amberpet Hayatnagar Mandal Ranga Reddy Dt.	43 grade OPC	IS 08112 : 89	
94. 6065563	94-11-01	Universal Pesticides & Chemicals Industry 3-A Solakkatupalayam Palladam 638659	Endosulfan 35% EC	IS 04323 : 80	
95. 6065664	94-11-01	Universal Pesticides & Chemicals Industry 86 Bharathi Park Road No. 2 Saibaba Mission Post Coimbatore 641011	Quinalphos EC 25%	IS 08028 : 87	
96. 6065765	94-11-01	Fine cable Industries Shed No. 87 SIDCO Industrial Estate Kappalur Madurai 625006	PVC insulated cables including weather proof cables single core insulated & sheathed upto and including 50 Sq. mm. 1100 V grade	IS 00694 : 90	

1	2	3	4	5	6
97. 6065866	94-11-01	Ganesh Wax Processing Industries 1A Kattur Road Rasipuram 637408	Paraffin Wax	IS 04654 : 74	
98. 6065967	94-11-01	Sambhav Electric Company No. 14 Bannerghatta Road Makkombvilding Bangalore 560030	Single phase energy meters	IS 13010 : 90	
99. 6066060	94-10-01	BCS Fibre Glass Industries Halebudabur Mandya Taluk Halenudalur 571401	GRP Squatting pans	IS 11246 : 92	
100. 6066161	94-10-01	Somant Engineering Pvt. Ltd. Phase II Auto Nagar Wellore 524004	Monoset pumps for ear cold water for agricultural purposes	IS 09079 : 89	
101. 6066262	94-10-01	Vivek Tex 312 Kamara j Road Tirupur 638604	Vest, cotton, plain knitted	IS 04964 : 91	
102. 6066363	94-11-01	Translinks Industries VPXI/532A of Vadukkavila Panchayath Puithalathazam Kilkollor P.O. Kollam 691004	Aluminium Conductor	IS 00398 : 76 Part : 01	
103. 6066464	94-11-01	Bangalore Petsticides Ltd. 16th K.M. Tumkur Road Bangalore 560073	Phorate Granules Encapsulated	IS 09359 : 80	
104. 6066565	94-12-01	Shakti Industries B-370 Industrial Estate Gokul Road Hubli	UPVC Pipes	IS 04985 : 88	
105. 6066666	94-12-01	The Aluminium Industries Ltd. Steel Products Division No. 1 Ceramic Factory Road Kundara 691501	Mild steel wire for general Engineering purposes	IS 00280 : 78	
106. 6066767	94-12-01	Bonny Tex 26 Muthusamy Street Extn. 1 Cross Tirupur 638602	Vest, cotton, plain knitted	IS 04964 : 91	
107. 6066868	94-12-01	Stanmore Engineering Company 382-A, Sanganoor Road Ganapathy Coimbatore 641006	Single phase small AC electric motors	IS 00996 : 79	
108. 6066969	94-12-01	Dalnia Cement (Bharat) Ltd. Dalmiapuram Trichy 621651	53 grade OPC	IS 12269 : 87	
109. 6067062	94-12-01	Sujatha Industries No. B-13, Mysore Lamp Ancillary Complex Tamaka Industrial Area Kolar 563101	GLS Lamps	IS 00418 : 78	
110. 6067163	94-12-01	Murugan Power Systems Pvt. Ltd. Unit-I BCIE Ltd. Vijanapura K.R. Puram Bangalore 560016	Shunt capacitors for power systems	IS 02834 : 86	
111. 6067264	94-12-01	Bayer (India) Limited D Unit SIDCO Industrial Estate Salem, Tamil Nadu 636004	Methyl parathion 50% EC	IS 02865 : 78	

1	2	3	4	5	6
112. 6067365	94-12-01	Veza Pumps Pvt Ltd 1447 Thadagam Road GCT Post Coimbatore 641013	Single phase small AC electric motors	IS 00996 : 79	
113. 6067366	94-12-01	Super Maag FP-28 SIDCO Industrial Estate Maraimalai Nagar Chingleput	Magnesium sulphate (Tech)	IS 02730 : 77	
114. 6067567	94-12-01	Bhagyanagar Wood Plast Ltd. Mandikandi Village Sadasivpet Medak Dt. (A.P.)	UPVC pipes for potable water supplies	IS 04985 : 98	
115. 6067668	94-12-01	ADVCO India Limited B-9, MMDA Industrial Area Chingleput Dt. Tamilnadu 603209	Butterfly valves for general purposes	IS 13095 : 91	
116. 6067769	94-12-01	Marvel Engineering Industries 4/11 Ammankulam Road Coimbatore 641037	Textile Motors (Pt. 1) Loom motors	IS 02972 : 79 Part : 01	
117. 6067870	94-12-01	Mercury Industry 109 MTD Road Ambattur, Madras 600058	Three pin plugs	IS 06539 : 71	
118. 6067971	94-12-16	Vijay Polymers 52 IDA Phase II Cherlapally Hyderabad 500051	HDPE pipes for potable water Supplies	IS 04984 : 87	
119. 6068064	94-12-01	Pyro Systems Pvt Ltd Type II Vikram Sarabai Instronic Estate Thiruvannamipur Madras 600041		IS 00302 : 92 Part : 02	
120. 6068165	94-12-01	Vijay Appliances IIB, Electrical Industrial Estate TE Kakkalur 602003	Electric Iron	IS 00302 : 92 Part : 02	
121. 6068266	94-12-16	Shree Santoshi Polymers 22 A&B Electronic Complex Krshaiguda Hyderabad 500762	HDPE pipes for potable water supplies	IS 04984 : 87	
122. 6068367	94-12-01	Borax India Ltd A-81 PIPOIC Industrial Estate Mettupalayam Pondicherry 605009	Copper sulphate tech	IS 00261 : 82	
123. 6068468	94-12-16	Sree Rayalaseema HI-Strength Hypo Ltd Gondiparla Kurnool Kurnool 518004	Bleaching powder, stable	IS 01065 : 80	
124. 6068569	94-12-01	Karnataka State Coop Marketing Federation Ltd. 39 A II Phase KIADB Peenya Bangalore 560059	Malathion 50% EC	IS 02567 : 78	
125. 6068670	94-12-01	Visu Pipes Fittings Pvt Ltd. Plot No. 6 Salem Industrial Co-operative Estate Ltd Salem 636140	UPVC pipes for portable water supplies	IS 04498 : 88	
126. 6068771	94-12-01	Jeyakannan Match Industries D. No. 529/2 Meesalur Virudhu Nagar Tk Kamaraajar Dt. 626058	Safety matches in boxes	IS 02653 : 80	

1	2	3	4	5	6
127. 6068872	94-12-01	Muthuvel Colour Match Works, 5/83, Kamaraja Param Colony, East Thiruthangaj, Sivakasi 626189	Safety matches in boxes	IS 02653 : 80	
128. 6068973	94-12-01	Malamduzha Cements and Chemicals P. Ltd., Industrial Development Plot, Kanjikode, Palghat Dt.	43 grade OPC	IS 08112 : 89	
129. 6069066	94-12-01	Athulya Cements Ltd., 10/455, 456, 457, Canalpirivv Junction Pampampallam Palakkad, Kerala 678625	43 grade OPC	IS 08112 : 89	
130. 6069167	94-12-01	Shree Kamaakshi Agency (P) Ltd. XIII/521 & 545, Cheruvannur P.O. Feroke Kalicut, Kerala 673631	100 mm nominal dia salt glazed stoneware pipes	IS 00651 : 92	
131. 6069268	94-12-01	Bansal Metallic Oxides B-119, 120, 121, PIPDIC Industrial Estate, Mettupalayam, Pondicherry 605009	Zinc Sulphate, Agricultural grade	IS 08249 : 76	
132. 6069369	94-12-01	MICO Farm Chemicals Ltd., SIDCO Industrial Estate, Dettur Dam, Salem Distt., Tamilnadu 636402	Quinalphos 25% EC	IS 08028 : 87	
133. 6069470	94-12-01	Chellam Match Industries, 2/109-A, B & C Bodureddipatti Villampatti (Via) Sivakasi, Tamilnadu 626123	Safety matches in boxes	IS 02653 : 80	
134. 6069571	94-12-01	LSP Agro (P) Ltd., 298 B, Suramangalam Main Road Salem, Tamilnadu	Flexible pouches for packing Vanaspathi	IS 11352 : 85	
135. 6069672	94-12-01	Sri Karuaambika Engineering Works, 23-B, Tiruppur Main Road Avinashi, Coimbatore Dist 638654	Twin type Jet centrifugal pump	IS 12275 : 87	
136. 8082068	94-11-01	Jupitor Electric Co., 24 Nujalgarh Road, Shivaji Marg, New Delhi-110005	Electric Instantaneous water heater	IS 08978 : 85	
137. 8082169	94-11-01	G.D. Tambi & Sons, E-103, Road No. 7, Vishwakarma Indl. Area, Jaipur 302003	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100V unsheathed and sheathed Aluminium & Copper conductor Cables	IS 00694 : 90	
138. 8082270	94-11-01	Roxy International (P) Ltd., SP-313 B, Indl. Area Bhiwadi, Dist. Alwar	PVC insulated (HD) electric cables for working voltages upto & including 1100V	IS 01554 : 88 Part : 01	
139. 8082371	94-11-01	Brite Paints & Chemicals, 16/2A, Site No. 4, Industrial Area, Sahibabad	Aluminium paints for general purposes	IS 02339 : 63	
140. 8082472	94-11-01	Patidar Agro Inds., Vill. & Post—Maulana, Tehsil—Barnagar, Distt. Ujjain	Safety requirements for power thrsher	IS 09020 : 79	
141. 8082573	94-12-01	Pesticides India, Post Box No. 20, Udaisagar Road, Udaipur	Chloropyriphos 20% EC	IS 08944 : 78	

1	2	3	4	5	6
142. 8082674	94-12-01	Dolphin Indus., 513, Vill. Hastal P.O. Uttam Nagar New Delhi 110059	Disinfectant fluid class A	IS 01061 : 82	
143. 8082775	94-12-01	A.S. Pipes & Plastics Industries, Banswara Road, Nawagaon, Partapur Distt. Banswara (Raj) 327024	UPVC pipes	IS 04985 : 88	
144. 8082876	94-12-01	J.K. Industries Ltd., C-1, Industrial Area, Banmore, Distt. Morena (M.P.) 476444	Automotive Vehicles, pneumatic types	IS 10914 : 92 Part : 02	
145. 8082977	94-11-01	Modi Threads Ltd., Modinagar, Modinagar (U.P.) 201201	Cotton sewing threads	IS 01720 : 78	
146. 8083070	94-12-01	Ganga Cements Ltd., E-105, Marudhar Indl. Area, Basani, Phase II, Jodhpur 342005	43 grade OPC	IS 08112 : 89	
147. 8083171	94-12-01	Sudershan Steel Rolling Mills, 601, Moti Ram Road, Shahdara, Delhi 110032	HSD steel bars	IS 01786 : 85	
148. 8083272	94-12-01	Laxmi Products 236, Nangli Sakrawati, New Delhi 110043	Latex Foam Rubber products	IS 01741 : 60	
149. 8083373	94-12-01	Boaba Alloys Castings (P) Ltd , D-12, Okhla Indl. Area, Phase I, New Delhi 110020	Channels of sizes MC 75, 100, 125 and 150 as per IS 2062 : 1992	IS 02062 : 92	

[No. CMD/13 : 11]

S.K. KARMAKAR, Addl. Director General

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का.आ. 1937 :- भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड "ख" के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे दिये गए मानक(कों) में संशोधन किया गया है/किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1. आईएस 203 : 1984		संशोधन सं. 4, अप्रैल, 1995	1995-04-30
2. आईएस 366 : 1991		संशोधन सं. 3, अप्रैल, 1995	1995-04-30
3. आईएस 446 : 1987		संशोधन सं. 1, मार्च, 1995	1995-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
4. आईएस 548 (भाग 2) : 1976	संशोधन सं. 6, अप्रैल 1995		1995-04-30
5. आईएस 662 : 1980	संशोधन सं. 2, मार्च 1995		1995-03-31
6. आईएस 1003 (भाग 1) : 1991	संशोधन सं. 2, अप्रैल 1995		1995-04-30
7. आईएस 1592 : 1989	संशोधन सं. 2, अप्रैल 1995		1995-04-30
8. आईएस 2098 : 1964	संशोधन सं. 4, मार्च 1995		1995-03-31
9. आईएस 2202 (भाग 1) : 1991	संशोधन सं. 3, मई 1995		1995-05-31
10. आईएस 2576 : 1975	संशोधन सं. 10, अप्रैल 1995		1995-04-30
11. आईएस 2629 : 1985	संशोधन सं. 2, मार्च 1995		1995-03-31
12. आईएस 2760 : 1980	संशोधन सं. 2, अप्रैल 1995		1995-04-30
13. आईएस 3011 : 1973	संशोधन सं. 1, मार्च, 1995		1995-03-31
14. आईएस 3195 : 1992	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30
15. आईएस 3885 (भाग 2) : 1992	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30
16. आईएस 3940 : 1989	संशोधन सं. 1, मई 1995		1995-05-31
17. आईएस 3975 : 1988	संशोधन सं. 1, फरवरी 1995		1995-02-28
18. आईएस 4158 : 1985	संशोधन सं. 4, अक्टूबर 1994		1994-10-31
19. आईएस 5424 : 1969	संशोधन सं. 5, मार्च 1995]		1995-03-31
20. आई एस 5474 (भाग 1 से 5) : 1989	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30
21. आईएस 5523 : 1983	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30
22. आईएस 5634 : 1987	संशोधन सं. 1, मार्च 1995		1995-03-31
23. आईएस 5986 : 1992	संशोधन सं. 1, मार्च 1995		1995-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
24. आईएस 6365 : 1971	संशोधन सं. 4, मार्च 1995		1995-03-31
25. आईएस 6571 : 1991	संशोधन सं. 3, अप्रैल 1995		1995-04-30
26. आईएस 7218 : 1974	संशोधन सं. 6, अप्रैल 1995		1995-04-30
27. आईएस 7454 : 1991	संशोधन सं. 4, मई 1995		1995-05-31
28. आईएस 8086 : 1991	संशोधन सं. 3, अप्रैल 1995		1995-05-31
29. आईएस 10350 : 1993	संशोधन सं. 2, अप्रैल 1995		1995-04-30
30. आईएस 11329 : 1985	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30
31. आईएस 11852 (भाग 3) : 1987	संशोधन सं. 2, मार्च 1995		1995-08-31
32. आईएस 11852 (भाग 4) : 1987	संशोधन सं. 2, जनवरी 1995		1995-01-31
33. आईएस 11945 : 1987	संशोधन सं. 1, मार्च 1995		1995-03-31
34. आईएस 12592 (भाग 1) : 1988	संशोधन सं. 3, मई 1995		1995-05-31
35. आईएस 12595 : 1989	संशोधन सं. 1, मई 1995		1995-05-31
36. आईएस 12884 : 1990	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30
37. आईएस 13224 : 1991	संशोधन सं. 1, मई 1995		1995-05-31
38. आईएस 13492 : 1992	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30
39. आईएस 13493 : 1992	संशोधन सं. 1, अप्रैल 1995		1995-04-30

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के.प्र.वि./13 : 5]

एस.के. कर्मकार, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi 27th June, 1995

S.O.1937—In pursuance of Clause(b) of Sub-rule(1) or Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that amendment (s) to the Indian Standard(s) given in the Schedule hereto annexed has/have been issued.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard amended	No. and date of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 203 : 1984	Amendment No. 4, April 1995	1995-04-30
2.	IS 366 : 1991	Amendment No. 3, April 1995	1995-04-30
3.	IS 446 : 1987	Amendment No. 1, March 1995	1995-03-31
4.	IS 548 (Part 2) : 1976	Amendment No. 6, April 1995	1995-04-30
5.	IS 662 : 1980	Amendment No. 2, March 1995	1995-03-31
6.	IS 1 003 (part 1) : 1991	Amendment No. 2, April 1995	1995-04-30
7.	IS 1592 : 1989	Amendment No. 2, April 1995	1995-04-30
8.	IS 2 098 : 1964	Amendment No. 4, March 1995	1995-03-31
9.	IS 22 02 (Part 1) : 1991	Amendment No. 3, May 1995	1995-05-31
10.	IS 2576 : 1975	Amendment No. 10, April 1995	1994-04-30
11.	IS 2 629 : 1985	Amendment No. 2, March 1995	1995-03-31
12.	IS 2 760 : 1980	Amendment No. 2, April 1995	1995-04-30
13.	IS 3 011 : 1973	Amendment No. 1, March 1995	1995-03-31
14.	IS 3 195 : 1992	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30
15.	IS 3 885 (Part 2) : 1992	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30
16.	IS 3 940 : 1989	Amendment No. 1, May 1995	1995-05-31
17.	IS 3 975 : 1988	Amendment No. 1, February 1995	1995-02-28
18.	IS 4 158 : 1985	Amendment No. 4, October 1994	1994-10-31
19.	IS 5 424 : 1969	Amendment No. 5 March 1995	1995-03-31
20.	IS 5 474 (Parts 1 to 5) : 1989	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30
21.	IS 5 523 : 1983	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30
22.	IS 5 634 : 1987	Amendment No. 1, March 1995	1995-03-31
23.	IS 5 986 : 1992	Amendment No. 1, March 1995	1995-03-31
24.	IS 6 365 : 1971	Amendment No. 4, March 1995	1995-03-31
25.	IS 6 571 : 1991	Amendment No. 3, April 1995	1995-04-30
26.	IS 7 218 : 1974	Amendment No. 6, April 1995	1995-04-30
27.	IS 7 454 : 1991	Amendment No. 4, May 1995	1995-05-31
28.	IS 8 086 : 1991	Amendment No. 3, May 1995	1995-05-31
29.	IS 10 350 : 1993	Amendment No. 2, April 1995	1995-04-30
30.	IS 11 329 : 1985	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30
31.	IS 11 852 (Part 3) : 1987	Amendment No. 2, March 1995	1995-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
32. IS 11852 (Part 4) : 1987	Amendment No. 2, January 1995	1995-01-31	
33. IS 11945 : 1987	Amendment No. 1, March 1995	1995-03-31	
34. IS 12592 (Part 1) : 1988	Amendment No. 3, May 1995	1995-05-31	
35. IS : 12595 : 1989	Amendment No. 1, May 1995	1995-05-31	
36. IS 12884 : 1990	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30	
37. IS 13224 : 1991	Amendment No. 1, May 1995	1995-05-31	
38. IS 13492 : 1992	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30	
39. IS 13493 : 1992	Amendment No. 1, April 1995	1995-04-30	

Copies of the Amendments are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Madras, Bombay and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 5]

S.K. KARMAKAR, Addl. Director General.

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

क्र.भा. 938 — भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1985 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे खोला कर दिए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	वैधता की अवधि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और सम्बन्ध	भारतीय मानक की संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	5034951	95-01-01	ग्रहणाञ्जन सी एण्ड बेनीर, मिलन प्रा. लि., जयसूरामपुर, असमणाख प्रदेण-792121	क्लॉक बेलें	आई एस 01659 : 90
2.	5035041	95-01-01	मार्कारो इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन, 37, ब्यू रोड, बेलगाछी, हनुमान-711108	पानी सम्बन्धी कार्यों के लिए ब्लूज वाच	आईएस : 02906 : 84
3.	5035145	95-01-01	मित्री इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 17 पी, टाटासिलवार्ड इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, रांची, बिहार	28.2 लीटर पानी अमला वाले अल्पदायक एलपीजी के बेल्डक अल्प कार्बन इस्पात गैसिडर	आईएस 03196 : 92 भाग : 01
4.	5035146	95-01-01	डी कपेस (इंडिया), 58 बी.टी. रोड, कलकत्ता-700002	मोडा अम्ल सुबाह्य अग्निशामक और रासायनिक शमक के रिफिल भाग 1 छोटा अम्ल सुबाह्य अग्निशामक	आईएस : 05490 : 77 भाग : 01
5.	5035347	95-01-01	उमरोगसी सीमेंट लि. उमरोगसी एनसी. हिन्स, असम	33 ग्रेड सीमेंट	आईएस : 00269 : 89
6.	5035448	95-01-01	रॉक सीमेंट तेलीफॉम, कुमारगुहा, जिला सुन्दरगढ़, ओड़ीसा	पॉटलैण्ड स्लेग सीमेंट	आईएस : 00453 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
7. 5035549	95-01-01	रॉक सीमेंट (प्रा.) लि., तेलीफॉन, कुमारगुडा, जिला सुन्वरगढ़, ओड़ीसा	33 ग्रेड सा.पो.सी.	आईएस 00269 : 89	
8. 5035550	95-01-01	कामरूप रोडिज मिक्स प्रा. लि., लोकहारा रोड, पी.ओ. साबकुची, गुवाहाटी, असम-781018	प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य इतित इस्पात के लिए और सार	आईएस 01786 : 85	
9. 5035751	95-01-01	मधु इंटरप्राइस, 15 नागेश्वरनाथ रोड, बमडम, कलकत्ता-700028	गैस, नैस, मल-जल के पाइप के लिए रबड़ सिलिंग रिंग	आईएस 05382:86	
10. 5035852	95-01-01	उड़ीसा प्लास्टिक प्रोसेसिंग लि., ओ.टी. रोड, बालासीढ़, बालासीढ़, उड़ीसा-756001	ट्यूबेल लगाने के छेव के लिए सुषट्टियत पी पीसी की जाली और डलवा पाइप	आईएस 12818 : 92	
11. 5036053	95-01-01	द खम्बादाली इंड. लि., बिलिंगटन जूट मिल की इकाई, जी.टी. रोड, पो. ओ. रिसरा, जिला हुगली	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650 : 89	
12. 5036046	95-01-01	हॉस्टेक लेबोरेट्री, 36-वांतिबर गरिला, पो. ओ. इयामनगर, 24-परगना (ब) 743127	इंटेग्रल सीमेंट अमरौली यांगिक	आईएस 02645 : 75	
13. 5036147	95-01-01	बिरना जूट एण्ड इंड. लि., यूनिट बाले जूट मिल, 5, स्कॉट कैर रोड, पो. ओ. बेले-711201	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650 : 89	
14. 5036248	95-01-01	रेलवेंस जूट लि., काजीनाडा, पो. भातपाड़ा, 24-परगना	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650 : 89	
15. 5036349	95-01-01	कुडलो जूट मिल, बेंगल, हाबडा	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650 : 89	
16. 5036450	95-01-01	कामारहट्टी कं. लि., ग्राम रोड, पो. भा. कामारहट्टी, कलकत्ता-700058	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650 : 89	
17. 5036551	95-01-01	बंगाल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स इंडस्ट्रीज, 67-प्रियनाथ मिह्रा रोड, बेलगारिया, कलकत्ता-700056	मुगियों के लिए खनिज मिश्रण अनुपूरक पोट्टाश	आईएस 05672 : 92	
18. 5036652	95-01-01	नईहट्टी जूट मिल कं. लि., पो. ओ. हाजीनगर, नईहट्टी, 34-परगना	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650 : 89	
19. 5036753	95-01-01	न्यू सेंट्रल जूट मिल कं. लि., (यूनिट प्रोसेसिंग) बज बज जिला 24-परगना-743319	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650 : 89	
20. 5036854	95-01-01	कलाबोनियन जूट एण्ड इंडस्ट्रीज लि., 18-सेवा रोड, बाईकाली नगर, पो. ओ. बज बज-743319	खाद्य अनाज भराई के लिए 50 कि.ग्रा. के जूट के बोरे	आईएस 12650:89	
21. 5036955	95-01-01	जेन्या प्लाईवुड इंडस्ट्रीज लि., बोगापासी, पो. भा. बेथोमाली, ट्रिप-धरुशावल प्रदेश	सामान्य कार्यों के लिए प्लाईवुड	आईएस 00303 : 89	
22. 5037048	95-01-01	पथेंसक जूट मिल लि., कामारहट्टी, बी. टी. रोड, 24-परगना, कलकत्ता-700058	भारतीय इंसियम	आई एस 02818 : 71 भाग : 02	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
23. 5037149	95-01-01	वेस्टर्न एग्री इम्प्लीमेंट्स कं. प्रा. लि., पांच जालिन घाट रोड, 212 राजा रामचन्द्र शाह रोड, पानी हट्टी, 24-परगना (द)			आईएस 03327:82
24. 5037250	95-01-01	मेकेनेइल इलेक्ट्रिकल लि., द्वारा मै. हिन्दुस्तान स्टील मेटल लि., 19-दशेद्री रोड, कलकत्ता-700048	मिजली के सामान के लिए, जवाबदाह भारण		आईएस 202148:81
25. 5037351	95-01-01	फोर्ट बिलियम इंडस्ट्रीज लि., 6/ए. जी. टी. रोड, कोनागड़, जिला हुगली।	तार रस्सी		आई एस 09282:79
26. 5037452	95-01-01	इलेक्ट्री स्टील कार्स्टिंग लि., 30 बी. टी. रोड, काइबा, पो. ओ. मुकुन्दार, 24-परगना (द)	पानी, गैस मल निकाल के लिए सेंट्रीफ्यूजल डमबा (स्पन) लीह के पाइप		आई एस 08328:90
27. 5037553	95-01-01	नफरचन्द्र जूट मिल, भूतनाथ कौलाम रोड, पो. ओ. कानकीनरह -743126	खाद्य अनाज भारई के लिए 50 किग्रा. के जूट के बोरे		आई एस 12650:89
28. 5037654	95-01-01	हुगली मिल कं. लि., यूनिट : गोंगालपाड़ा जूट मिल, गोंगालपाड़ा, हुगली-712137	खाद्य अनाज भारई के लिए 50 किग्रा. के जूट के बोरे		आई एस 12650:89
29. 5037755	95-01-01	एस. के. बोप एण्ड कं., 18/16 बिरेन राय रोड (पु), कलकत्ता-700034	जीवाणुरोधी द्रव काला		आई एस 01081:82
30. 5037856	95-01-01	डिविंग बेसी डिम्बर ट्रेड प्रा० लि., पो. ओ. बोलग (रोडिंग), जिला डिवंग बेसी अरुणाचल प्रदेश।	सामान्य कार्यों के लिए प्लास्टिक		आईएस 00303:89
31. 5037957	95-01-01	इलहोजी जूट कं. लि., पो. ओ. बिद्यावादी, जिला हुगली।	खाद्य अनाज भारई के लिए 50 किग्रा. के जूट के बोरे		आई एस 12650:89
32. 5038050	95-01-01	हुगली मिल प्रोजेक्ट, यूनिट : हुकमचन्द जूट मिल पो. ओ. हाजीनगर, नार्दहटी, 24-परगना-743135	खाद्य अनाज भारई के लिए 50 किग्रा. के जूट के बोरे		आई एस 12650:89
33. 5038151	95-01-01	श्री श्री शंकर जूट मिल प्रा. लि., श्याम नगर, पो. ओ. गरुनिया-743133	खाद्य अनाज भारई के लिए 50 किग्रा. के जूट के बोरे		आई एस 12650:89
34. 5038252	95-01-01	मेसुइट कं. लि., बुडीकाणी नगर, पो. ओ. बज बज, 24 परगना-743319	खाद्य अनाज भारई के लिए 50 किग्रा. के जूट के बोरे		आई एस 12650:89
35. 5038353	95-01-01	आकलैड इंटरनेशनल लि., पो. ओ. जगन्नाथ, 24 परगना (दक्षिण), पं. बंगाल 24 परगना (दक्षिण) 743125	खाद्य अनाज भारई के लिए 50 किग्रा. के जूट के बोरे		आई एस 12650:89
36. 50384773	95-01-01	इरीगेशन इंजीनियरिंग कम्पनी, 9-4-80 आम्ध्रा रोडर पत्नीर मिल कम्पाउंड, ममाल नगर, मेदीपटनाम, हैदराबाद	विकृत प्रकार के छनक, सामान्य साइज 80 और 1000 मिमी. और सामान्य दाब चापित 0.5 किग्रा/सेमी ²		आई एस 12785:89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37.	6069874	95-01-01	सेज सीरोट लिमिटेड, चित्तालापलेम गांव, सेलाचूक मंडल, नामगोंडा जिला-509246	43 ग्रेड सी. पी. सी.	आई एम: 08112: 89
38.	6069973	95-01-01	पाराभाटी इंजीनियरिंग, मुंसाबाटा गांव, मारणी हुबली, बंगलूर-560062	निमज्जन पम्प	आई एम: 08034: 89
39.	6070031	94-12-01	महावीर एप्लायंसेस, रोड नं. 6 इंडस्ट्रियल एरिया, नाबाराम, हैदराबाद-501507	बरेलू प्रेशर कुकर	आई एम: 02347: 87
40.	6070152	94-12-01	जयभी केबल एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स, गोमूर पो. ऑ., मेटूर डाम, सेलम जिला-ममिलमाड-638404	1100 बी. तक पी बी सी रोधी केबल इकहरे कोर साइज 18 मिमी 2 सहित एल्यूमीनियम के बालक केबल अल्प ताप और बाहरी सार्थक	आई एम: 00694: 90
41.	6070253	93-01-01	श्री नरुणात्मिका इंजीनियरिंग वर्क्स, 23-बी तिरुपुर मेन रोड, अचिनासी, कोयम्बतूर जिला-638654	इकहरे फेम छोटी एसी बिजली की मोटर	आई एम: 00996: 79
42.	6070354	95-01-01	कामधेनु वायर, 567 टडालाम रोड, सोमायपल्लायम पोस्ट, कोयम्बतूर-641025	1100 बी. तक कार्यकारी वोल्टता, के लिए पी बी सी रोधी केबल एल्यूमीनियम बालक सहित	आई एम: 00694: 90
43.	6070455	94-12-01	मकिलटैक एप्लायंसेस प्रा. लि., कोबेरी, अन्नचामपीडिका पोस्ट, कन्नूर (केरला) 670331	बिजली की इस्तेमाल के लिए सुरक्षा अपेक्षाएं	आई एम: 00302: 92 भाग : 02
44.	6070556	95-01-01	ओसिया केबल कार्पोरेशन, बी-4 मिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, कोडीनगडूर, मद्रास-600051	पी बी सी रोधी अकबलित केबल इकहरे कोर ताम्बे के बालक श्रेणी 5 और एल्यूमीनियम बालक श्रेणी 2	आई एम: 00694: 90
45.	6070657	95-01-01	ग्रान्धा सीरोट लि., दुर्गा सीरोट वर्क्स, दुर्गापुरम मुंदूर जिला (आ. प्र.)-522414	43 ग्रेड सी. पी. सी.	आई एम: 08112: 89
46.	6070758	95-01-01	क्वो टेक वायर, एम एफ नं. 111-ई., कीरानाथम पिरिय, मध्य रोड, मरायनाम पट्टी, कोयम्बतूर-641035	65 मिमी. सामान्य माइज के विकृत प्रकार के छिड़काव का सामान्य दाम के 1 4 किग्रा. सी एम 2	आई एम: 12786: 89
47.	6070859	95-01-01	कनटिका कंजुमार प्राइवेट लि., जालाहली कैम्प रोड, बगवंतनाथ- पुरम, बंगलूर-560022	गुदों के लिए दबड़ खड़ी सी आई आई सीट	आई एम: 08391: 87
48.	6070960	95-01-01	सॉलकर इंटरप्राइज, 134-मिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, अम्बाटूर, मद्रास-600098	सी संयोजन ग्लेट वक्र	आई एम: 12933: 92 भाग : 01
49.	6071053	95-01-01	लक्ष्मी लैम्प इंडस्ट्रीज, डी-107 फेम 1, आई डी ए, जी डी मेटला, हैदराबाद-500855	सामान्य सेवा के लैम्प 25 वा. और 40 वाट निर्धारित 330 बी. कुशलित कायम, साफ बी-22 के सहित	आई एम: 00418: 78
50.	6071154	93-01-01	ई आई डी पैरी (इंडिया) लि., कस्टर्ड बालाजा मालुक, रामीपेट-632101	अनिलोकाय 30% ई मां	आई एम: 13103: 92
51.	6071255	95-01-01	सेको पम्पस इंडस्ट्रीज, 1/13बी भाउष स्ट्रीट नं. 2, के. धार. पुरम, कोयम्बतूर-641006	इकहरे फेम छोटी एसी बिजली की मोटर	आई एम: 00996: 79

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
52.	6071358	95-01-01	एम्बर फोम इंडस्ट्रीज प्रा. लि., 78-केमिकल सेक्टर, ग्रन्नाटूर इंडस्ट्रियल एस्टेट, मद्रास-600058	भाग बुझाने के लिए यांत्रिक भाग उत्पादन के लिए प्रीटोन भाग यांत्रिक	आई एन : 04989 : 85 भाग : 01
53.	7065568	94-12-01	लुपिन एग्री केमिकल्स (इंडिया) लि., 242/पी, जी आई डी सी, पनोली, मद्रास-394116	इथाइन पायसनीय साम्य	आई एन : 10319 : 84
54.	7065668	94-12-01	प्रोस्ट्रीसीड वायर इंडस्ट्रीज, 85/2/1 मयूजा कालीनी रोड, राखील गांव, (पूनिपन टैरीटोरी भाक वावरा मगर एण्ड हुबोली) सिलवासा-396230	प्रबलन कंक्रीट के लिए बिना बेतित प्रतिबल मुक्त लड़	आई एन : 08006 : 83
55.	7065770	94-12-01	प्रसपी एग्री इन्फ्रामेंट प्रा. लि., बिकालई रोड, अंतलिय गांव, बिलीमोरे-396321	हस्तचालित ब्रुल्लि यंत्र भाग 1 बेली माउटेड टायर	आई एन : 05135 : 74 भाग : 01
56.	7065871	94-12-01	हाइटेक स्टील, मणीभाई एण्ड बार्स (स्लीपर) प्रोमोसेंस, गांव बिजालपुर, तह: कलोल, पंचमहल जिला	प्रबलन कंक्रीट के लिए बिना बेतित प्रतिबल मुक्त लड़	आई एन : 08006 : 83
57.	7065972	94-12-01	प्रकाश इस्पात उद्योग, एफ-11/12 एम आई डी सी, नागपुर-440016	सामान्य संघटना कार्यों के लिए इस्पात	आई एन : 02062 : 92
58.	7066065	94-12-01	एशियन इयूब लिमिटेड, प्लाट नं. 70, गांव-अंकहोल, तह: काडी, मेहसाणा जिला	पानी, गैस, सीबरी और बरार पड़े बिजली द्वारा बेल्टेड इस्पात के पाइप	आई एन : 03539 : 91
59.	7066166	94-12-01	सुभन वाणिज्य लि., स नि पावरहाउस, कोलवेट रोड, भाणे-400607	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य अत्यंत इस्पात के सरिए और तार.	आई एन : 01786 : 85
60.	7066267	94-12-01	प्रकाश इस्पात उद्योग, एफ-11/12 एम आई डी सी, नागपुर-440016	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य अत्यंत इस्पात के सरिए और तार	आई एन : 01786 : 85
61.	7066368	94-12-01	सावर कंक्रीट प्रा. लि., समीप सावर कैबल, सम्मुख : सहकारी गिन, हिमतनगर-383001	शिरोपरि प्रेषण के लिए एल्यूमीनियम के बालक भाग 4 एल्यूमी- नियम के लड़खार बालक	आई एन : 00398 : 79 भाग : 04
62.	7066469	94-12-01	कोल्हापुर भाइलहा सहकारी ब्रूय उत्पादक संघ लि. बी-1 एम आई डी सी गोकुल सिरगांव, तालुक कारबीर, कोल्हापुर जिला-416003	मलाईयुक्त ब्रूय का पाउडर भाग 2 प्रतिरिक्त ग्रेड	आई एन : 13334 : 82 भाग : 02
63.	7066570	94-12-01	जलगांव जिला सहकारी ब्रूय उत्पादक संघ अर्थात्, पोस्ट बाक्स नं. 32, जलगांव-425001	मलाईयुक्त ब्रूय का पाउडर भाग 2 प्रतिरिक्त ग्रेड	आई एन : 13334 : 82 भाग : 02
64.	7066671	94-12-01	सल्फर मिक्स प्रा. लि., एम आई डी सी प्लाट नं. 8 दुरबी नाका, भाणे बेलापुर रोड, दुरबी-भाणे	सल्फर धूलन पाउडर	आई एन : 08444 : 79

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
65.	7066772	94-12-01	सुबरीजेल इंडिया लिमिटेड, थाणे-बेलापुर रोड, दुरबी, थाणे जिला	काटने वाला धुलनशील तेल,	SI : 01115 : 88
66.	7066873	94-12-01	कुवेरजी देवशी एण्ड कं. प्रा. लि., फिरेड गोबंदी धर्सी, भमीप गोबंदी रेलवे स्टेशन, बम्बई	सुवाहृष्य अभिनवामक और रासाय- निक अभिनवामन यंत्रों के लिए रिफिल भाग 1 सोडा ग्रमल	IS : 06490 : 88 भाग : 01
67.	7066974	94-12-01	रिती इंजीनियर्स, जे-318 एम आई डी सी, भोसारी, पूना-411028	सिचार्ड उपस्कर छलनी टाइप छिड़कावक	IS : 12785 : 88
68.	7067067	95-01-01	टेक्नो पंप इंडस्ट्रीज, सी-1 बी 4620/4621 जीआईडीसी फेस 4, वतवा ग्रहमवाबाध-382445	निम्नजन पंप के लिए मोटर	IS : 09283 : 79
69.	7067168	95-01-01	एपीकल्बर पोलीमर्स, डी-41 सी एमआईडीसी, हूसरा फेस, बकोला-441104	पेज जल आपूर्ति के लिए यूपीवीसी के पाइप	IS : 04985 : 88
70.	7067269	95-01-01	फाइन पंप इंडस्ट्रीज, 318/सी-1, बी जीआईडीसी, फेस 1, नरोडा, ग्रहमवाबाध-382330	निम्नजन पंप	IS : 08034 : 89
71.	7067370	95-01-01	ओरियंट फैक्टरी कमर्शियल कं. लि., प्लॉट नं. 73, इंडस्ट्रियल एरिया, पिपेरिया, सिलवासा-396230	कमरों के एयर कंडीशनर	IS : 01291 : 92 भाग : 01
72.	7067371	95-01-01	कोलम्बिया पेट्रो केम प्रा. लि., प्लॉट नं. जे 14, ताजाजा एमआईडीसी समाख इंड. एरिया, रायगड जिला	नया रोडन तेल	IS : 00335 : 83
73.	7067572	95-01-01	कोणकन पेस्टोसाइड, ए-4 एमआईडीसी महद, रायगड जिला	कॉपर ग्रांसीक्लोराईड जल विसर्जनीय पाउडर सांद्र	IS : : 01507 : 77
74.	7067673	95-01-01	भवानी पंप, सम्मुख : ग्रामिका राइस मिल, उज्जयिन्या रोड, टालोड प्रतिष्ठान तालुक, साबरकांटा तालुक-383215	निम्नजन पंप	IS : 08034 : 89
75.	7067774	95-01-01	वशमेश केबल्स, प्लॉट नं. 52 इंड. एरिया, खिमानी	क्रासलिकड पालीवीन रोहित पीवीसी खोल वाले केबल्स भाग 1, 1100 वो तक कार्यकारी घोल्टता के लिए	IS : 07098 : 88 भाग 01
76.	7067875	95-01-01	जलबिंदु एपीटेक प्रा. लि., ए/1 275/3 जीआईडीसी, उम्बेरगाम 396171	सिचार्ड उपस्कर छलनी टाइप छिड़कावक	IS : 12785 : 89
77.	7067976	95-01-06	जलबिंदु एपीटेक प्रा. लि., ए/1, 275/3 जीआईडीसी, उम्बेरगाम 39617	सिचार्ड उपस्कर इरीटर	IS : 13487 : 92
78.	7068069	95-01-01	रोटोमेटिक कनेशन प्रा. लि., 5एफ-4, एमआईडीसी, ग्रामाड, नासिक 422018,	प्रार्वती संकचित पोसीदयाइलीन के पानी के संग्राही टैंक	IS : 12701 : 89
79.	7068170	95-01-16	शंकर इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. ए-118, 22वां रोड, वागले इंड. एस्टेट, थाणे-400609	घरेलू और संबद्ध कार्यों के लिए स्विच	IS : 03854 : 88
80.	7068271	95-01-01	कीसि प्रार्ड इंडस्ट्रीज, सी-112, बोलाभा इंड. एस्टेट, पहली मंजिल, ग्रामोक चक्रवर्ती रोड, कांडीवली (पु) बम्बई-400101	घरेलू और संबद्ध कार्यों के लिए स्विच	IS : 03854 : 88

(1)	(2)	(2)	(4)	(5)	(६)
81	7068372	95-01-01	शाह इंडस्ट्रीज, माला 103/107 प्रथम तल, मनीश इंड एस्टेट नं 1, बसई (पू), धाणे जिला-401202	घरेलू और संबन्ध का, 1/8 लिए स्विच.	IS : 03854:88
82	7068473	95-01-01	सल्फर मिल्स प्रा लि। एमआईडीसी प्लॉट नं 8, टरवीलाक, ठाणे बेलापुर रोड, टूवी, धाणे	विद्युत्सालकांस पायसनीय साध	IS : 08028:87
83	7068574	95-01-02	सम्राट सीमेंट एंड केमिकल्स इंडस्ट्रीज, सम्मुख : सारवी पाटिमा, गांव—अरवोई, एनएच नं 8, तप्लुक : कोटवा सांगली, राजकोट जिला	33 ग्रेड सा. पो. सी	IS : 00269:99
84	7068676	95-01-01	नर्मदा फूड कलर प्रा लि., प्लॉट नं. 282, गांव-करडीज (नवग्राम) भावनगर-राजकोट रोड, भावनगर जिला-364060	खाद्य ग्रेड एफसीएफ गहरा तोला	IS : 06406:77
85	7068776	95-01-01	वेधीदयाल (सेल) प्रा. लि., 50/ए, जीआईडीसी एस्टेट, हलोण, पंचमहल 389330	भारतीय गंधक पाउडर	IS : 03383:82
86	7068877	95-01-01	टाटा केमिकल लि., पो. ओ. मीठापुर तालुक ओखामंडल, जामनगर 361345	53 ग्रेड ओ.पो.सी.	IS : 12269:87
87	7068978	95-01-01	फोररोस केमिकल (इंडिया) लि., प्लॉट नं. 6204, जीआईडीसी एस्टेट, अंकलेश्वर, झुंजी जिला 393002	सीमेंट जलसल बनाने के यौगिक का विशिष्ट	IS : 02645:75
88	7069071	95-01-01	कासमस इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 64, विवाम एंड संस, उद्योग नगर गांव—धलीयाली, पासघर, धाणे जिला	थर्मोप्लास्टिक के होज	IS : 12492:88
89	7069172	95-01-01	मल्लीकेम प्रा. लि., 40-41, गवर्नमेंट इंड. एस्टेट, कोडीवली (पू) बम्बई-400067	कृषि कार्यों के लिए पीपीइयाइलोन के पाइप	IS : 12786:89
90	7069273	95-01-01	अमरतारा लिमिटेड, 73-74, साकी विहार रोड, पोवई	बिजली के कार्यों के लिए संबंधी आसजक दाब टप भाग 3 प्रलग प्रलग सामाग, अनुभाग 1 प्लस्टिकृत पोलेविनायक क्लोरोइ टैप आसजक सहित	IS : 7809:88
91	7069374	95-01-01	शालीमार इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, /अमजखी उद्योग भवन, यूनिट नं. 24/25 प्लॉट नं. 6 और 20, क्रम सं. 31-34 नवगढ़ बसई (पूर्व) धाणे जिला	सिलिंग रोज	IS : 00371:79
92	7069475	95-01-01	बिडसर एमो इंडस्ट्रीज, 2 धनव्याम इंड. एस्टेट, एलवीएस स्टेडियम के पीछे, मारजाह फार्म रोड, बापू नगर, अहमदाबाद-380024	कृषि कार्यों के लिए साफ, ठंडे पानी के लिए गॉनोसेट पम्प	IS : 09079:89
93	8083474	94-12-16	एलुजा मिनरल्स (प्रा.) लि., ए-24-ए रिक्को इंड. एरिया, बहुरोड, जिला अलवर	33 ग्रेड सा. पो. सी.	IS : 00269:89
94	8083575	94-12-16	सगराइन इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 3/15 ए.एम.ली नं. 8, गुय्दारा मोहला, मौजपुर, दिल्ली-110053	फ्लोरोसेंट लैम्प के स्विच और आंतरिक सर्किट के लिए चौक	IS : 01534:77 भाग : 01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
95.	8083878	94-12-16	जिहला विनयाल द्यूब लि., हारावाला रेलवे स्टेशन रोड, गांव—हारावाला, जिला—देहरादून	गुपीबीसी पार्स	ग्राईएस 04985:88
96.	8083777	94-12-16	ग्लोसे पेंड्स एंड केमिकल्स (इं.) लि., ई-15 साइट-सी सुपजपुर, पो.बी. टीलापटे, जिला गानियाबाद	संश्लिष्ट ग्रन्थ प्रातिरिक्त किमिनिग के लिए	ग्राईएस 00133:75
97.	8083878	94-12-16	माडन इंस्टीट्यूट, जे-8 उद्योग नगर, रोहतक रोड, नई दिल्ली-110041	गृहक पाउडर टाइप सुमाहू ग्रामिणशामक (5 कि.ग्रा. क्रमता के)	ग्राईएस 02171:85
98.	8083979	94-12-16	इंडू टेक इंजीनियर्स 13-ए एम मोकामपुर इंड. कॉपलेक्स दिल्ली रोड, मेरठ (उ.प्र.)	एलपीजी के प्रतिरिक्त ग्रन्थ गैसों के लिए ग्रन्थ बाब में लैंड कार्बन-गैस सिलिंडर (ग्राइएलएचजी) 11.1 लीटर पानी की क्रमता के	ग्राईएस 03196:82 भाग: 02.
99.	8084072	94-12-16	सारसन एंड डूबरो लिमिटेड, हीरवी सीमेंट वर्क्स, पो. ओ. हीरवी, ताल्लुक-सिभगा जिला-राजीपुर (म.प्र.)	33 ग्रेड सा. पो. सी.	ग्राईएस 00269:89
100.	8084173	94-12-16	राजस्थान स्टेड एग्रो इंड. कारपो. लि., इंड. एरिया, जोतबाड़ा जयपुर-302012	गहराई से पानी निकालने के पम्प (ब्लॉम)	ग्राईएस 13056:91
101.	8034274	94-12-16	रोडमास्टर फूड लि., 18 कि. ग्रा. स्टेशन, गानियाबाद-हापुड़ रोड, पो. बी. जैन इंस्टीट्यूट एस्टेट, विलबाड़ा, जिला-गानियाबाद	मलाईयुक्त दूध का पाउडर मानक ग्रेड	ग्राईएस 13334:92 भाग-01
102.	8084375	94-12-16	मारुत इंस्टीट्यूट लि., ई-17 बीएसआईसीईड. कॉपलेक्स, रोहतक रोड, नागलौई, दिल्ली-110041	मलौरीपायरीकास 20% ईबी	ग्राईएस 08944:78
103.	8084476	94-12-16	राजस्थान स्टील एग्रो इंड. कारपो. लि., इंड. एरिया, जोतबाड़ा, जयपुर-302012 जयपुर-3022012	प्रतिरिक्त गहराई से पानी निकालने के इंड पम्प	ग्राईएस 13287:92
104.	8084577	94-12-16	माडन इंस्टीट्यूट (प्रा.) लि. ए-4/2 साइट IV साहिवाबाद इंड. एरिया समग्र कंट गीटर साहिवाबाद, गानियाबाद	एसी बाट हावर्स गीटर, इकहरे फेस,	ग्राईएस : 13010:90
105.	8084678	94-12-16	जी. बी. इंस्टीट्यूट, 105 इंड. एरिया, जोतबाड़ा जयपुर-302012	1100 बो. कार्यकारी बोस्टता तक पीपीसी	ग्राईएस 00694:90 रोधी कोबल
106.	8094779	94-12-16	नर्मदा इंस्टीट्यूट, 6/1 इंड. एस्टेट, गोविंदपुरा, भीमाल-462023	जस्तीकृत एल्युमीनियम के लड़दार बालक (एल्युमीनियम-मैग्नीशियम-सिलिकॉन टाइप)	ग्राईएस 00398:79 भाग : 04.
107.	8084880	95-01-01	जनरल इंजीनियरिंग वर्क्स, इंडस्ट्रियल एरिया, भरतपुर-321001	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिए सावे कठोर कठित इस्पात के अत्यंत कठित प्रतिबल मुक्त तार	ग्राईएस 01785:83 भाग: 01
108.	8084981	94-12-01	विनीत इंस्टीट्यूट, 2/3/95 प्रधान मार्ग, भिरकारी कालोनी, नई दिल्ली-110009	एमरोड टाइप, एक्स्ट्रा थार्ड साइड, (स्क्रिनीमैचोमीटर)	ग्राईएस 07652:88
109.	8035074	95-01-01	प्रेसटाइज बनस्पति इंस्टीट्यूट, 161-बी, सैक्टर 1, प्रीतमपुरा, जिला-धर (म.प्र.)	बनस्पति के पीकेजिंग के लिए नम्य पीक	ग्राईएस 11352:85

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
110.	8085175	95-01-01	राज फेसरी इलेक्ट्रोड प्रा. लि., एफ-313 एमआईए, मादरी, उदयपुर-313001	ठके इलेक्ट्रोड की मंजिला	आईएस 00814: 91
111.	8085276	95-01-01	श्रीप हेल्व प्राइवेट लि., डी जी 31/1 इंडस्ट्रियल एरिया, मेरठ रोड, गाजियाबाद	कार्बनडिऑक्साइड 50% डबल्यूपी	आईएस 08446: 91
112.	8085377	95-01-01	श्रीबालाजी डोमेस्टिक एप्लायसेस, बी-2/49 एक्सटें. 5, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली-110018	बरेलू एलपीजी के स्टोव	आईएस 04246: 92
113.	8085478	95-01-01	हीबगली इंडस्ट्रीज जी-210 सैक्टर 10, मीएडा-201301	स्टेनलेस इस्पात के बोहरे बर्नर के टेपर भाग का भाग सीआई मिश्रित नली और बर्नर ऊपर मजबूत बर्नर रेडिंग 2010 के.एल.एच (बीबी) 1635	आईएस 04246: 92
114.	8085579	95-01-01	भास्करास्ट इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., 113 प्रकाश इंडस्ट्रीज एस्टेट, यू.पी. बाडर साहिबाबाद, गाजियाबाद जिला	घुमावदार संकचित पोलीइथाइलीन के पानी के संग्रहीत सिलिंडरनुमा बड़ा टैंक	आईएस 12701: 89
115.	8085680	95-01-01	मल्होत्रा इलेक्ट्रोनिक्स, 215 शिवाजी मार्केट, समीप : हंगली बाइल स्कूल, टैगोर गार्डन एक्सटें., नई दिल्ली-110027	पानी गर्मि के लिए खनिज मरे बोलबार तापत एसीमेंट	आईएस 04159: 83
116.	8085781	95-01-01	भार. जी. इंटरप्राइज, ए-54 ब्यास नगर, नई दिल्ली-110018	इकहरी कोर की एसी मोटर	आईएस 00996: 76
117.	8085882	95-01-01	बेल बंक (इंडिया), जे-52/ए बेरीबाला भाग, समीप : घुमाव नगर, नई दिल्ली-110064	इकहरी कोर की एसी मोटर	आईएस 13010: 90
118.	8085983	95-01-01	एक्सास एप्लायसेस, ई-18 सैक्टर-11, मीएडा-201301	तुरन्त पानी गर्मि के बिजली के हीटर	आईएस 08978: 85
119.	8086076	95-01-01	माक्सवेल पावर इंडस्ट्रीज, 188 ए, मारडीन नगर नांगलोई, नई दिल्ली-110041	1100 बो. तक कार्यकारी बोल्ता के लिए पीबीसी रोधी केबल	आईएस 00694: 90
120.	8086177	95-01-01	जैम इंटरप्राइज, पी-1443-44 शास्त्री नगर, दिल्ली-110052	तत्काल पानी गर्मि वाले बिजली के हीटर	आईएस 08978: 85
121.	8086278	95-01-01	साफिया इंडस्ट्रीज, 3 कि. मी. सामली रोड, मुजफ्फर नगर	पावर ब्रेकर की सुरक्षा अपेक्षाएं नुकीले दांत सिलिंडर टाइप	आईएस 09020: 79
122.	8086379	95-01-01	राणा स्टील, मेरठ रोड मुजफ्फर नगर-257003	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य तप्त इस्पात की छड़ें और तार	आईएस 01786: 85
123.	8086480	95-01-01	माइकन इंडस्ट्रीज, जे-9 उद्योगनगर, रोहतास रोड, नई दिल्ली-110041	घुमाव दूध अग्निशामक पानी टाइप (कार्बोस गैस नुमा)	आईएस 00940: 89

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O.1938:—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	CM/L-No.	Operative Date	Name & Address of the Party	Article/Process covered by the licence	IS : No./Part
1	2	3	4	5	6
1.	5034951	950101	Arunachal Saw & Veneer Mills Pt. Ltd. Jalram Pur Arunachal Pradesh-792121	Block Board	IS : 01659 : 90
2.	5035044	950101	Makali Engineering Corporation 37, 'Q' Road, Blegachia Howrah-711108	Sluice valves for water works purposes.	IS : 02906 : 84
3.	5035145	950101	Ginni Industries Plot No. 17P, Tatisilwai Industrial Area Phase II Ranchi, Bihar	Welded low Carbon steel cylinder for low pressure LPG of 28.2 litres water capacity	IS : 03196 : 92 Part : 01
4	5035246	950101	Deflame (India) 58, B.T. Road, Calcutta- 700002	Refills for portable fire extinguishers and chemical fire 1 for soda acid portable fire extinguishers.	IS : 05490 : 77 Part : 01
5.	5035347	950101	Umrongso Cement Ltd. Umrongso N.C. Hills, Assam	33 grade OPC	IS : 00269 : 89
6.	5035448	950101	Rock Cement (P) Limited Teliposh Kumarmunda Dist. Sundargarh, Orissa	Portland slag cement	IS : 00455 : 89
7.	5035549	950101	Rock Cement (P) Ltd. Teliposh Kumarmunda Dist. Sundargarh, Orissa	33 grade OPC	IS : 00269 : 89
8.	5035650	950101	Kamrup Rolling Mills Pvt. Ltd. Lokhra Road, P.O. Sawkuchi Guwahati, Assam 781018	High strength deformed steel bars and wires for reinforcement.	IS : 01786 : 85
9.	5035751	950101	Sannu Enterprise 15, Nagendra Nath Road Dumdum Calcutta-700028	Rubber sealing rings for gas mains water mains and sewers.	IS : 05382 : 85
10.	5035852	950101	Orissa Plastic Processing Ltd. O.T. Road Balasore Balasore, Orissa-756001	Unplasticized PVC screen and casing pipes for bore/tubewell.	IS : 12818 : 92
11.	5035953	950101	The Champadany inds. Ltd. Unit : Wellington Jute Mills G.T. Road P.O. Rishra Distt. Hooghly	Jute bags for packing foodgrains IS: 12650:89 5 Kg.	
12.	5036046	950101	HI-TEK Laboratories 36 Santigarh, Garulia P.O. Shyamnagar 24 Parganas (N) 743127	Integral cement water proofing compounds.	IS : 02645 : 75
13.	5036147	950101	Birla Jute & Ind. Ltd. Unit Bally Jute Mills 5, Scott-Kerr Road P.O. Bally-711201	Jute Bags for packing foodgrains 50 Kg.	IS : 12650 : 89

1	2	3	4	5	6
14. 5036248	950101	Reliance Jute Ltd. Kaukinarah Post : Bhatpara 24 Parganas	Jute Bags for packing foodgrains 50 Kg.	IS 12650 : 89	
15. 5036349	950101	Ludlow Jute Mills Chengail Howrah	Jute Bags for packing foodgrains 50 kg.	IS 12650 : 89	
16. 5036450	950101	Kamarhatty Co. Ltd. Graham Road, P.O. Kamarhatty Calcutta- 700058	Jute bags for packing foodgrains 50 Kg.	IS 12650 : 89	
17. 5036551	950101	Bengal Mineral & Chemical Industries 67, Priyanath Middya Road, Belgharia Calcutta-700056	Mineral mixtures for supple- menting poultry feeds	IS 05672 : 92	
18. 5036652	950101	Naihati Jute Mills Co. Ltd. P.O. Hazinagar Naihati 24 Parganas	Jute bags for packing foodgrains 50Kg.	IS 12650 : 89	
19. 5036753	950101	New Central Jute Mills Co. Ltd. (Unit : Albion) Budge Budge Distt. 24 Parganas -743319	Jute Bags for packing foodgrains 50 Kg.	IS 12650 : 89	
20. 5036854	950101	Caladonian Jute & Industries Ltd. 18, Mehta Road, Badekali Nagar P.O. Budge Budge 743319	Jute bags for packing foodgrains 50 Kg.	IS 12650 : 89	
21. 5036955	950101	Jenny Plywood Industries Ltd. Bogapani P.O. Beomali Tirap, Arunachal Pradesh.	Plywood for General purposes	IS 00303 : 89	
22. 5037048	950101	Prabartak Jute Mills Ltd. Kamarhatty B.T. Road 24 Parganas, Calcutta 700058	Indian Hessian	IS 02818 : 71 Part : 02	
23. 5037149	950101	Western Agro Implements Co. (P) Ltd. 212 Raja Ramchand Ghat Road, Panihati 24 Parganas (North)	Pedal operated paddy threshar	IS 03327 : 82	
24. 5037250	950101	Macneill Electricals Ltd. C/o M/s. Hindustan Steel Metal Ltd., 19 Dakshindari Road, Calcutta-700048	Flameproof Enclosures for elect- rical apparatus	IS 02148 : 81	
25. 5037351	950101	Fort William Industries Ltd. 6/A, G.T. Road, Konnagar Dist. Hooghly	Wire ropes	IS 09282 : 79	
26. 5037452	950101	Electro Steel Castings Limited 30 B.T. Road, Khajicha P.O. Sukchar 24 Parganas (N)	Centrifugally cast (spun) ductile iron pipes for water, Gas & Sewage.	IS 08329 : 90	
27. 5037553	950101	Naffar handra Jute Mills Bhut Nath Kolay Road P.O. Kankinarah 743126	Jute bags for packing foodgrains 50 Kg.	IS 12650 : 89	
28. 5037654	950101	Hooghly Mills Co. Ltd. Unit : Gondalpara Jute Mill Gondalpara Hooghly 712137	Jute bags for packing foodgrains 50 Kg.	IS 12650 : 89	
29. 5037755	950101	S.K. Ghosh & Co. 18/16 Biren Roy Road (West) Calcutta 700034	Disinfectant fluids, black	IS 01061 : 82	
30. 5037856	950101	Dibang Valley Timber Trade Pvt. Ltd. P.O. Bolung (Roing) Dist : Dibang Valley Arunachal Pradesh.	Plywood for General purposes	IS 00303 : 89	

1	2	3	4	5	6
31.	5037957	950101	Dalhousie Jute Co. Ltd. P.O. Baidyabati Distt. Hooghly	Jute bags for packing foodgrains -50Kg.	IS 12650 : 89
32.	5038050	950101	Hooghly Mills Project Unit : Hukumchand Jute Mill P.O. Hazinagar Naihati 24 Parganas 743135	Jute Bags for packing foodgrains -50 Kg.	IS 12650 : 89
33.	5038151	950101	Shree Gauri Shanker Jute Mills Pvt. Ltd. Sham Nagar P.O. Gaudia 743133	Jute Bags for packing foodgrains -50Kg.	IS 12650 : 89
34.	5038252	950101	Chevoit Co. Ltd. Budekali Nagar P.O. Budge Budge 24 Parganas (S) 743319	Jute Bags for packing foodgrains -50 kg.	IS 12650 : 89
35.	5038353	950101	Auckland International Ltd. P.O. Jagatalal 24 Parganas (North) West Bengal 24 Parganas (North) 743125	Jute bags for packing food Grains, 50 kg.	IS 12650 : 89
36.	6069773	941201	Irrigation Engineering Company 9-4-80 Andhra Roller Flour Mills Compound Manal Nagar Mehdipatnam Hyderabad	Strainer type filter of nominal size 80 & 1000 mm, and nominal operating pressure 0.5 Kg/Cm ²	IS 12785 : 89
37.	6069874	950101	Shez Cements Limited Chintalapalem Village Mellacheruvu Mandal Nalgonda District 508246	43 Grade OPC	IS 08112 : 89
38.	6069975	950101	Pragathi Engineering Chunchgatta Village Sarakki Hobli Bangalore 560062	Submersible pumpsets	IS 08034 : 89
39.	6070051	941201	Manavir Appliances Road No. 6 Industrial Area Nacharam Hyderabad 501507	Domestic pressure cookers	IS 02347 : 87
40.	6070152	941201	Jayashree Cables & Engineering Works Gonur P.O. Mettur Dam Salem Distt. Tamilnadu 636404	PVC insulated cables, upto and including 1100 V, single core sizes upto and including 16mm ² with aluminium conductor, exc. low. temp and outdoor appliance	IS 00694 : 90
41.	6070253	950101	Sri Karunambika Engineering Works 23-B, Tiruppur Main Road Avanashi Coimbatore Distt. 638654	Single phase small AC Electric Motors	IS 00996 : 79
42.	6070354	950101	Kamadhenu Wires 567 Thadagam Road Somayampallayam Post. Coimbatore-641025	PVC Insulated cable for working Voltage upto & Including 1100V with copper conductor	IS 00694 : 90
43.	6070455	941201	Skiltek Appliances Pvt Ltd., Keecheri Kunchampodike Post, Aannur (Kerala)-640331	Safety requirements of electric Iron	IS 00302 : 92 Part :02
44.	6070556	950101	Osiya Cable Corporation B-4 SIDCO Industrial Estate Kodingaiyur Madras-600051	PVC Insulated unsheathed cables Single core copper conductor of class 5 and Aluminium conductor of Class 2	IS : 00694 : 90
45.	6070657	950101	Andhra Cements Ltd. Durga Cement Works Durgapuram, Guntur District Andhra Pradesh-522414.	43 Grade OPC	IS 08112 : 89
46.	6070758	950101	Flow Tech Power SF No. 114-E, Keeranatham Piriv Sathy Road Saravanapatti, Coimbatore-641035	65 MM Nominal Size Strainer Type Filters with Nominal Pressure of 1.4 KG/CM ²	IS 12785 : 89

1	2	3	4	5	6
47. 6070859	95-01-01	Karnataka Consumer Products Ltd. Jalahalli Camp Road Yeshwanthpur, Bangalore-560022	Rubberized Coir Sheets for Cushioning	IS : 08391 : 87	
48. 6070960	95-01-01	Solker Enterprises 436, Sidco Industrial Estate Ambattur Madras-600098	Solar Flat Plate Collector	IS : 12933 : 92 Part : 01	
49. 6071053	95-01-01	Lakhani Lamp Industries D-107, Phase I, IDA, Jeedimetla, Hyderabad-500855	GLS Lamps, 25 W & 40 W Ratings, 230 V, coiled coil clear, with B22 Caps	IS : 00418 : 78	
50. 6071154	95-01-01	E.I.D. Party (India) Ltd., KARAI Walaja Taluk, Ranipet-632401	Anilophos 30% EC	IS : 13403 : 92	
51. 6071255	95-01-01	MECO Pumps Industries, 1/15-B South Street No. 2, K.R. Puram, Coimbatore-641006	Single Phase Small AC Electric Motors	IS : 00996 : 79	
52. 6071356	95-01-01	Airfoam Industries Pvt. Ltd., 78 Chemical Sector, Ambattur Industrial Estate, Madras-600058	Protein foam Compound for producing Mechanical Foam for Fire Fighting	IS : 049989 : 85 Part : 01	
53. 7065568	94-12-01	Lupin Agro Chemicals (India) Ltd., 242/P, GIDC Panoli, Bharuch-394116	Ethion Emulsifiable Concentrate	IS : 10319 : 84	
54. 7065669	94-12-01	Prestressed Wire Industries, 85/2/1 Madhuj Colony Road, Rakhial Village, (Union Territory of Dadra, Nagar and Haveli) Silvassa-396230	Uncoated stress relieved strand for prestressed concrete	IS : 06006 : 83	
55. 7065770	94-12-01	Aspee Agro Equipment Pvt. Ltd., Off. Chihhali Road, Antalia Village, Bilimora-396321	Hand Rotary Duster : Part 1 Belly Mounted Type	IS : 05135 : 74 Part : 01	
56. 7065871	94-12-01	Highten Steels. Manibhai & Brothers (Sleeper, Premises, Village Vejalpur Tal : Kalol, Panchmahal District	Uncoated stress relieved strand for prestressing concrete	IS : 06006 : 83	
57. 7065972	94-12-01	Prakash Ispat Udyog F-11/12 MIDC Nagapur-440016	Steel for General Structural Purposes	: 02062 : 92	
58. 7066065	94-12-01	Asain Tubes Limited Plot No. 70 Village-Ankhol, Tal. Kadhi Mehsana Distt.	Seamless or electrically welded steel pipes for Water, Gas and Sewage	IS : 03589 : 91	
59. 7066166	94-12-01	Shubham Vanijya Ltd. Near Power House Kolshet Road Thane 400607	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement	IS 01786 : 85	
60. 7066267	94-12-01	Prakash Ispat Udyog F-11/12, MIDC Nagpur 440016	High Strength Deformed Steel Bars and Wires Concrete Reinforcement	IS 01786 : 85	
61. 7066368	94-12-01	Sabar Conductors Pvt. Ltd. Near Sabar Cables Opp. Sehkar Gin. Himmatnagar 383001	Aluminium Conductors for Overhead Transmission purposes : Part 4 Aluminium Stranded Conductors (Aluminium Magnesium Silicon Type)	IS : 00398 : 79 Part : 04	
62. 7066469	94-12-01	Kolhapur Jilha Sahakari Dudh Utpadak Sangh Ltd. B-1, MIDC, Gokal Shirgaon Shirgaon Taluka : Karvir Kolhapur Distt. 416003	Skim Milk powder : Part 2 Extra Grade	IS 13334 : 92 Part : 02	
63. 7066570	94-12-01	Jalgaon Jilha Sahakari Dudh Utpadak Sangh Maryadit Post Box No. 32, Jalgaon 425001	Skim Milk powder : Part 2 Ex Grade	IS 13334 : 92 Part : 02	

	3	4	5	6
64.	7066671	94-12-01	Sulphur Mills Pvt. Ltd., MIDC Plot No. 8, Turbhe Naka, Thane Belapur Road, Turbhe, Thane	Sulphur Dusting Powder IS 06444 : 79
65.	7066772	94-12-01	Lubrizol India Limited, Thane-Belapur Road, Turbhe, Thane District	Cutting Oil, Soluble IS 01115 : 86
66.	7066873	94-12-01	Kooverji Devshi & Co P. Ltd., Fired. Govandi Works, Near Govandi Rly. Station, Bombay	Refills for Portable Fire Extinguishers and Chemical Fire Engines : Part I for Soda Acid Portable Fire Extinguishers IS 05490 : 73 Part : 01
67.	7066974	94-12-01	Rini Engineers J-318, MIDC Bhosari Pune 411026	Irrigation Equipment Strainer Type Filters IS 12785 : 89
68.	7067067	95-01-01	Techno Pumps Industries, C-1/B, 4620/4621, G.I.D.C. Phase IV Vatva, Ahmedabad-382445	Motors for Submersible Pumpsets IS : 09283 : 79
69.	7067168	95-01-01	Agriculture Polymers D-41 M, MIDC, Ind Phase Akola-441104	UPVC Pipes for Potable Water Supplies IS 04985 : 88
70.	7067269	95-01-01	Fine Pump Industries, 318/C-1B, GIDC Phase I Naroda, Ahmedabad-382330	Submersible Pumpsets IS 08034 : 89
71.	7067370	95-01-01	Orient Factors Commercial Co. Ltd., Plot No. 73 Industrial Area, Piperia, Silvassa, 396230	Room Air Conditioners IS 01391 : 92 Part : 01
72.	7067471	95-01-01	Columbia Petro-Chem. Pvt. Ltd., Plot No. J-14, Taloja Midc, Opp. Indal, Raigad-District	New Insulating Oils IS 00335:83
73.	7067572	95-01-01	Konkan Pesticides. A-4, MIDC, Mahad, Raigad Distt.	Copper Oxychloride Water Dispersible Powder Concentrates IS 01507:77
74.	7067673	95-01-01	Bhavani Pumps, Opp. Ambica Rice Mill, Ujedia Road, Talod, Prantij Taluk, Sabarkanta Taluk-383215	Submersible Pumpsets IS 08034:89
75.	7067774	95 01-01	Dashmesh Cables, Plot No. 52 Indl. Area, Khemani, OT Section, Ulhasnagar, Thane Dist.-421002	Crosslinked Polyethylene Insula- ted P V C Sheathed Cables: Part I For Working Voltage Upto and Including 1100 V IS 07098:88 Part:01
76.	7067875	95-01-01	Jalbindu Agritech Pvt. Ltd. A/1, 275/3, GIDC Umbergam-396171	Irrigation Equipment-Strainer Type Filters IS 12785:89
77.	7067976	95-01-01	Jalbindu Agritech Pvt., Ltd., A/1, 275/3, GIDE, Umbergam-396171	Irrigation Equipment-Emitters IS : 13487 : 92
78.	7068069	95-01-01	Rotomatic Containers Pvt. Ltd. F-4, MIDC Ambad Nasik-422010	Rotational Moulded Polyethylene Water Storage Tanks IS 12701:89

1	2	3	4	5	6
79.	7068170	95-01-16	Shankar Industries Plot No. A-118, 22nd Road Wagle Ind. Estate Thane-400604	Switches for Domestic and Simil- AR Purposes	IS 03854:88
80.	7068271	95-01-01	Kirti Art Industries. C-112, Bonanza Indl. Estate 1st Floor Ashok Chakravati Road Kandivli (E) Bombay-400101	Switches for Domestic and Similar Purposes	IS 03854:88
81.	7068372	95-01-01	Shah Industries, Gala 103/107 First Floor Manish Indl. Estate No. 1 Vasai (East) Thane District-401202	Switches for Domestic and Simil AR Purposes	IS 03854:88
82.	7068473	95-01-01	Sulphur Mills Pvt. Ltd. MIDC Plot No. 8 Turbhe Naka Thana Belapur Road, Turbhe, Thane	Quinalphos Emulsifiable Concentrate	IS 08028:87
83.	7068574	95-01-01	Samrat Cement & Chemical Industries Opp. Bharudi Pattia Village Ardoi NH No. 8 Taluk : Kotda Sangani Rajkot District	33 Grade OPC	IS 00269:89
84.	7068675	95-01-01	Narmada Food Colours Private Limited Plot No. 282 Village-Kardej (Navgam) Bhavnagar-Rajkot Road Bhavnagar Distt.-364060	Brilliant Blue, FCF, Food Grade	IS 06406:77
85.	7068776	95-01-01	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd. 50/A, GIDC Estate Halol Panchmahal-389330	Wettable Sulphur Powder	IS 03383:82
86.	7068877	95-01-01	Tata Chemicals Ltd. P.O. Mihapur Taluka Othamandal Jamnagar-361345	53 Grade OPC	IS 12269:87
87.	7068978	95-01-01	Fosroc Chemicals (India) Ltd. Plot No. 6204, GIDC Estate Ankleshwar Baruch District-393002	Specification for Integral Cement Water Proofing compounds	IS 02645:75
88.	7069071	95-01-01	Cosmos Industries Plot No. 64, Dewan & Sons Udyog Nagar Village-Aliyali Palgar Thane District	Thermoplastic Hoses	IS 12492:88
89.	7069172	95-01-01	Multichem Pvt. Limited 40-41, Govt. Indl. Estate Kandivli (W) Bombay-400067	Polyethylene Pipes for Irrigation Laterals	IS 12786:89
90.	7069273	95-01-01	Amrtara Limited 73-74 Saki Vihar Road Powai Bombay-400072	Pressure Sensitive Adhesive Tapes for Electrical Purposes: Part 3 Individual Materials, Section 1 Plasticised Polyvinyl chloride Tapes with at Adhesive	IS 07809:86 Part:03
91.	7069374	95-01-01	Shalimar Electronic Industries Anajali Udyog Bhavan Unit No. 24/25 Plot No. 6 & 20, Sr. No. 31-34 Navghar, Vasai (East) Thane District	Ceiling Roses	IS 00371:79
92.	7069475	95-01-01	Windsor Agro Industries 2 Ghanshyam Indl. Estate Behind LBS Stadium Margha Farm Road Bapunagar Ahmedabad-380024	Monoset Pipes for Clear, Cold Water for Agricultural Purposes	IS 09079:89
93.	8083474	94-12-16	Saluja Minerals (P) Ltd. A-24-A RIICO Indl. Area Behror Distt. Alwar	33 Grade OPC	IS 00269:89

1	2	3	4	5	6
94. 8083575	94-12-16	Sunrise Electrical Industries 3/15 A, Gali No. 8 Gurudwara Mohalla Mauipur Delhi-110053	Ballast for Flourescent Lap for Switch Instant Circuit	IS 01534:77 Part:01	
95. 8083676	94-12-16	Trishla Vinyl Tubes Ltd. Harrawala Railway Station Road Vill. Harrawala Distt. Dehradun	UPVC Pipes	IS 04985:88	
96. 8083777	94-12-16	Glossy Paints & Chemicals (I) Ltd E-15 Site-C Surajpur P.O. Tilapte Distt. Ghaziabad	Synthetic Enamel Interior Finacing	ISk00133 : 75	
97. 8083878	94-12-16	Modern Industries J-9 Udyog Nagar, Rohtak Road, New Delhi 110041	Portable Fire extinguishers dry powder cartridge type (5 Kg capacity)	IS 02171 : 85	
98. 8083979	94-12-16	Indo Tech Engineers 13-AM Mohhampur Indl Complex Delhi Road Meerut (U.P.)	Welded low carbon gas cylinders for gases other than LPG (RLHG) of 11.1 Liters water capacity	IS 03196 : 82 Part 2	
99. 8084072	94-12-16	Larsen & Toubro Limited Hirmi Cement Works P.O. Hirmi Taluha—Simga Distt. Ranipur (M.P.)	33 grade OPC	IS 00269 : 89	
100. 8084173	94-12-16	Rajasthan State Agro Inds. Corpn. Ltd. Ind. Area Jhotwara Jaipur 302012	Deepwell Land pump (VLOM)	IS 13056 : 91	
101. 8084274	94-12-16	Roadmasier Foods Ltd. 18 Km Stone, Ghaziabad-Hapur Road P.O. Jain Industrial Estate Pilkhuwa, Distt. Ghaziabad	Sikim milk powder standard grade	IS 13334 : 92 Part : 01	
102. 8084375	94-12-16	Bharat Insecticides Ltd. E-17 DSIDC Indl. Complex Rohtak Road Nangloi Delhi 110041	Chlorpyrifos 20% EC	IS 08944 : 78	
103. 8084476	94-12-16	Rajasthan State Agro Indl. Corpn. Ltd. Indl. Area Jhotwara Jaipur 302012	Extra deep well hand pump	IS 13287 : 92	
104. 8084577	94-12-16	Modern Instruments (P) Ltd A-4/2, Site IV, Sahibabad Indl. Area Sahibabad, Ghaziabad	AC watt hour meters, single phase, whole current meter	IS 13010 : 90	
105. 8084678	94-12-16	G.B. Industries 105 Indl. Area Jhotwara Jaipur-302012	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 V	IS 00694 : 90	
106. 8084779	94-12-16	Narmada Industries 6/1 Indl. Estate Govindpura, Bhopal-462023	All aluminium alloy stranded conductor (Aluminium, Magne- sium silicon type)	IS 00398 : 79 Part:04	
107. 8084880	95-01-01	General Engineering Works Industrial Area Bharatpur-321001	Plain hard drawn steel wires for prestressed conductors cold drawn stressed relieved wire	IS 01785 : 83 Part : 01	
108. 8084981	94-12-01	Vikrant Industries 2-3/95 Pardhan Marg Nirankari Colony, Delhi-110009	Sphygmometer, aneroid type, adult arm size	IS 07y52 : 88	

1	2	3	4	5	6
109.	8085074	95-01-01	Prestige Vanaspati Industries 161-B, Sector I Pithampur Distt. Dhar.(M.P.)	Flexible packs for the packing of Vanaspati	IS 11352 : 85
110.	8085175	95-01-01	Raj Kesari Electrodes Pvt.Ltd. F-313 M.I.A. Madri Udaipur 313001	Code covered electrodes	IS 00814 : 91
111.	8085277	95-01-01	Crop Health Products Ltd. D031/1 Industrial Area Meerut Road Ghaziabad	Carbondazion 50% WP	IS 08446 : 91
112.	8085377	95-01-01	Shree Balaji Domestic Appliances B9/45, Extn. Vishnu Garden New Delhi 110018	Domestic LPG Stove	IS 04246 : 92
113.	8085478	95-01-01	Hi-glow Industries G-210 Sector10 Noida 201301	Double burner stainless steel taper front body with CI mixing tube and burner top having burner rating 2010 KEAL/H(BB), 1635 KEAL/H (SB)	IS 04246 : 92
114.	8085579	95-01-01	Aquaplast Industries (P) Ltd. 118, Prakash Industrial Estate U.P. Border, Sahibabad Ghaziabad Distt.	Rotational Moulded Polyethylene water storage cylindrical vertical tanks	IS 12701 : 89
115.	8085680 [95-01-01	Malhotra Electronics 215 Shivaji Market Near Holy Child School Tagore Garden Extn. New Delhi 110027	Mineral filled sheathed heating elements for water heating	IS 04159 : 83
116.	8085781	95-01-01	R.G. Enterprises A-54, Sham Nagar New Delhi 110018	Single phase AC motors	IS 00996 : 7
117.	8085882	95-01-01	Well Make (India) J-52/A, Beriwalla Bagh Hari Nagar Near Subhash Nagar New Delhi 110064	Single phase AC motor	IS 13010 : 90
118.	8085983	95-01-01	Advance Appliances E-18, Sector XI Noida 201301	Electric Instantaneous water heater	IS 08978 : 85
119.	8086076	95-01-01	Maxwell Power Industries 188A, Mamardin Nagar Nangloi New Delhi 110041	PVC insulated cable for working voltage upto and including 1100 V	IS 00694 : 90
120.	8086177	95-01-01	Jain Enterprises B-1443-44 Shastri Nagar Delhi 110052	Instantaneous type electric water heater	IS 08978 : 85
121.	8086278	95-01-01	Sofia Industries 3 K.M. Shamli Road Muzaffarnagar	Power threshers-Safety require- ments spike tooth cylindrical type	IS 09020 : 89
122.	8086379	95-01-01	Rana Steels Meerut Road Muzaffarnagar 251003	High strength deformed steel bars & wires for concrete reinforcement	IS 01786 : 85
123.	8086480	95-01-01	Modern Industries J-9 Udyog Nagar Rohtak Road New Delhi 110041	Portable Fire Extinguisher water type (Gas cartridge type)	IS 00940 : 89

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(महिला एवं बाल विकास विभाग)

पूत विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में

राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 20 जून, 1995

का. अ. 1939.—राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूत विन्यास अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए व्योरे के अनुसार रु० 14,00,000/— (चौदह लाख केवल मात्र) इंडियन प्रायल कॉर्पोरेशन लिमिटेड नई दिल्ली में एक वर्ष के लिए संचयी जमा योजना के अंतर्गत के लिए 12% की ब्याज दर से 7-6-95 को निवेश की गई :

राशि	पिछले निवेश की तारीख
1. 10,00,000	22-5-90
1	2
भुगतान की तारीख	भुगतान तिथि के बाद देय राशि
3	4
22-5-95	11,11,895
	बकाया राशि राष्ट्रीय बाल कोष के बचत खाते में से ली जायेगी (जमा कराई जायेगी)

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित सां.आ. 120(ई) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संचालन की योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त खाता भारतीय पूत विन्यास के खजांची के नाम होगा।

[संख्या 13-6/95 दी.प्रार.]

रतन चन्द, अवसर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(Department of Women & Child Development)

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890 (6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 20th June, 1995

S.O. 1939.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 14,00,000 (Rupees Fourteen lakh only) as per particulars given below be invested in Fixed Deposit Scheme for 1 (one) year in Indian Oil Corporation Limited,

New Delhi at the rate of interest of 12 per cent per annum w.e.f. 7-6-95.

Sl. No.	Amount (Rs.)	Date of investment	Date of maturity	Remarks
1.	10,00,000/- (Maturity Value Rs. 11,11,895/-)	22.05.90	22.05.95	Balance amount will be taken from Savings Bank Account.

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120 (E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-6/95-TR]
RATTAN CHAND, Under Secy.

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 19 जून, 1995

का.आ. 1940.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम 4 के अनुसरण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, संस्कृति विभाग के अधीन निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

- (1) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, उत्खनन शाखा, नागपुर
- (2) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल उपमंडल, भोपाल
- (3) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जबलपुर उपमंडल, जबलपुर
- (4) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, रीवा उपमंडल, रीवा
- (5) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, खजुराहो उपमंडल, खजुराहो
- (6) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, सागर उपमंडल, सागर
- (7) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, सांची उपमंडल, सांची
- (8) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, विदिशा उपमंडल, विदिशा
- (9) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, चन्देरी उपमंडल, चन्देरी
- (10) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, ग्वालियर उपमंडल, ग्वालियर
- (11) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, बुरहानपुर उपमंडल, बुरहानपुर
- (12) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, इन्दौर उपमंडल, इन्दौर
- (13) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मन्दसौर उपमंडल, मन्दसौर

[सं. 1-2/95-हिन्दी]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक (राजभाषा)

(Department of Culture)

New Delhi, the 19th June, 1995

S.O. 1940.—In pursuance of Sub-rule (4) of the Rule 10 of the Official Languages (use for official purpose of the Union) Rules, 1976 the Central Govt. hereby notifies the following offices under the Ministry of Human Resource Development Department of Culture more than 80 per cent staff of which has acquired working knowledge of Hindi :—

1. Archaeological Survey of India, Excavation Branch Nagpur
2. Archaeological Survey of India, Bhopal Sub-circle, Bhopal
3. Archaeological Survey of India Jabalpur Sub-circle, Jabalpur
4. Archaeological Survey of India, Rewa Sub-circle, Rewa
5. Archaeological Survey of India, Khajuraho Sub-circle, Khajuraho
6. Archaeological Survey of India, Sagar Sub-circle, Sagar
7. Archaeological Survey of India, Sanchi Sub-circle, Sanchi
8. Archaeological Survey of India, Videsha Sub-circle, Videsha
9. Archaeological Survey of India, Chanderi Sub-circle Chanderi
10. Archaeological Survey of India, Gwalior Sub-circle, Gwalior
11. Archaeological Survey of India, Burhanpur Sub-circle, Burhanpur
12. Archaeological Survey of India, Indore Sub-circle Indore
13. Archaeological Survey of India, Mandsaur Sub-circle Mandsaur.

[No. F. 1-2/95-Hindi]

RAJENDRA SINGH, Dy. Director (OL)

कोयला मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 14 जून, 1995

का.आ. 1941.—भारत के राजपत्र, तारीख 31 दिसम्बर, 1994 के भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ संख्या 5255 से 5257 पर प्रकाशित भारत सरकार कोयला मंत्रालय की अधिसूचना 3548 तारीख 13 दिसम्बर, 1994 में—

पृष्ठ क्रमांक 5256 पर, तालिका में, हैक्टर स्तंभ के नीचे,

क्रमांक संख्या 1, “688.242” के स्थान पर “608.242” पढ़ें।

वनभूमि स्तंभ के नीचे, तालिका में, हैक्टर स्तंभ के नीचे,

क्रमांक संख्या 3, “595.686” के स्थान पर “595.606” पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक 5257 पर,

ग्राम मलगा (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक में—

पंक्ति 1, “230 (भाग)” के स्थान पर “238 (भाग)” पढ़ें।

ग्राम टांकी (सम्पूर्ण) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक में, “1 से 451” के स्थान पर “1 से 451” पढ़ें।

सीमा वर्णन में, रेखा क-ख-ग-ग1-घ में, पंक्ति 2-“आमायांड” के स्थान पर “आमाडांड” पढ़ें।

[फा. सं. 43015/15/93-एन.एस.डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

MINISTRY OF COAL

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th June, 1995

S.O. 1941.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Coal, S.O. 3548 dated the 13th December, 1994 published at pages 5258 to 5259 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 31st December, 1994.

At page 5259,

Under the heading “plot numbers to be acquired in village Malga (part)”, in line 7, For “1716/664” read “1716/2473”.

[No. 43015/15/93-LSW]

N. BHAGAT, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 20 जून, 1995

का.आ. 1942.—भारत के राजपत्र तारीख 28 जनवरी, 1995 के भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 222 से 224 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 177, तारीख 4 जनवरी, 1995 में—

पृष्ठ क्रमांक 222 पर—

अनुसूची में

1. रेखांक संख्या सी-1(ई)/IV/554-0694 “के स्थान पर” रेखांक संख्या सी-1(ई)/III/जी.आर./554-0694” पढ़िए।

2. कुल क्षेत्र में—“1484.98(एकड़) के स्थान पर “1484.48 (एकड़) पढ़िए।

[फा. सं. 43015/17/94-एन.एस.डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 22 जून, 1995

का.आ. 1943.—भारत का राजपत्र भाग-II, खंड-3, उपखंड(ii) तारीख 1 अक्टूबर, 1994 में पृष्ठ 3747 से 3748 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 2528 तारीख 1 सितम्बर, 1994 में—

पृष्ठ 3747 पर

1. अनुसूची में तहसील स्तम्भ के नीचे क्रम संख्या 1 में “कांपटी” के स्थान पर “कामटी” पढ़िए।

2. और तहसील स्तम्भ के नीचे क्रम संख्या 2 में "सावोनेर" के स्थान पर "सावनेर" पढ़िए। क्रम संख्या स्तम्भ के नीचे "3" के स्थान पर "2" पढ़िए।

[फा. सं. 43015/16/94-एल.एस.डब्लू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd June, 1995

S.O. 1942.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2528 dated the 1st September, 1994, published at page 3747 to 3748 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated the 1st October, 1994,—

at page No. 3748:

In the Schedule, (i) in the column relating to name of village, in serial number 2, for "Bhanogaon" read "Bhanegaon". (ii) in the boundary description, in line C-D for "mets" read "meets".

[No. 43015/16/94-LSW]

N. BHAGAT, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 22 जून, 1995

का.आ. 1944.—भारत के राजपत्र, तारीख 25 फरवरी, 1995 के भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ संख्या 577 से 578 पर प्रकाशित भारत सरकार कोयला

मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 504 तारीख 7 फरवरी, 1995 में :—

पृष्ठ क्रमांक—577 अधिसूचना में,

पंक्ति 8, "कनस्टर गहडोल" के स्थान पर "कलेस्टर गहडोल" पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक—578 सीमा वर्णन में, रेखा घ-ड-च'-छ,

पंक्ति 1, पिष्वमी के स्थान पर "पिष्वमी पढ़ें।

[संख्या 43015/29/94-एलएस.डब्लू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd June 1995

S.O. 1944.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 504 dated the 7th February, 1995, published at pages 578 to 579 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii), dated 25th February, 1995,—

At page 578, in the Schedule, in the table, under Village Mouza column,—

(i) in serial No. 2, for "Nagarbhandh" read "Nagara-bandh".

(ii) in serial No. 3, for "Bella-chhot" read "Belia-chhot".

[No. 43015/29/94-LSW]

N. BHAGAT, Director

नई दिल्ली, 26 जून, 1995

का.आ. 1945.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाय अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किये जाने की संभावना है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले रेखांक स. बी.सी.सी.एल./ई.डी./1-95, तारीख 17-1-1995 का निरीक्षण उपायुक्त, बोकारो (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस, स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या निदेशक (तकनीकी), भारत कोकिंग कोल लि., कोयला भवन, कोयला नगर, धनबाद (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट सभी नक्शों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर भारसाधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (सम्पदा), भारत कोकिंग कोल लि., कोयला भवन, कोयला नगर, धनबाद (बिहार) को भेजेंगे।

अनुसूची

पर्वतपुर खंड (विस्तार)

(अरिया कोयलाक्षेत्र)

रेखांक सं. बी.सी.एल.ई.डी.-1-95, तारीख 17 जनवरी, 1995

क्रम सं.	ग्राम	थाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र हैक्टरों में	टिप्पणियाँ
1.	कुमरी	69	चाम	बोकारो	692.21	संपूर्ण
2.	डूमरडा	70	चाम	बोकारो	340.87	संपूर्ण
3.	बेलजा	71	चाम	बोकारो	324.87	संपूर्ण
4.	डबका	72	चाम	बोकारो	27.38	संपूर्ण
5.	संतोनीडीह/चक मोहनपुर	73	चाम	बोकारो	33.74	संपूर्ण
6.	बिजुलिया	74	चाम	बोकारो	513.83	संपूर्ण
7.	दुधरी	76	चाम	बोकारो	354.55	भाग
8.	अलुआरा	206	चाम	बोकारो	291.50	संपूर्ण
9.	मचतनर	207	चाम	बोकारो	85.05	भाग
कुल क्षेत्र : 2663.76 हैक्टर (लगभग)						

सीमा वर्णन :

- क-ख रेखा "क" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम पपुकी घटघेर के साथ ग्राम कुमरी की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है।
- ख-ग रेखा "ख" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम सिवालगाना, बभुनवरिका तथा गोपालपुर के साथ ग्राम कुमरी की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।
- ग-घ रेखा "ग" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम बेलपुर ग्राम कुमरी के साथ की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।
- घ-ङ रेखा "घ" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम बेलपुर के साथ ग्राम बेलजा की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "ङ" बिन्दु पर मिलती है।
- ङ-च रेखा "ङ" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम पजाडी तक उमरडी के साथ ग्राम बेलजा की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "च" बिन्दु पर मिलती है।
- च-छ रेखा "च" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम सिद्वरपेटी तथा बरि बिहार के साथ ग्राम बेलेंजा, डकबा और दुधरी की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "छ" बिन्दु पर मिलती है।
- छ-ज रेखा "छ" से आरम्भ होती है और ग्राम बटबिनोर तथा गोपीडीह के तिराहे बिन्दु के साथ ग्राम दुधरी की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "ज" बिन्दु पर मिलती है।
- ज-झ रेखा "ज" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम गोपीडीह टिहरी के तिराहे बिन्दु और बटबिनोर से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।
- झ-ञ रेखा "झ" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम दुधरी से होकर तथा ग्राम गोपीडीह और दुधरी की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और "ञ" बिन्दु पर मिलती है।
- ञ-ट रेखा "ञ" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम गोपीडीह तथा बटबिनोर के साथ ग्राम अलुआरा की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "ट" बिन्दु पर मिलती है।
- ट-ठ रेखा "ट" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम डिबरडा के साथ ग्राम अलुआरा की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "ठ" बिन्दु पर मिलती है।
- ठ-ड रेखा "ठ" बिन्दु से आरम्भ होती है और मचतनर ग्राम के साथ ग्राम अलुआरा की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "ड" बिन्दु पर मिलती है।
- ड-ढ रेखा "ड" बिन्दु से आरम्भ होती है और ग्राम मचतनर के साथ भवरडाहा की सम्मिलित सीमा से ग्राम मचतनर से होकर जाती है और "ढ" बिन्दु पर मिलती है।
- ढ-क रेखा "ढ" बिन्दु से आरम्भ होती है और दामोदर नदी के साथ-साथ ग्राम भवरडाहा, बागरा, बरकी, मिगरा, मोहुदा, टेटलिया भटडीह, बालाखडा नागडा, परजरिया, नाटरडीह और कुजी के साथ ग्राम मचतनर, अलुआरा, दुधरी, बिजुलिया, डुभारडा और कुमरी की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और "क" बिन्दु पर मिलती है।

[फा.सं. 43015/3/95-एल.एस डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निर्देशक

New Delhi, the 26th June, 1995

S.O.1945—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) hereinafter referred to as the said Act the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The Plan bearing No. BCCL/ED/1—95 dated 17-1-95 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Bokaro (Bihar) or in the office of

the Coal Controller 1. Council House Street Calcutta or in the office of the Director (Technical) Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhavan, Kolya Nagar, Dhanbad (Bihar).

All persons intrested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in Sub Section (7) of Section 13 of the said Act to the Office-in-Charge/Head of the Department (Estate Bharat Coking Coal Limited Koyala Bhavan, Koyla Nagar, Dhanbad (Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification in the official Gazette.

SCHEDULE
Parbatpur Block (Extension)
Jharia Coal Field

(Plan number BCCL : ED : 1—95, dated the 17th January, 1995)

Sl. No.	Village	Thana No.	Thana	District	Area in hectares	Remarks
1.	Kumri	69	Chas	Bokaro	692.21	Full
2.	Dumarda	70	Chas	Bokaro	340.63	Full
3.	Belanja	71	Chas	Bokaro	324.87	Full
4.	Dabka	72	Chas	Bokaro	27.38	Full
5.	Santal dih Chak Mohanpur	73	Chas	Bokaro	33.74	Full
6.	Bijulia	74	Chas	Bokaro	513.83	Full
7.	Tughari	76	Chas	Bokaro	354.55	Full
8.	Aluara	206	Chas	Bokaro	291.50	Full
9.	Machatanr	207	Chas	Bokaro	85.05	Part
TOTAL AREA				2663.76 hectares (approximately)		

BOUNDARY DESCRIPTION :—

- A—B— : Line starts from point 'A' and passes through the common boundary of village Kumri with village Pupunki ghatbera and meets at point 'B'.
- B—C : Line starts from point 'B' and passes through the common boundary of the village Kumri with the village Sialgajra, Bamundarika and Gopalpur and meets at point 'C'.
- C—D : Line starts from point 'C' and passes through the common boundary of village Kumri with village Belpur and meets at point 'D'.
- D—E : Line starts from point 'D' and passes through the common boundary of the village Belanja with the village Belpur and meets at point 'E'.
- E—F : Line starts from point 'E' and passes through the common boundary of the village Belanja with the villages Pajadi and Usardi and meets at point 'F'.
- E—G : Line starts from point 'F' and passes through the common boundary of the villages Belanja and Dabka and Tughari with the village Sindurpeti and Buribihar and meets at points 'G'.
- G—H : Line starts from point 'G' and passes through the common boundary of the village Tughari with the villages Batbinor and Trijunction point of Gopidih and meets at point 'H'.
- H—I : Line starts from point 'H' and passes through the Trijunction point of the village Gopidih Tughari and Batbinor and meets at point-I

- I—J : Line starts from point I and passes through the village Tughari and along the common boundary of the village Gopidih and Tughari and meets at point 'J'.
- J—K : Line starts from point 'J' and passes through the common boundary of the village Aluara with the villages Gopidih and Batbinor and meets at point 'K'.
- K—L : Line starts from point 'K' and passes through the common boundary of the village Aluara with the village Dibarda and meets at point 'L'.
- L—M : Line starts from the point 'L' and passes through the common boundary of the village Aluara with the village Machatanr and meets at point 'M'.
- M—N : Line starts from point 'M' and passes through the village Machatanr to the Common boundary of Bha-wardaha with Machatanr and meets at point 'N'.
- N—A : Line starts from point 'N' and passes through the common boundary of the villages Machatanr, Aluara, Tughari, Bijulia Dumarja and Kumri with the villages Bhawardaha, Bagra, Barki, Singra, Mohuda, Tentulia, Bhatdih, Balakhanda, Nagda Parjuria Natardih and Kunji along Damodar River and meets at point 'A'.

[No. 43015/3/95 LSW]

N. BHAGAT, Director

नई दिल्ली, 26 जून, 1995

का. आ. 1946.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस ई सी एल/बी एस पी/जी.एम.(पी.एल.जी) लैंड/145 तारीख 23 फरवरी, 1995 का निरीक्षण कलकत्ता सरगुजा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) सीपत रोड बिलामपुर-495001 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, भारसाधक अधिकारी विभागाध्यक्ष (राजस्व) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सीपत रोड, बिलामपुर-495001 (मध्य प्रदेश) को भेजेंगे।

अनुसूची

[बिलरामपुर और कुम्दा नई परियोजना]

विश्रामपुर क्षेत्र

जिला सरगुजा (मध्य प्रदेश)

(रेखांक सं. एस ई सी एल/बी एस पी/जी.एम. (पी.एल.जी) /लैंड/145 3

तारीख 23 फरवरी, 1995

पूर्वोक्षण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शाते हुए)

क्रम सं. ग्राम का नाम	ग्राम सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1 दतिया	14	सूरजपुर	सरगुजा	14.740	भाग
2 लक्ष्मणपुर	23	सूरजपुर	सरगुजा	30.574	भाग
3. कुम्दा	22	सूरजपुर	सरगुजा	29.392	भाग
4. कमलापुर	32	सूरजपुर	सरगुजा	218.424	भाग
5. कसकेला	33	सूरजपुर	सरगुजा	140.598	भाग
6. अरक्षित वन	—	—	—	127.297	भाग

कुल 561.025 हैक्टर (लगभग)

या

1386.29 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

- क—ख रेखा बिन्दु (क) से आरंभ होती है और ग्राम कुम्दा, लक्ष्मणपुर, वतिया से होकर जाती है तथा बिन्दु "ख" पर मिलती है ;
- ख—ग रेखा आरक्षित वन और ग्राम कसकेला से होकर जाती है तथा बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग—घ रेखा ग्राम कसकेला, आरक्षित वन से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ—ङ—ग रेखा भागत: आरक्षित वन की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरक्षित वन से होकर जाती है फिर ग्राम कसकेला से होकर जाती है तथा बिन्दु "क" पर मिलती है।
- च—क रेखा ग्राम कसकेला, कमलापुर, कुम्दा से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा.सं. 43015/7/95-एल एस डब्ल्यू]

एन. भगत, निदेशक

New Delhi, the 26th, June 1995

S.O. 1946.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein :

The plan bearing No. SECL/BSP/GM (PLG) /Land/145 dated the 23rd February, 1995 of the area

covered by this notification can be inspected in the office of the Collector, Surguja (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta-700001 or in the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh).

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/ Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh) within ninety days from the date of publication of this notification in the official Gazettee.

SCHEDULE

BALRAMPUR AND KUMDA NEW PROJECT
BISRAMPUR AREADISTRICT SURGUJA (MADHYA PRADESH)
[Plan No. SECL/BSP/GM (PLG)/Land/145]

Dated 23rd February, 1995

(Showing land notified for prospecting)

Sl. No.	Name of Village	Village number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	Datima	14	Surajpur	Surguja	14.740	Part
2.	Laxmanpur	23	Surajpur	Surguja	30.574	Part
3.	Kumda	22	Surajpur	Surguja	29.392	Part
4.	Kamlapur	32	Surajpur	Surguja	218.424	Part
5.	Kaskela	33	Surajpur	Surguja	140.598	Part
6.	Reserved Forest	—	—	—	127.297	Part

Total :— 561.025 hectares (approximately)
1386.29 acres (approximately)

Boundary Description

- A—B : Line starts from point 'A' in village Kumda and passes through villages Kumda, Laxmanpur, Datima and meets at point 'B'
- B—C : Line passes through Reserved Forest and village Kaskela and meets at point 'C'
- C—D : Line passes through village Kaskela, Reserved Forest and meets at point 'D'
- D—E—F— Line passes partly along the Southern boundary of Reserved Forest and through Reserved Forest then through village Kaskela and meets at point 'F'.
- F—A : Line passes through village Kaskela, Kamlapur, Kumda and meets at the starting points 'A'.

[No. 43015/7/95-LSW]

N. BHAGAT, DIRECTOR

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का. आ. 1947—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 को उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय को अधिसूचना संख्यांक का. आ. 2224, तारीख 29 सितम्बर, 1993 के भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 23 अक्टूबर, 1993 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित ऐसी भूमि और ऐसी भूमि में या उन पर के (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) सभी अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 10 को उपधारा (1) के अधीन, सभी विलगनों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे ;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि सेंट्रल कोलफील्ड्स लि०, रांची (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त सरकारी कंपनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए राजामंद है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित भूमि और अधिकार, तारीख 23 अक्टूबर, 1993 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाए, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात् :—

- (1) उक्त कंपनी, उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवशास्ति प्रतिकर, व्याज, नुकसानी और वैसे ही सबों को बाबत किए गए सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी ;

- (2) उक्त कंपनी द्वारा शर्त ऊपर (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त कंपनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों, जैसे अपील, आदि को बाबत उपगत सभी व्यय भी, उक्त कंपनी वहन करेगी ;
- (3) उक्त कंपनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधारियों को, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उन पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी ;
- (4) उक्त कंपनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि किसी अन्य व्यक्ति को अतिरिक्त करने की शक्ति नहीं होगी ;
- (5) उक्त कंपनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी ।

[फा. सं. 43015/9/91 एल. एस. डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1947.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 2224 dated the 29th Septem-

ber, 1993 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 23rd October, 1993, issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and all rights in or over such lands described in the schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the Central Coalfields Limited, Ranchi (hereinafter referred to as the said Government Company), is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the lands and rights so vested shall, with effect from the 23rd October, 1993, instead of continuing to so vest in the Central Government, shall vest in the said Government Company, subject to the following terms and conditions namely:—

- (1) the said company shall re-imburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the said company under condition (1) above and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the said company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals etc., for or in connection with the rights in or over the said lands so vesting shall also be borne by the said company;
- (3) the said company shall indemnify the Central Government and its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said lands so vested;
- (4) the said company shall have no power to transfer the said lands to any other person without the previous approval of the Central Government;

- (5) the said company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands as and when necessary.

[No. 43015/9/91-LSW]
N. BHAGAT, Director

रसायन और उर्वरक मंत्रालय
(रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग)

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1995

का. आ. 1948.—विकास परिषद (कार्यविधिक) नियमावली, 1952 के नियम 2, 3, 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित व्यक्तियों को रसायन उद्योग के लिए विकास परिषद में इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दो वर्षों के लिए नियुक्त करती है, अर्थात् :—

1. सचिव, भारत सरकार, रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग —अध्यक्ष सदस्य
2. सचिव, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति ।
3. सचिव, भारत सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति ।
4. सचिव, भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति ।
5. सचिव, भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति ।
6. सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक विकास विभाग अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति ।
7. सचिव, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति ।
8. उपमहानिदेशक (श्री एम. एम. ओवर), रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग, भारत सरकार ।
9. निदेशक, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कैमिकल टेक्नालाजी हैदराबाद ।
10. निदेशक, नेशनल कैमिकल लैबोरेटरी ।
11. संयुक्त सचिव, भारत सरकार, रसायन एवं पेट्रो-रसायन विभाग, पेट्रो-कैमिकल प्रभाग का प्रभारी ।
12. संयुक्त सचिव, भारत सरकार, रसायन एवं पेट्रो-रसायन विभाग, बेणज प्रभाग का प्रभारी ।
13. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड ।

14. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, हिन्दुस्तान इन्फेस्टिमाइड्स लिमिटेड।
15. प्रेसीडेंट, इंडियन केमिकल मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन।
16. चेयरमैन, एसोसिएशन आफ बेसिक मैनुफैक्चर्स आफ पेस्टिमाइड्स।
17. प्रेसीडेंट, अल्कली मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (कास्टिक सोडा क्लोरीन)।
18. प्रेसीडेंट, डाइस्टफ मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन।
19. प्रेसीडेंट, आल इंडिया डिस्टलर्स एसोसिएशन।
20. प्रेसीडेंट आल इंडिया अल्कोहल बेस्ड इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट एसोसिएशन।
21. डा. एम. पी. धुआ, चेयरमैन, इंस्टिट्यूट आफ पेस्टिसाइड्स फार्मुलेशन टेक्नालाजी।
22. चेयरमैन, बेसिक कैमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स एंड कास्मेटिक्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल।

सदस्य सचिव

23. संयुक्त सचिव, भारत सरकार, रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग, रसायन प्रभाग का प्रभारी।

[सं. 51018/1/95 - रसायन - 2]

बी. बी. कौरा, अवर सचिव

MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS
(Department of Chemicals & Petrochemicals)

New Delhi, the 4th July, 1995

S.O. 1948.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulations) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules, 2, 3, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints the following persons to the Development Council for Chemical Industries for two years from the date of publication of this Notification in the official gazette, namely :—

1. Secretary to the Government of India, Department of Chemicals and Petrochemicals Chairman.
- Members**
2. Secretary to the Government of India, Ministry of Agriculture, or his nominee.
 3. Secretary to the Government of India, Department of Bio-Technology, or his nominee.
 4. Secretary to the Government of India, Ministry of Commerce, or his nominee.
 5. Secretary to the Government of India, Ministry of Environment and Forests, or his nominee.
 6. Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, or his nominee.
 7. Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, or his nominee.
 8. Deputy Director General (Shri M. S. Grover), Deptt. of Chemicals and Petrochemicals.
 9. Director, Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad.
 10. Director, National Chemical Laboratory.
 11. Joint Secretary to the Government of India, Department of Chemicals & Petrochemicals, Incharge of Petrochemical Division.

12. Joint Secretary to the Government of India, Department of Chemicals & Petrochemicals, Incharge of Pharmaceutical Division.
13. Chairman-cum-Managing Director, Hindustan Organic Chemicals Limited.
14. Chairman-cum-Managing Director, Hindustan Insecticides Limited.
15. President, Indian Chemicals Manufacturers Association.
16. Chairman, Association of Basic Manufacturers of Pesticides.
17. President, Alkali Manufacturers Association (Caustic Soda/Chlorine).
18. President, Dyestuff Manufacturers Association.
19. President, All India Distillers Association.
20. President, All India Alcohol Based Industries Development Association.
21. Dr. S. P. Dhua, Chairman, Institute of Pesticides Formulation Technology.
22. Chairman, Basic Chemicals, Pharmaceuticals and Cosmetics Export Promotion Council.

Member Secretary

23. Joint Secretary to the Government of India, Department of Chemicals & Petrochemicals, In-charge of Chemicals Division.

[No. 51018/1/95-Ch. II]
B. B. KAURA, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

का. अ. 1949.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई और भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2427 तारीख 28-10-93 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि के उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 23 नवम्बर 1993 को उपलब्ध करा दी गई थीं ; और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है,

और केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आगे यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त, इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील—नसीराबाद जिला : अजमेर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल		
		हैक्टेयर	आरे	सैटी-आरे
1	2	3	4	5
रामसर	7869	0	03	41
	7871	0	00	22
	7870	0	00	66
	7867	0	06	38
	7856	0	00	11
	7866	0	10	78
	7859	0	06	38
	7864	0	00	22
	7861	0	03	30
	7862	0	01	32
	1853	0	15	95
	1851	0	17	93
	1847	0	03	96
	813	0	02	75
सूरजपुरा	813	0	02	75

[संख्या आर-31015/40/93-ओ. आर-I]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 6th July, 1995

S.O. 1949 :—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2427, dated 28th October, 1993, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe line (Acquisition of Right of User in Lands) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of Petroleum.

And whereas the copies of the as said Gaztte notification were made available to the public on 23rd November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance to sub section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;

SCHEDULE

Tehsil : Nasirabad Disrrict : Ajmer State : Rajasthan				
Name of Village	Khasra No.	AREA		
		Hect are	Are	Cent-arc
1	2	3	4	5
Ramsar	7869	0	03	41
	7871	0	00	22
	7870	0	00	66
	7867	0	06	38
	7856	0	00	11
	7866	0	10	78
	7859	0	06	38
	7864	0	00	22
	7861	0	03	30
	7862	0	01	32
	1853	0	15	95
	1851	0	17	93
Surajpura	1847	0	03	96
	813	0	02	75

[No. R-31015/40/93-CR-1]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

का. आ. 1950 :—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की (जिस अधिनियम के पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1136 तारीख 29 अप्रैल, 1994 द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग-2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 14 मई, 1994 के पृष्ठ संख्या 1536 से 1538 पर प्रकाशित हुई थी, पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना में संलग्न

अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी।

और केन्द्रीय सरकार के ध्यान में यह लाया गया है कि राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन में मृदुल प्रकृति की कतिपय गलतियाँ हुई हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम से संलग्न अनुसूची का निम्न प्रकार से संशोधन करती है :—

पृष्ठ सं. 1536 गांव तेनीवाड़ा के सर्वे संख्या 172/4 और 172/3 के सामने स्तम्भ 5 में "62" के स्थान पर "67" पढ़ें।

पृष्ठ सं. 1537 गांव मजादर के सर्वे संख्या 141/3 के सामने स्तम्भ 5 में "035" के स्थान पर "05" पढ़ें।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी स्वत्वगुणों से मुक्त होकर इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

[सं. आर-31015/43/93-आ. आर.-I]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1995

S.O. 1950 :—Whereas by the notifications of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1135 and 1136 dated the 29th April, 1994, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub section (ii), dated the 14th May, 1994, at pages 1535 to 1540, issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of petroleum;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Official Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby amended the Schedule appended to the said notification as follows :—

S.O. No. 1135
at page 1535, in village Sidhpur, against survey No. 143/13, in column 5 for "54" read "45";

S.O. No. 1136
at page 1539, for "Jenivada (contd.)" read "Tenivada (contd.)";

1588/GI 95-9

Further in exercise of the powers conferred by sub section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, Vest free from all encumbrances in the Indian Oil Corporation Limited.

[No. R-31015/43-3-OR-I]

K.C. KAPOOR, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

का. आ. 1951 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि गुजरात राज्य में विरमगाम से हरियाणा में पानीपत तक राजस्थान में होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के संबंध में आक्षेप लिखित रूप में सक्षम प्राधिकारी श्री केदार मल गुप्ता, इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बी-21ए, शिवमार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016 को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : किशनगढ़ जिला : अजमेर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम खमरा नम्बर क्षेत्रफल

		हैक्टेयर	आरे	मैट्री- आरे
1	2	3	4	5
कुसुं	76	0	15	51
	74	0	02	86
	77	0	05	28
	120	0	00	66
	131	0	07	26

1	2	3	4	5
गोडियाना	97	0	06	75
	99/2	0	00	48
आंकोड़िया	1685	0	01	80
	1688	0	01	20
	1689/1	0	01	80

तहसील : आबू रोड जिला : सिरोंही राज्य : राजस्थान

1	2	3	4	5
किवरली	559	0	00	96
	560	0	00	48
	564	0	03	52
	634	0	01	84

[संख्या आर-31015/44/93-ओ आर-I] (पार्ट-I)]
के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1995

S.O. 1951:—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Viramgam in the state of Gujarat to Panipat in the state of Haryana, via Rajasthan Pipeline should be laid by the India Oil Corporation Limited;

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Kedar Mal Gupta, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, B-21A, Shiv Marg, Bani Park, Jaipur-302016 ; —

SCHEDULE

Tehsil : Kishangarh	District : Ajmer	State : Rajasthan		
Name of Village	Khasra No.	AREA		
		Hect- are	Are	Centi- are
1	2	3	4	5
Dhasook	76	0	15	51
	74	0	02	86
	77	0	05	28
	120	0	00	66
	131	0	07	26

	2	3	4	5
Gothiana	97	0	06	75
	99/2	0	00	48
Ankodia II	1685	0	01	80
	1688	0	01	20
	1689/1	0	01	80
Tehsil : Abu Road	District : Sirohi	State : Rajasthan		
1	2	3	4	5
Kiverli	559	0	00	96
	560	0	00	48
	564	0	03	52
	634	0	01	84

[R-31015/44/93-OR-I Part-I]

K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

का. आ. 1952.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बिरमगम से हरियाणा राज्य में पानीपत तक राजस्थान में होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां माधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में आक्षेप लिखित रूप में श्री श्रीराम वर्मा, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, डी-45/बी सुभाष मार्ग, 'सो' स्क्रीम, जयपुर-302 001 को कर सकेगा ।

अनुसूची

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

तहसील : जमवा रामगढ़ जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल		
		हैक्टेयर	आरे	सेंटी-आरे
1	2	3	4	5
1. नटाटा	182	0	05	10

[सं. आर-31015/44/93-प्रो. आर.-I (पार्ट-I)]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1995

S.O. 1952 :—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Viramgam in the State of Gujarat to Panipat in the State of Haryana, via Rajasthan, pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited; And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire, the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Sri Ram Verma, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001;—

SCHEDULE

Tehsil: Jamwa Ramgarh District : Jaipur State : Rajasthan

Name of Village	Khasra No.	AREA		
		Hact-arc	Are	Centi-arc
1	2	3	4	5
Natata	182	0	05	10

[No.R.—31015/44/93-O.R.I. (PART-I)]

K.C. KATOCH Under Secy

का. आ. 1953.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में विरम-गाम से हरियाणा राज्य में पानीपत तक राजस्थान से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना से उपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में आक्षेप लिखित रूप में श्री श्रीराम वर्मा, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, डी-45/बी सुभाष मार्ग, 'सी' स्कीम, जयपुर-302001 को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : ग्रामेर जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल		
		हैक्टेयर	आरे	सेंटी-आरे
1	2	3	4	5
1. ग्रामेर	4794	0	00	20
2. खोरामीना	432	0	10	00
	433	0	07	15

[सं. आर-31015/44/93-प्रो आर-I (पार्ट-I)]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1995

S. O. 1953.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Viramgam in the State of Gujarat to Panipat in the State of Haryana, via Rajasthan, pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the petroleum and Minerals pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Sri Ram Verma, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001;

SCHEDULE

Tehsil : Amer District : Jaipur State : Rajasthan

Name of Village	Khasra No.	Area		
		Hac-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
1. Amer	4794	0	00	20
2. Khoramecna	432	0	10	00
	433	0	07	15

[No. R-31015/44/93-OR-I (Pt-I)]
K.C. KATOCH, Under Secy.

मई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

का.आ 1954 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि गुजरात राज्य में विरमगम से हरियाणा राज्य में पानीपत तक राजस्थान से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दिये जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में आक्षेप लिखित रूप में श्री श्रीराम वर्मा, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी-45/बी सुभाष मार्ग, 'सी' स्कीम, जयपुर-302 001 को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर		राज्य : राजस्थान	
गांव का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आरे	सेटीआर	
1	2	3	4	5	
1. कांठ	33	0	02	60	
2. मनोहरपुर	3279/8220	0	15	53	
3. जाजेखुर्द उर्फ	1026	0	00	80	
विशालपुरा	1027	0	01	20	
	1031	0	00	90	
	1032	0	00	32	

(सं. आर-31015/44/93-ओ.आर.-I (पार्ट-1)]

के.सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1995

S. O. 1954.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Viramgam in the State of Gujarat to Panipat in the State of Haryana, via Rajasthan, pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the petroleum and Minerals pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Sri Ram Verma, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001;

SCHEDULE

Tehsil : SHAHPURA District : JAIPUR State : Rajasthan

Name of Village	Khasra No.	Area		
		Hac-tare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5
1. Kaant	33	0	02	60
2. Manoharpur	3279/8220	0	15	53
3. Jaje Khurd	1026	0	00	80
Urf Vishanpura	1027	0	01	20
	1031	0	00	90
	1032	0	00	32

[No. R-31015/44/93-OR-I (Pt-I)]
K.C. KATOCH, Under Secy

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

का.आ. 1955 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि गुजरात राज्य में विरम-गाम से हरियाणा राज्य में पानीपत तक राजस्थान से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उपाय अनुसूची में

वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दिये जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में आक्षेप लिखित रूप में सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी-45/बी सुभाष मार्ग, 'सी' स्कीम, जयपुर-302 001 को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : कोटपुतली		जिला : जयपुर		राज्य : राजस्थान	
गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल			सेंटीमीटर
		हैक्टेयर	आरे	सेंटीमीटर	
1	2	3	4	5	
1. कल्याणपुरा-	490	0	00	50	
खुर्द	429	0	00	08	
1. सांगदेडा	1149	0	01	00	

[सं. आर-31015/44/93-ओ आर-1 (पार्ट-I)]
के.सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1995

S. O. 1955.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Viramgam in the state of Gujarat to Panipat in the State of Haryana, via Rajasthan, pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein or laying of the pipeline under the land to Shri Sri Ram Verma, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001;

SCHEDULE

Tehsil : Kotputli District : Jaipur State : Rajasthan

Name of Village	Khasra No.	A R E A		
		Hactare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Kalyanpura Khurd	490	0	00	50
	429	0	00	08
Sangteda	1149	0	01	00

[No. R-31015/44/93-ORI (Pt-I)]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1995

का.आ. 1956:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि गुजरात राज्य में विरमगाम से हरियाणा राज्य में पानीपत तक राजस्थान में होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, भारत के राजपत्र में तथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां माधारण जनता को उपलब्ध करा दिये जान की तारीख से 21 दिन के भीतर, अपने उपयोग के अधिकार

के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में आक्षेप लिखित रूप में श्री श्रीराम वर्मा, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी-45/बी सुभाष मार्ग, 'सी' स्कीम, जयपुर-302 001 को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : बहरोड	जिला : अलवर	राज्य : राजस्थान		
गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	आरे	सेंटीआरे
1	2	3	4	5
1. तलवाड़,	1427	0	01	00
सरबिलन्दपुर,	1428	0	01	40
मोमनपुर	1434	0	00	40
	1435	0	01	50
2. कांकर	1098	0	00	74
	1099	0	00	14
3. नगलखंड	77	0	12	96
4. वाटखानी	40	0	00	12
	204	0	01	50
	205	0	03	00

[मं. आर-31015/44/93-ओ.आर.-1 (पार्ट-1)]

के.सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1995

S. O. 1956—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Viramgam in the state of Gujarat to Panipat in the state of Haryana, via Rajasthan, pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right

of user therein or laying of the pipeling under the land to Shri Sri Ram Verma, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001.

SCHEDULE

Tehsil : Behror District : Alwar State : Rajasthan				
Name of Village	Khasra No.	Area		
		Hact- are	Are	Centi- are
1	2	3	4	5
1. Talwad	1427	0	01	00
Sarbilandpur				
Momanpur	1428	0	01	40
	1434	0	00	40
	1435	0	01	50
2. Kankar	1098	0	00	74
	1099	0	00	14
3. Nagla Rundh	77	0	12	96
4. Batkhani	40	0	00	12
	204	0	01	50
	205	0	03	00

[No. R-31015/44/93-ORI(PT-I)]

K.C. KATOCH, Under Secy.

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय

(शहरी विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

का. आ. 1957.—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा-3 की उपधारा (3) के खंड (छ) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा श्री आर. वी. पिल्लै तथा श्री ए. पी. सिन्हा के स्थान पर शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री एम. एस. श्रीनिवासन तथा निदेशक, श्री आर. के. सिंह को दिल्ली विकास प्राधिकरण का सदस्य और वैकल्पिक सदस्य (पूर्व के बदले) नामित करती है तथा भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 30-12-1957 की अधिसूचना सं. 12-173/57-एल. एम. जी. में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

मद संख्या-9 में "श्री आर. वी. पिल्लै, अपर सचिव तथा त्रिकल्पित: श्री ए. पी. सिन्हा, संयुक्त सचिव नामक प्रविष्टि के लिए, "श्री एम. एस. श्री निवासन, संयुक्त सचिव तथा श्री एम. एस. श्री निवासन की एवजी में निदेशक, श्री आर. के. सिंह" प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी।

[सं० के-11011/22/78-डीडी-1ए (खंड-II)]

आर. विश्वनाथन, अवर सचिव

MINISTRY OF URBAN AFFAIRS & EMPLOYMENT

(Department of Urban Development)

New Delhi, the 30th June, 1995

S.O. 1957.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (g) of sub-section (3) of Section 3 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Central Govt. hereby nominates Shri M. S. Srinivasan, Joint Secretary in the Ministry of Urban Affairs & Employment and Shri R. K. Singh, Director, Ministry of Urban Affairs & Employment as a Member and alternate member (in place of the former) respectively, of the Delhi Development Authority vice Shri R. V. Pillai and Shri A. P. Sinha, and makes the following amendment in the notification of the Govt. of India, Ministry of Health No. 12-173/57-LSG dated 30-12-1957, namely :—

In Item No. 9 for the entry "Shri R. V. Pillai, Addl. Secretary with Shri A. P. Sinha, Joint Secretary as alternate to Shri Pillai", the following entry shall be substituted, namely "Shri M. S. Srinivasan, Joint Secretary with Shri R. K. Singh, Director as alternative to Shri M. S. Srinivasan."

[No. K-11011/22/78-DDIA. (Vol. II)]

R. VISHWANATHAN, Under Secy

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का. आ. 1958.—कांडला गोदी कामगार (रोजगार का विनियमन) स्कीम, 1969 के खंड 5 के उप-खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. सा.आ. 1298 दिनांक 26 मई, 1969 का अधिसूचना करते हुए केन्द्र सरकार, कांडला गोदी कामगार मंडल के उपाध्यक्ष को कांडला गोदी कामगार (रोजगार का विनियमन) स्कीम, 1969 के रोजगार के प्रशासन के निष्पादन के प्रयोजन से एक प्रशासनिक निकाय के रूप में नियुक्त करती है।

2. यह उपाध्यक्ष निम्नलिखित पाबंदियों और संशोधनों के अधधीन प्रशासनिक निकाय का काम-काज देखेंगे, अर्थात्—

(क) कि उन्हें खंड 12(ड) (1) के तहत नियोजकों के एक एजेंट के रूप में नहीं समझा जाएगा, और

(ख) कि खंड 49 के प्रयोजनार्थ उनके द्वारा प्रशासनिक निकाय के रूप में खंड 45 अथवा 46 के तहत दिए गए आदेशों के विरुद्ध अपील अध्यक्ष के पास की जाएगी।

[सं. एलवी-13022/1/94-एल(एन)]

एम. के. दरगन, अवर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1958.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause 5 of the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969 and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1298, dated the 26th March, 1969, the Central Government hereby appoints the Deputy Chairman of the Kandla Dock Labour Board as the Administrative Body for the purpose of carrying

on the day-to-day administration of the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969.

2. The Deputy Chairman shall discharge the functions of the Administrative Body subject to the following restrictions and modifications, namely :

- that he shall not be deemed to act as an agent for the employers under clause 12(c)(i); and
- that for the purpose of clause 49, appeal from the orders passed by him under clause 45 or clause 46 as the Administrative Body, shall lie to the Chairman.

[F. No. LB-13022/1/94-US(L)]

S. K. DARGAN, Under Secy.

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 29 जून, 1995

का.आ. 1959:—राष्ट्रीय नौवहन मंडल नियमावली, 1960 के नियम 3 के साथ पठित वाणिज्यिक पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (नौवहन पक्ष) की अधिसूचना सं. सा.आ. 65(अ), दिनांक 30-1-1995 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

- (1) उक्त अधिसूचना में, क्रम सं. 5 में दी गई वर्तमान प्रविष्टि को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

5. श्री एस.एन. कक्कर, अपर सचिव एवं विल सलाहकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय :

[फा.सं. एस एम-18011/2/94-एमएल]

मुंशी राम, अवर सचिव

(Shipping Wing)

New Delhi, the 29th June, 1995

S.O.1959.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) read with Rule 3 of the National Shipping Board Rules, 1960, the Government hereby makes the following amendments in the notification of Government of India, Ministry of Surface Transport (Shipping Wing) S.O.No. 65(E) dated 30-1-1995 namely :—

- In the said notification, the existing entry at S.No. 5 shall be substituted, namely :—

5. Shri S.N. Kakar, Additional Secretary & Financial Adviser, Ministry of Surface Transport.

[F.No. SS.18011/2/94-SL]

MUNSHI RAM, Under Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

का.आ. 1960:—राजभाषा नियम, 1976 (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) के नियम 10 के उप-नियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड पूर्व रेल के निम्नलिखित कार्यालयों को, जहाँ कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है :—

पूर्व रेल	(मालदा मंडल)
1	2
1. रेल स्टेशन,	कजरा
2. रेल स्टेशन,	अभयपुर
3. रेल स्टेशन,	मुल्तानगंज
4. रेल स्टेशन,	साहिबगंज जंक्शन
5. रेल स्टेशन,	जमालपुर जंक्शन
6. रेल स्टेशन,	भागलपुर
7. रेल स्टेशन,	बरियारपुर

[सं. हिंदी-95/रा.भा. 1/12/1]

एस. ए. ए. जैदी, सचिव, (रेलवे बोर्ड)

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 30th June, 1995

S.O. 1960.—In pursuance of sub-Rules (2) and (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the following Offices of Eastern Railway, where the staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

Eastern Railway (Malda Division):

1. Railway Station. Kajra.
2. Railway Station. Abhaipur.
3. Railway Station. Sultanganj.
4. Railway Station, Sahibganj Jn.
5. Railway Station, Jamalpur Jn.
6. Railway Station, Bhagalpur.
7. Railway Station, Bariarpur.

[No. Hindi-95/OL-I/12/1]

S. A. A. ZAIDI, Secy. (Railway Board)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जून, 1995

का. आ. 1961:—आयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. पी. इन्ड्यू. डी. के प्रबंधन के संबंध

नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/67/94-आई आर (डीयू)]
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 19th June, 1995

S.O. 1961.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-6-95.

[No. L-42012/67/94-IR (DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI M. S. SULLAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. ID 19/95

Baljit Singh Vs. C.P.W.D.

For the workman.—Workman in person.

For the management—Shri Arun Walia.

AWARD

Dated 1-6-95

The brief facts relevant for the disposal of the present reference are that the petitioner was appointed as beldar by the respdt. management. His services were retrenched. He has challenged his retrenchment on the ground of violation of the provisions of the Industrial Disputes Act 1947 (hereinafter to be referred as the Act).

In the wake of industrial dispute raised by the petitioner U/S 10 of the Act, the Central Govt. being appropriate Govt. vide letter No. L-42012/67/94-IR (DU) dated 22nd February 1995 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether Shri Baljit Singh Ex-Beldar is entitled for re-employment in CPWD, region I Under the I.D. Act. If not, to what relief he is entitled for and from what date?”

Today both the parties appeared. The petitioner has moved an application for closing the reference on the ground that he has been re-employed by the respdt. management as I.D.C vide appointment letter dated 21-4-95 and no dispute remains to be resolved. The petitioner has made the following statement :—

“I have been appointed as LDC by the respondent management vide appointment letter No 9(9) Co-ord. (civil) 95/1331 dated 21-4-95. No dispute remains to be resolved. I do not press the present reference. The same may be declined.”

In this view of the matter, since the petitioner has already re-employed by the respdt. management and no dispute remains to be resolved. Consequently, reference petition become infructuous. which is hereby answered accordingly, as such. Appropriate Govt. be informed.

M. S. SULLAR, Presiding Officer

Chandigarh.
1-6-95.

1588 GI95—10.

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का. आ. 1962:—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि जिन खनन उद्योग में सेवाओं को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 15 के अंतर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः महीने की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/9/85-डी-1(ए) (i)]

एस. वेणुगोपालन, अवसर सचिव

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1962.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Zinc Mining Industry, which is covered by item 15 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industrial to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/9/85-D.I.(A)(i)]
S. VENUGOPALAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

का. आ. 1963:—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि शीशा खनन उद्योग में सेवाओं को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 14 के अंतर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/9/85-डी-1 (ए) (ii)]

एस. वेणुगोपालन, अवसर सचिव

New Delhi, the 27th June, 1995

S.O. 1963.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Lead Mining Industry, which is covered by item 14 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/9/85-D-1(A)(ii)]

S. VENUGOPALAN, Under Secy

नई दिल्ली, 20 जून, 1995

का.आ. 1964 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण 2, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/1/92/-आई.आर. (बी. 2)]

वी.के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1995

S.O. 1964.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal 2, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-1995.

[No. L-12011/1/92-IR (B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. Pansc, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/41 OF 1992

Employers in relation to the Management of Bank of Maharashtra

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—Shri R. M. Samudra and Shri R. G. Londhe Representatives

For the Workmen—Shri Vinayak Karmarkar—Representative.

Bombay, dated 1st of June, 1995

AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its letter No. L-12011/1/92-IR.B-2 dated 24-6-1992 had referred to the following industrial dispute for adjudication.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in relation to its Pune Zone in insist

ing on recording of overtime working on green card in addition to statutory employment register in form ‘J’ prescribed under Bombay Shops and Estt. Act, 1948 and in deviation from Central Officer instruction vide their letter No. AXI/ST/57/59 dt. 15-6-1979 is justified? If not, what is the relief to which the workmen are entitled to?”

2. The General Secretary, Bank of Maharashtra Karmachari Sangh, Pune has filed a statement of claim. It is contended that clause 14.19 of Bi-partite Settlement deals with hours of work and overtime. It specifically provides the provisions of that chapter shall be subject to the provisions made by or under any enactment applicable to the establishment concern. The Bombay Shops and Establishments’ Act of 1948 and the rules made thereunder unless specifically exempted are applicable to the Establishments. It applies to Bank of Maharashtra in the Maharashtra State.

3. The rules under the head maintenance and registers and records and display of notices provides for maintenance of register ‘J’. Such register is maintained for recording the overtime of the staff. Such registers are circulated among the branches for maintenance and direction was given to maintain the same by circular dated 15-6-1979.

4. The Branch Manager Hable of Tilak Road branch contrary to the earlier circulars issued order dt. 30-8-89 and 27-11-1989 directing the workers to maintain the overtime in ‘J’ register and also in the green cards which is violative of the circulars. It is submitted that it was further ordered that if the green cards are not filled up then the concern workers would not be entitled to the overtime. GM. Faizpurkar, one of the worker of the said branch did not fill up the green card. It is, therefore, he and other workers were not paid the overtime. This action of the management is illegal. The Union prayed that it may be declared that the direction of the manager to maintain green cards in addition to ‘J’ register is illegal. It is, further prayed that the concern workmen be awarded overtime with other reliefs.

5. The management resisted the claim by the written statement Ex. ‘3’. It is ascertained that the reference cannot assume character of industrial dispute as defined under section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947. It is submitted that the direction which is given by the manager cannot be said to be violative of the earlier circular issued by regional office. It is aver that since many years there is a practice of maintaining overtime in green card which can be said to be a policy of the Bank. It is aver that under such circumstances the reference has to be answered in favour of the management with other reliefs.

6. My Learned Predecessor framed issues at Ex. ‘4’. The issues and my findings thereon are as follows :

ISSUES

FINDINGS

1. Whether no ‘industrial dispute’ as contemplated under section 2(k) of the Industrial Disputes Act existed/exists between the workmen in question and the Bank Management. **The industrial dispute exists.**

2. Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in relation to its Pune Zone in insisting on recording of overtime working on green card in addition to statutory employment register in form ‘J’ prescribed under Bombay Shops and Estt. Act, 1948 in deviation from Central Office instruction vide their letter No. AXI/ST/57/79 dated 15th June, 1979 is justified **The action is justified**

3. If not, what is the relief to which the workmen are entitled to **Does not survive.**

4. What Award. **As per final order.**

REASONS

7. Both the parties have filed the pursuits at Ex. '8' informing the Tribunal that they do not want to leave any oral evidence in the matter.

8. Union filed its written argument at Ex. '9' and also submitted orally. The management chose to submit oral arguments only. It is not in dispute that the management maintain a register in form 'J' under the Shops and Establishments Rules, 1969. The management by seeking permission from the Commissioner of Pune Corporation got amended the 'J' register to avoid duplication. Its extract is produced alongwith Ex. '6/2'. The Copy of the form 'J' prescribed under Shops and Establishments Act is at Ex. '6/1'. It is the contention of the Union that when such a register is maintained there is no need to direct the workers to fill up the green cards to show the overtime. After perusal of these extracts of register it reveals that there is no mention giving a direction to a particular worker to do the overtime, there is no signature of the concerned authority who had directed to do the overtime. That finds place in the green card.

9. It is tried to argue on behalf of the Union that by giving directions to fill up the green card is change of service condition and the earlier circular dated 15-6-79. I am not inclined to accept it by giving such direction no additional work is asked to be done from the worker. It has done with a specific intention to know of the actual work is done by a particular workman. It is for the convenience of the management. It is not in dispute that such green cards are maintained for many years and they are filled by workers. Under such circumstances the direction which is given by the manager of the Tilak Road branch to fill up the green card in addition to 'J' register cannot be said to be in deviation from the Central Office instruction dated 15-6-1979. It is not brought to my notice by the Union that in the said circular there was specific bar for introducing any additional mode for ascertainment of overtime.

10. Looking to the clause 14.9 of Bipartite Settlement, it can be seen that there is no bar for keeping any other record for overtime other than contemplated under the Bombay Shops and Establishments Act, 1948.

11. The dispute involves regarding the terms of employment as regards the payment of overtime wages and its processing. Under such circumstances it clearly falls under section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order.

ORDER

The action of the management of Bank of Maharashtra in relation to its Pune Zone insisting on recording of overtime working on green card in addition to statutory employment register in form 'J' prescribed under the Bombay Shops and Establishments Act, 1948 is and in deviation from Central Office instructions vide their letter No. AXI/ST/57/79 dated 15-6-79 is justified.

No order as to cost.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जून, 1995

का.आ. 1965.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल.आई.सी. ऑफ इंडिया के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-17012/41/89-आई.आर. (बी.-2)]

वी.के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1995

S.O. 1965.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-1995.

[No. L-17012/41/89-IR (B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(275)/1989

BETWEEN

Shri C. B. Jain, represented through the General Secretary, Indore Division Insurance Employees Association, 59, Bima Nagar, Indore-452001 (MP)

AND

The Senior Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India, Divisional Office, Jeewan Prakash, 19, M.G. Road, Post Box No. 130 Indore-452001 (MP).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Shri P. C. Jain.

For Management—Shri Shanker Dey.

INDUSTRY : Insurance

DISTRICT : Indore (MP)

AWARD

Dated, the 1st June, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-17012/41/89-IR (B) dated 15-12-1989, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of LIC of India in imposing the penalty of reduction in the time scale by two stages upon Shri C. B. Jain is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. Admitted facts of the case are that the workman, Shri C. B. Jain, was issued chargesheet dated 22-3-1984 charging him inter alia for the acts of tampering with the Branch Code in transfer-in-register of C.A.B., Indore pertaining to the policies and that after the domestic enquiry the competent authority issued notice and imposed the penalty of reduction of his basic wages by five stages. However, the Chairman has reduced the punishment and imposed reduction in the time scale by two stages.

3. Following are the charges levelled against the workman :

"1. When you found policy files pertaining to Nos. 28465023 and 20413171 on your table on 24-11-1982 before taking transfer-in-action you failed to ascertain and satisfy yourself about the source from which the aforesaid files were received.

2. That in your work diary dated 24-11-1982 on page No. 51 you have stated to have received the policy files numbering 28465023 and 28413171 from Branch Office, Mhow, (Br. Code No. 342) which you also confirmed in your statement dated 17-12-1982 to Preliminary Enquiry Officer, whereas in your deposition in the Enquiry proceedings on 13-4-1983 you have given a false statement that you received policy file bearing No. 28443171 and not policy No. 28413171.

3. That you have tampered the Branch Code No. from 342 to 344 in the transfer-in register of C.A.B. Indore against the transfer-in entries pertaining to Policy Nos. 28465023 and 28413171 under date 24-11-1982.
4. That in transfer-in register under date 24-11-1982 you have tampered the policy number from 28413171 to 28443174.
5. That you did not handover the second policy file bearing No. 28413171 which was in your possession to Shri Hafizullah Khan when both the policies numbering 28465023 and 28413171 were demanded by him on or about 25-11-1982.

By your aforesaid acts you have—

- (i) failed to maintain absolute integrity and devotion to duty ;
- (ii) failed to serve the corporation honestly and faithfully ;
- (iii) knowingly acted in a manner detrimental to the interest of the Corporation and prejudicial to good conduct ; and
- (iv) displayed gross negligence in the discharge of your duties.

By your aforesaid acts you have committed breach of regulations 21, 24 and 39(1) of the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1950, for which any one or more penalties as specified under Regulation 39(1) (a) to (g) of the aforesaid Regulations can be imposed on you."

4. The case of the workman is that the domestic enquiry was held against him in violation of the principles of natural justice and there is no evidence against him to prove the charges and that the impugned order of the management is perverse and it is liable to be set aside.

5. Case of the management is that the workman has fully participated in the domestic enquiry and there was sufficient evidence on record to conclude that the workman is guilty of the charges levelled against him and that the management has already taken lenient view in awarding the punishment.

6. Following are the issues in the case :

ISSUES

1. Whether the enquiry is proper and legal ?
2. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal ?
3. Whether the charges of misconduct are proved on the facts of the case ?
4. Whether the punishment awarded is proper and legal ?
5. Relief and costs.

7. Issue No. 1 and 2.—On 16-4-92 parties agreed that the only point for consideration is whether the findings are perverse and whether the punishment is excessive. My learned predecessor fixed the case for arguments on issues No. 3, 4 and 5. Consequently, Issue No. 1 and 2 are answered in favour of the management.

8. Issue No. 3.—Management has examined Shri V. K. Bajhal, Manager and produced documents P1 to P/10 to prove the charges. Workman has produced documents D/1 to D/32 and he has examined himself, J. P. Rajani, M. L. Peswani and H. Khan to prove his defence.

9. As regards Charge No. 1, the workman has admitted that he found two policies pertaining to No. 28465023 and 28413171 on 24-11-82 at his table. The workman has taken the defence that he has not made an attempt to verify the source of the receipt of these dockets. Management has proved that there is specific procedure by which the dockets were received by the Workman. Consequently, the Enquiry Officer has rightly held that the workman has failed to ascertain about the source from which the aforesaid files were received by him.

10. Regarding charge No. 2, it is clear that the workman has made a contradictory statement and his statements in the preliminary investigation on 17-12-1982 were different than on 13-4-83. Looking to the work diary dated 24-11-82 on page 51, it is clear that the workman made false statement on 13-4-83. Consequently, the Enquiry Officer has rightly held charge No. 2 proved against the workman.

11. Regarding Charge No. 3 which relates to the tampering of Branch Code from Code No. 342 to 344 by the workman in the transfer-in-register, the workman has admitted that he has made the said correction. There was no reason and justification of doing the correction in the transfer-in-register of C.A.B. from Branch Code No. 342 to 344. Consequently, the learned Enquiry Officer has rightly come to the conclusion holding that the charge No. 3 is also proved against the workman.

12. Learned Enquiry Officer has held that charge No. 4 regarding tampering of policy No. 28413171 is not proved. This finding of the learned Enquiry Officer is not proper because the workman has not specifically denied that he has not tampered the policy number. In view of the fact that the charge No. 1, 2 and 3 held proved, it is clear that the workman was interested in tampering the policy number. Consequently, I hold that the charge No. 4 is also established against the workman.

13. As regards Charge No. 5, learned Enquiry Officer has given detailed reasons to conclude that this charge is proved. In view of the fact that the workman was in possession of policy No. 28413171 and in view of the defence of the workman, it is clear that the workman refused to hand over the policy to Shri Hafizullah Khan.

14. From the aforesaid discussion, it is clear that the learned Enquiry Officer has rightly held that the charges of misconduct are proved against the workman. The Disciplinary Authority has also discussed the evidence produced during the domestic enquiry and he has rightly agreed with the well considered finding of the Enquiry Officer. Consequently, I hold that the finding of the Enquiry Officer is just and proper and charges are proved on facts of the case.

15. Issue No. 4.—Management has been under lenient view while imposing the penalty of reduction in the time scale by two stages and such indulgence by the management for the employee involved in serious misconduct is uncalled for. However, Issue No. 4 is answered in favour of the management.

16. Issue No. 5.—The impugned order of the management in imposing the penalty of reduction in the time scale by two stages upon Shri C. B. Jain is just and proper. Workman is not entitled to any relief. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जून, 1995

का.आ. 1966.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल.आई.सी. ऑफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अतुल्य में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-95 को प्राप्त हुआ था ।

[संख्या एल-17012/7/86/डी-IV-ए/आई.आर.बी-2]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1995

S.O. 1966.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-1995.

[No L-17012/7/86-D.IV (A)/IR (B-II)]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(5)/1987

BETWEEN

Shri R. B. Verma represented through the General Secretary, Indore Division Insurance Employees Association, 59, Bimanagar, Indore (MP).

AND

The Divisional Manager, LIC of India, 19, M.G. Road, Indore (MP).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For workman—Shri D. N. Kulkarni Advocate

For management—Shri R. Chajed, Advocate.

INDUSTRY : Insurance DISTRICT : Indore (MP)

AWARD

Daed, the 1st June, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-17012/7/86-D.IV (A) dated 20-1-1987, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the Divisional Office of LIC of India, Indore in imposing upon their workman Shri R. B. Verma, Assistant in Divisional Office, Indore a penalty of reduction by two stages in his time scale under Regulation 39(1) (d) of LIC of India (Staff) Regulations 1960 vide Order No. Personnel dated 15th September, 1980 is justified? If not, to what relief the workman is entitled and from what date?"

2. Admitted facts of the case are that the workman, Shri R. B. Verma, was employed on 13-12-1960 and he was entitled to avail facility of L.T.C. as per LIC Leave Travel Concession Instructions in respect of himself and his family members. It is also not in dispute that in February, 1976 workman has claimed reimbursement of LTC under LIC LTC Scheme in the prescribed form D showing therein the fare expenses for his son (1) Ashvini Kumar (2) daughter Ku. Shasibala and Ku. Harshbala from Indore to various place as detailed in Form D. It is also not in dispute that a sum of Rs. 120.40 was paid to Shri R. B. Verma on 17-2-1976 who was a workman under the LTC scheme for his son and daughters. It is also a common ground that the chargesheet dated 9-12-1976 was issued to the workman of cheating the Corporation by showing that the workman has falsely made the LTC claim for Ku. Shasibala who actually did not travel to any place mentioned in form D; that the competent authority vide order dated 15-9-1980 has imposed upon him the impugned penalty of reduction of two stages in the time scale.

3. The case of the workman is that his daughter, Ku. Shasibala, actually travelled as per LTC Rules and the management has issued chargesheet on the false ground that Ku. Shasibala attended the school class at Indore from 27-1-76 to 2-2-76 i.e. during the period of journey. The

workman has alleged that the management has not examined the material witness viz. the principal of the school who has issued the Certificate (Ex M/1) of attending the school by Ku. Shasibala. The workman has further alleged that the proper opportunity to the workman to adduce his defence was not granted and the enquiry has vitiated due to the violation of principles of natural justice. The workman has further alleged that the minor penalty was imposed on other employees of the management who were also issued similar chargesheet and the quantum of punishment is unjust and excessive.

4. The case of the management is that the management came to the knowledge that Ku. Shasibala did not travel to any place as mentioned in Form D and she remained at Indore and attended the school; that the workman fully participated in the domestic enquiry and availed the opportunity to defend his case and the enquiry was just and proper.

5. The management has further alleged that looking to the gravity of the misconduct the management has already taken the lenient view and it calls for no interference.

6. Following are the issues in the case :

ISSUES

1. Whether the enquiry is proper and legal ?
2. Whether the Management entitled to lead evidence before the Tribunal ?
3. (a) Whether the punishment awarded to the workman is legal and proper ?
(b) Whether the punishment is justified and legal on case ?
(a) Whether the order of Remand dated 5-7-1980 of the Appellate Authority is legal and proper ?
(b) If so, whether this Tribunal is competent to consider its validity ?
5. Relief and costs.

6. Issue No. 1 and 2.—My learned predecessor vide Order dated 30-12-1988 has held that the domestic enquiry has vitiated and the opportunity was granted by him to the parties to prove the misconduct. The management has examined Shri P. S. Yadav and produced Certificate Ex. M/1 issued by the Principal of the School. The workman has examined himself and he has not produced any oral or documentary evidence to support his statement.

7. Issue No. 3 (a) and (b).—The only issue for consideration is whether the daughter of the workman, Ku. Shasibala Verma, visited Delhi, Agra and other places during the period from 24-1-76 to 2-2-76 vide the claim made by the workman in Form D. Shri P. S. Yadav (MW-1) has stated that on 28th September, 1976 the Principal of Cloth Market Kanya Vidyalaya, Indore, issued Ex. M/1 on the basis of the attendance register. From the perusal of Ex. M/1, it is clear that Ku. Shasibala, daughter of the workman Shri R. B. Verma, attended IX Class of the School from 27-1-76 to 2-2-76. Certificate Ex. M/1 was issued on 28-9-76 and it bears the seal and signatures of the Principal of the School, Mrs. Champa Srivastava. Management has filed this material document Ex. M/1 during the D.F. against the workman. The workman, Shri R. B. Verma, has clearly admitted in his cross-examination that he had seen the Certificate Ex. M/1 in the second sitting of the domestic enquiry which was held probably in the month of February, 1976. Consequently, it is clear that Ex. M/1 was executed just after the alleged incident in the month of February 1976.

8. The contention of the workman is that the Principal was not examined to prove Ex. M/1. From the cross-examination of Shri P. S. Yadav (MW-1), it is clear that the management made the effort to produce the Principal to prove Ex. M/1 but she did not turn up and she has retired from the School. Shri P. S. Yadav is also working in the Cloth Market Kanya Vidyalaya Indore and he has identified the signatures of the Principal. In the cross-examination of Shri Yadav, it is not disputed that Ex. M/1 does not bear the signatures of the Principal. Consequently, no adverse inference can be drawn from the fact

and that the Principal of the School was not examined to prove Ex. M/1.

9. The contention of the workmen is that Ex. M/1 does not relate to his daughter, Ku. Shasibala Verma, and the management has not proved that Ku. Shasibala was a student of Cloth Market Kanya Vidyalaya in the month of January and February, 1976. This contention of the workman is an after thought and totally against the line of defence taken by the workman right from the beginning i.e. 1976 when the D.E. was initiated against him. The workman has alleged that he made an application for leave of his daughter, Ku. Shasibala Verma in the said School. Leave was granted by the teacher upto 2-2-1976. Workman, Shri R. B. Verma (WW-1) has admitted in the last paragraph of his cross-examination that he went to the School and he saw attendance register and saw therein that leave of his daughter was marked from 24-1-76 to 2-2-76. Consequently, it is proved beyond doubt that the daughter of the workman, Ku. Shasibala Verma, was studying in Cloth Market Kanya Vidyalaya, Indore.

10. The workman has not made an attempt to obtain the copy of the attendance register or the leave application. The applicant was chargesheeted on the basis of Certificate Ex. M/1 in the year 1976 and it is very surprising and unnatural that the workman made no attempt to produce the copy of the attendance register or the leave application to show the falsity of the only document, Certificate Ex. M/1. The workman has given no explanation for such an unnatural conduct. The domestic enquiry would have come to an end on the production of the evidence by the workman that his daughter did not attend school from 24-1-76 to 2-2-76 and Certificate Ex. M/1 was false. In spite of this fact, the workman made no attempt to procure the evidence from the school that the Principal has issued false Certificate Ex. M/1.

11. The workman has filed the reservation ticket to show that his daughter, Ku. Shasibala Verma, travelled with him as claimed in Form D. The reservation ticket is weak type of circumstantial evidence to prove that the person concerned has travelled. Railway ticket is not a good piece of evidence to show that the person was not at Indore from 24-1-76 to 2-2-76.

12. The best and valuable evidence available to the workman to prove that his daughter, Ku. Shasibala Verma did not attend the school from 24-1-76 to 2-2-76 i.e. (1) leave application (2) attendance register (3) the witness who told the workman that the certificate was wrongly issued by the Principal. The workman right from the beginning of the D.E. till examined before the Tribunal has not made an attempt to examine the material witnesses and produce the alleged relevant record. No explanation for such indiscreet and unnatural lapses was given by the workman. The workman never made complaint to the Principal or any authority of issuing the false Certificate Ex. M/1 in the year 1976 by the Principal.

13. It is observed in the case of Raghbir Singh Vs. State of Haryana (AIR 1974 SC P. 1516 and Hazari Lal Vs. Railway Administration (AIR 1980 SC P. that the circumstances speak for itself and these observations of Hon'ble Supreme Court are based on the Maxim Res Ipsa Loquitur. The witness may tell lie but not the circumstances. Ex. M/1 clearly establishes that Ku. Shasibala Verma attended the school from 27-1-76 to 2-2-76; that the workman right from the year 1976 till today was in position to produce the documentary or oral evidence to show the falsity of Certificate Ex. M/1, but no attempt was made by the workman to collect the evidence against Certificate Ex. M/1. No explanation was given by the workman for such lapses. Workman has not pleaded either in the statement of claim or in the reply in the year 1976 to the effect that he moved an application for the leave of his daughter Ku. Shasibala Verma and that application was granted. Workman, Shri R. B. Verma, was cross-examined on this point and he made an evasive reply for not pleading the facts relating to the leave application.

14. It is observed by the Annex Court in case of Balipar Tea Estate Vs. Workman (AIR 1976 SC 191) that the

domestic enquiry is not a criminal court and it is sufficient that if there is evidence from which reasonable inference of misconduct can be drawn. Consequently on the basis of the Certificate Ex. M/1 and the aforesaid circumstances, I come to the conclusion that the management has succeeded in proving the misconduct of the workman that he falsely claimed the LTC amount that his daughter, Ku. Shasibala Verma, travelled with him. The punishment imposed by the management is just and proper and the action of the management vide Order dated 15-9-1980 is just and proper. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जून, 1995

का.आ. 1967:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धन के संबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-17012/23/94-आई.आर.बी.-2]
बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1995

S.O. 1967.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of LIC of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1995.

[No. L-17012/23/94-IR (B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI M. S. SULLAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I. D. 75 of 94/138 of 1994

Chuni Lal Vs. L.I.C.

For the workman—Shri Suresh Guleria.

For the management—Shri Bijay Singh.

AWARD

Dated, the 15th May, 1995

The petitioner was recruited as development officer by the respondent management of Life Insurance Corporation. His services were terminated on 10-4-93. The petitioner has challenged his termination.

In the wake of industrial dispute raised by the petitioner U/S 10 of the I.D. Act, 1947 (hereinafter to be referred as the Act). The Central Government vide letter No. 17012/23/94-I.R. (B-II) dated 26-7-94, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of LIC of India, Jalandhar in terminating the services of Shri Chuni Lal probationer development officer w.e.f. 10-4-93 is legal and justified? If not what relief is the said workman entitled to?"

The case set up by the petitioner in brief in so far as relevant is that the management has terminated his services without following the mandatory provisions of Section 25-P of the Act. The management has filed the written statement

inter-alia pleading certain preliminary objection to the effect that the petitioner being a development officer of respdt. LIC is not a 'workman' within the meaning of Section 2(s) of the Act and denied the jurisdiction of this Tribunal. It will not be out of place to mention here the management has stoutly denied the allegations of the petitioner in its written statement which was filed on 14-3-95. Thereafter the case was slated for 4-5-95 for filing the replication and affidavit by the petitioner. The same was not filed on that date and short adjournment was requested and the case was adjourned for today for filing the replication and affidavit by the petitioner.

Today the petitioner instead of filing of replication and affidavit has made the following statement :

"I am the authorised representative of the workman. Since the petitioner will invoke his remedy in the appropriate forum, so petitioner does not want to prosecute the present reference petitioner, which may be declined."

It may be added that the rep. of the management has no objection if the reference is declined. He has so stated in his recorded statement.

Thus it would be seen that the petitioner had not controverted the preliminary objection of the management that he being development officer is not a 'workman' and instead of filing his affidavit he has made the statement withdrawing the reference petition and the petitioner has nothing to substantiate his claim before this Tribunal.

Consequently, in this view of the parties, the present reference petition is hereby declined. However, the petitioner may avail any other remedy before an appropriate forum if he is so advised. Appropriate Government be informed Chandigarh,

Dated : 15-5-1995

M. S. SULLAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जून, 1995

का.प्र. 1968:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में भारत कोकिंग कोल लिमि. की मुनीडीह प्रोजेक्ट के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/373/92-आई आर (कोल.-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st June, 1995

S.O. 1968.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Moonidih Project of M/s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-1995.

[No. L-20012/373/92-JR (Coal-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.
In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 93 of 1993

Employers in relation to the management of Moonidih Project of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. C. Gaur, Advocate.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 12th June, 1995

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/373/92-JR (Coal-I), dated, the 7th July, 1993.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of moonidih Project of M/s. BCCL, P.O. Moonidih Dist. Dhanbad in dismissing Shri Sona Kole is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. In this case both the parties appeared and filed their respective W.S. and documents etc. Thereafter the case proceeded along its course. Subsequently when the case was fixed for evidence of parties, both the parties appeared before me and filed a petition of compromise. I heard both the parties on the said petition of compromise and I find that the terms contained therein are fair, proper and legal one. Accordingly I accept the said petition of compromise and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II DHANBAD

REFERENCE NO. 93 OF 1993

Employers in relation to the Management of Moonidih Project of M/s. BCCL

AND

Their Workman

Petition of Compromise

The humble petition on behalf of the parties on the above reference most respectfully sweth :—

The Central Govt. by notification No. L-20012(373)/92 dated 7-7-93 has been pleased to refer the present case to the Hon'ble Tribunal for adjudication on the issue contained in their schedule of reference which is re-produce below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Moonidih Project of M/s. BCCL, P.O. Moonidih, Dist. Dhanbad in dismissing Shri Sona Kole is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

That the above dispute have been amicably settled between the party on the following terms :

Terms of settlement

- (i) Shri Sona Kole will be allowed to resume his duty with immediate effect.
- (ii) That the period of absence from 27-9-90 till the date of joining shall be treated as dies-non and workman will not be entitled to any kind of back wages for the above mentioned period and he will not claim any back wages or any other benefit other than continuity of service for the purpose of gratuity.

- (iii) He will put at least 190 days of attendance in a year.
If he puts less than 190 days of attendance he will be put on Casual/Badli roll.

This resolves the dispute full and final.

That in view of the settlement there remain no dispute for adjudication.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal graciously be pleased to accept the terms of settlement as fair & proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

For the employer

For the workman

1. Shri N. Sharma, Project Officer, 1. Shri Diwakar Pd. Singh

Moonidih Project.

Secretary, UCWU (MA)

2. Shri S. Jha, PN(IR), (MA)

2. Shri Sona Kole

Witness

(1) Yamuna Pd. Singh T. N. 2560.

(2) Vinod Misra T.N. 2636.

नई दिल्ली, 21 जून, 1995

का.आ.1969:—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार में सैन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमि. की कथारा कोलियरी के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एन-24012/207/86-डी-4 (बी)/आई आर (कोल-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st June, 1995

S.O. 1969.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Kathara Colliery of M/s. C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-95.

[No. L-24012/207/86-DIV(B)]IR(Coal-I)
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

REFERENCE NO. 237 OF 1987

Employers in relation to the management of Kathara Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None.

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 12th June, 1995

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(207)/86-DIV(B), dated, the 3rd August, 1987.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kathara Colliery of M/s. C.C. Lt., P.O. Kathara, Dist. Giridih by not promoting S/Sri Francis Horo, Anil Kumar Mishra and Rajendra Kumar as per I.T.I. Scheme and making discrimination is legal and justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled?"

2. This reference is pending since 1987. It appears from the records of this case that registered notices were duly served upon the workman for their appearance and necessary steps but the workmen neither turned up nor took any steps. The learned Advocate for the management on the other hand made his appearance all along. Therefore, it leads to draw an inference that there is no dispute presently existing between the workmen and the management. In the circumstances, I have no other alternative than to pass a 'No dispute' Award in this reference.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जून, 1995

का.आ.1970:—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार में भारत कोकिंग कोल लिमि. की निचितपुर कोलियरी के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं.-2) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एन-20012/195/91-आई आर (कोल-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st June, 1995

S.O. 1970.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Nichitpur Colliery of M/s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-1995.

[No. I-20012/195/91-IR(Coal-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 166 OF 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Nichitpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri Bishun Harijan, the concerned workman.

On behalf of the employers : Shri G. Prasad, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 12th June, 1995

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(195)91-I.R. (Coal-I), dated, the 25th November, 1991.

THE SCHEDULE

"Whether the demand of United Coal Workers Union for reinstatement with full back wages of Shri Bishun Harijan, Ex-Miner/Loader of Nichitpur Colliery who was dismissed w.e.f. 16-4-90 is justified? If so, to what relief the workman is entitled?"

2. In this case both the parties appeared and filed their respective W. S. documents etc. Thereafter the case proceeded along its course. Subsequently at the stage of oral evidence both the parties appeared before me and filed a petition of compromise under the signature of both the parties. I heard both the parties on the said petition of compromise and I do find that the terms contained therein are fair, proper and legal one. Accordingly I accept the said petition of compromise and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2
DHANBAD

Ref. Case No. 166 of 1991

Employers in relation to the management of Nichitpur Colliery, Sijua Area of M/s. Bharat coking coal Limited.

AND

Their workmen

The humble petition of compromise on behalf of the parties most respectfully sheweth :—

- (1) That the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by a Notification No. L-20012(195)91-I.R. (Coal-I) dt. 29-11-91 has referred the instant industrial dispute for an adjudication U/S 10(1)(d)(2A) of the industrial Dispute Act, 1947. The schedule of the reference is reproduced below :—

THE SCHEDULE

"Whether the demand of the United Coal Workers Union for reinstatement with full back wages of Sri Bishun Harijan, Ex-Miner/loader of Nichitpur colliery who was dismissed w.e.f. 26-4-90 is justified? If so, to what relief the workman is entitled?"

That the parties discussed the dispute outside the court and have settled the said dispute on the following terms and conditions :—

Terms & Conditions

- (i) That Sri Bishun Harijan, Ex-Miner/loader of Nichitpur colliery shall be reinstated and posted at Chanch-Victoria Area No. XII.
- (ii) That Sri Bishun Harijan shall not be entitled for any wages etc. for the idle period i.e. from the date of dismissal till the date of resumption of his duty at the new place of posting and the period of absence

will be treated as dies-non for the purpose of gratuity.

- (iii) That this settlement resolves all the disputes once for ever and he shall have no any claim whatsoever.

Representing Union

Representing Management

(Pyarelal Srivastav)

(M. K. Singh)

Area Secy. BJKMS

General Manager, Sijua Area

(Bishun Harijan)

(M. P. Dubey)

Ex-M/L Nichitpur

Addl. C.P.M. (M.P.) Sijua

Witnesses :

(1) Narendra Kumar Kara

(2) Md. Bahraksh B.J.K.M.S.

(R. K. Raj)

Personnel Manager

Sijua Area

नई दिल्ली, 21 जून, 1995

का.आ. 1971 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महाप्रबंधक दूर संचार, भोपाल के प्रबन्धन के संबंध निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं.एन. 40011/19/89-डो-2(बी)]

के.बी.बी. उन्नत, टेक्स अधिकारी

New Delhi, the 21st June, 1995

S.O. 1971.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of G. M. Telecommunication, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on 20th June, 1995.

[No. L-40011/19/89-D-2(B)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case Ref. CGIT/LC(R)(135)/1990

BETWEEN

S/Shri Sriram Belie and Mohd. Irshad represented through the Circle Secretary, Bhartiya Telephone Karamchhari Sangh (BMS), South T. T. Nagar, Bhopal (MP).

AND

The General Manager, Telecommunication, M.P. Circle, Hoshangabad Road, Bhopal (MP)-15.

PRESIDED IN: By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Shri Tiwari.

For Management—Shri B. Da'Silva, Advocate.

INDUSTRY : Telecom.

DISTRICT : Bhopal (MP)

AWARD

Dated : 5th June, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40011/19/

89-D-2(B) dated 19th September, 1990, for adjudication of the following industrial dispute:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the General Manager, Telecommunication, Bhopal in terminating the services of S/Shri Sriram Belia and Shri Md. Irshad S/o Ahmed is justified. If not, to what relief the workmen is entitled for?"

2. The case of the workmen S/Shri Sriram Belia and Md. Irshad is that they have worked on daily wages in the office of the Telecommunication Department for more than 400 days upto January, 1985 and that the management has terminated their services and contravened the provisions of Section 25F of the I.D. Act, that the management has employed two other workmen on the permanent post and the opportunity to the workmen was not granted. The workmen have prayed for the reinstatement with full back wages.

3. Case of the management is that these workmen were engaged as casual labourers and their initial appointment was contrary to law as there was total ban for the management of casual labourers after 30th March, 1985. Management has further alleged that the retrenchment compensation was paid to the workmen, Sriram and Md. Irshad and notices of retrenchment were served on these workmen. The management has prayed that these workmen are not entitled for any relief whatsoever.

4. Terms of reference were made the issue in the case.

5. Workmen have filed their affidavits and the management has filed affidavit of Shri A. K. Banerjee.

6. From the perusal of Compensation Payment sheet Ex. M/1 and the letters Ex. M/2 and M/3, it is clear that the retrenchment compensation was paid to these workmen after the retrenchment notice of the retrenchment, the affidavit of Shri A. K. Banerjee also proves that the retrenchment compensation and the required notice were given to these workmen.

7. The workmen have not given the name of those persons who were appointed after their retrenchment. From the circular, marked Annexure M/4, it is clear that the initial appointment of these workmen was contrary to rules as there was total ban for the engagement of the casual labourers after 30th March, 1985. However, these workmen were daily wage employees. It is held by the Hon'ble High Court in M.P. No. 4908/89 in case of State Bank of India Vs. Nirmal Kumar and others vide order dated 13th July, 1994 that daily wages workers are not covered by the definition of retrenchment under Section 2(oo), (bb) of the I.D. Act. It is further held that one of the precondition of the requirement of Sec. 25H is that the incumbent should be retrenched by the employer. Consequently, the workmen are not entitled for any relief whatsoever.

8. Consequently, it is held that the action of the management in terminating the services of these workmen is justified. Reference is answered in favour of the management Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जून, 1995

का.आ. 1972 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार मिनट बम्बई के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बम्बई नं. 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-16012/6/90-आईआर (डी यू)]
के.वी.बी. उन्नी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1995

S.O. 1972.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay No. 2 as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of India Govt. Mint Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 20-6-95.

[No. L-16012/6/90-IR (Du)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. PANSE, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/33 OF 1993

Employers in relation to the management of India Govt. Mint Bombay

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the employer : Shri B. M. Masurkar, Advocate.

For the workmen : Shri S. M. Dharap, Advocate.

Bombay, dated 7th of June, 1995

AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its letter No. L-16012/6/90-IR(DU) dt. 12th of April, 1993 has referred to the following industrial dispute for adjudication.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of India Govt. Mint Bombay in refusing Shri J. Y. Rao seniority over Shri M. B. Desai and consequential benefits like promotion, annual increments and ordering that the entire period intervening the date of removal including the period of suspension preceding it and the date he reported for duty be treated as period spent on duty only for the purpose of continuity of service and pension are legal and justified. If not, what relief are the workman entitled to?"

2. This reference has a octopus history. J. Y. Rao was an activist of the trade union and office bearer of Bombay Mint Industrial Staff Union. Rao participated in Union's activities in 1980. On 25-4-1980 he was suspended and chargesheeted on 29-4-1980. On 18th of September, 1981 the inquiry was completed the worker Rao preferred an appeal stating that the inquiry was not properly conducted. The Appellate authority directed Denovo inquiry. Again he was suspended on September 1991. On August 25, 1982 the inquiry was started and in the month of January 1983 it was completed. On the basis of the report in the said inquiry the Competent Authority dismissed Rao from services on 27-10-1983.

3. Rao then preferred an appeal before the Appellate Authority who intum passed an order of removal instead of dismissal on 15-12-1983. Being aggrieved by that order the worker filed a writ petition No. 1533 of 1984 on 1st of August, 1984 which came to be dismissed. The appeal which was preferred was against that was also dismissed. But in the review petition the Lordship directed the management to consider the apology if tendered by the workman. The worker tendered the apology before the management but it was not accepted. It is, therefore, he preferred writ petition No. 1372 OF 1985 which came to be rejected. The Appeal against that order was also rejected by their Lordships. Being aggrieved by that decision Rao preferred a special leave petition No. 12822 OF 1985 before the Supreme Court. On August 26, 1986 their Lordships passed an order directing the management "that the petitioner that is Rao, may be taken back into service w.e.f. date on which the petitioner reports for duty. It is further ordered that no backwages need to be paid."

4. The worker pleaded that he reported on duty on 6-9-86 requesting the General Manager for reinstatement with continuity in service. The representation was made on 8-9-86. Again the representation were made on 10th & 16th of September, 1986 to the management. The management was pleased to pass an order on 29-9-1986 allowing the worker to join the duties after completing the formalities on 29-9-1986 the worker made representations claiming seniority and other benefits. Then several representations were made by Rao to the management challenging the order which is passed while reinstating him. His allprayers were rejected. It is, therefore, he raised an industrial dispute before the Labour Commissioner which could not be settled and he gave a negative report to the Government then the reference was made.

5. The worker Rao who is represented through the Union contended that he is entitled to seniority over M. B. Desai who was junior to him when they joined the service. He also submitted that he is entitled to be treated as promoted from the date earlier the date of promotion of Shri Desai w.e.f. 30-12-1981 and fixation of a salary accordingly. He also claimed that the entire period intervening the date of removal including the period of suspension preceding it to be treated as a period spent on duty. He also claimed he is entitled to the fixation of notional increments during the period of his removal from service to the date of which he was reinstated and further entitled to be fixed a pay scale of Rs. 1320/- as claimed at the time of his reinstatement and should be paid the due differences of wages till the date.

6. The management opposed the claim by their written statement (Ex. 4). It is contended that the Supreme Court directed the reinstatement of the worker on sympathetic grounds and the other prayers which are made by the worker are not granted at all. It is contended that during the period of dismissal of Rao, M.B. Desai was confirmed in the post of L.D.A.B.K. therefore he cannot be put above Desai. It is aver that the order of removal has not been set aside and he has not been acquitted but is reinstated as a result of his apology. Thus he is not entitled to the seniority over others. It is submitted that Rao reported to duty on 30-9-86 and on its basis his pay was fixed. It is aver that Rao was taken on duty after receipt of the certified copy of the Supreme Court judgement and then the order was passed on 29-9-1986. It is aver that no back wages have been permitted by the Court the period without pay cannot be counted for increment. It is submitted that under such circumstances the reference has to be answered in the favour of the management and reject the claim of the workman.

7. The issues that fall for my consideration and my findings thereon are as follows :

ISSUES

FINDINGS

1. Whether the action of the management of India Government Mint Bombay in refusing Shri J. Y. Rao seniority over Shri M. B. Desai and consequential benefits like promotion, annual increments and ordering that the entire period intervening the date of removal including the period of suspension preceding it and the date he reported for duty be treated as period spent on duty only for the purpose of continuity of service and pension are legal The action and justified ? is justified.
2. If not what relief the workman entitled Does not survive.
3. Whether the workman is entitled to wages for the period between 10-9-86 to 29-9-86 Yes.

REASONS

8. Rao filed his affidavit to support his claim at Ex. 'A'. As against that S. K. Berma, Assistant Director cost and account has filed his affidavit at Ex. '9'. Berma affirmed that the action of the management is perfectly legal and proper. The orders were passed taking into consideration order of the Supreme Court and rule 54 of fundamental rules In fact this case is not based on oral evidence. What is to be seen is the order of the Supreme Court and its back ground.

9. Rao after due departmental inquiry was removed from the service. Being aggrieved by the action of the management he filed appeals, writs, review pensions as stated above. In the High Court of adjudication at Bombay he could not get any relief. It appears that the reliefs which he claimed were reinstatement in service by setting aside the order of removal and consequential benefit. It is needless to say that those benefits includes all back wages, increments, promotions etc. Those reliefs were not granted by their Lordships. Being aggrieved by it he preferred special leave petition to the Supreme Court of India. When the matter came for hearing the Lordships of the Supreme Court passed an order which is at Ex. '8/1'. It reads thus "in view of the apology tendered by petitioner which is reiterated before us we direct that the petitioner may be taken back into service with effect from the date on which the petitioner reports for duty. It is so ordered. No back wages need be paid. The Special Leave Petition is disposed of accordingly."

10. After getting the certified copy of that order Rao approached the management on 6th of September, 1986. But so far as this state is concerned he is not very keen. He affirmed that he made representation on 9th of September, 1986. This representation is admittedly received by the management. But he was not allowed to join the duties from 10th and ultimately order on his different representations was passed on 29th of September, 1986 and he was allowed to join the duties from 30th of September, 1986. From the record it appears that he was not allowed to join the duties on 10th of September because the management did not receive the certified copy of the order of the Supreme Court. Rao affirmed that when he approached the management he had a certified copy of the order of the Supreme Court which he tendered for their perusal which is not denied by the management. Under such circumstances the action of the management for not allowing the worker for join the duties from 10th of September, 1986 is incorrect. From the order of the Supreme Court it is very clear that when Rao approaches the management he has to be allowed to join the duties. The formalities such as indemnity bond and other things could have been completed by the worker if directed within a day which he did at later occasion. So far as this aspect of the case is concerned the action of the management appears to be incorrect as stated above.

11. It is tried to argue on behalf of the worker that the worker is entitled to increments in the dismissal and removal period and promotions also. I am not inclined to accept this. It can be seen that as per the order of the Supreme Court the worker was not entitled to the back wages. As he was not entitled to the back wage naturally he was not entitled to any increments thereon.

12. So far as the seniority of the worker above Desai is concern when worker was suspended and then later on removed Desai was promoted. Naturally he became senior to Rao the worker. It is tried to suggest that in the order of the Supreme Court there is no order that the seniority of J. V. Rao be hanged, (2) that no order that his pay should be reduced and (3) no order he should be deprived of other benefits except that of back wages till the date of his reporting for duty. This argument cannot be accepted on the ground that it is a general law that what is not granted is presumed to be refused. In the writ petitions filed before the High Court of Bombay the worker Rao claimed all these benefits not in clear terms but looking to his prayer it reveals that he claimed those benefits those were not granted there. Being aggrieved by this decision he preferred the Special Leave Petition. In other words, in Special Leave Petition a copy of which is filed on the record he claimed all those benefits. But the Lordship of the Supreme Court had granted reinstatement and no back wages. In other words the other reliefs were not granted by the Supreme Court. As this is so he is not entitled to seniority over Desai, not entitled to notional increments as claimed and other benefits.

13. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order.

ORDER

1. The action of the Management of India Government Mint Bombay in refusing Shri J. Y. Rao seniority over M. B. Desai and consequential benefits like promotion, annual increment and ordering that the entire period intervening the date of removal including the period of suspension preceding it and the date he reported on duty be treated as a period spend on duty only for the purpose of continuity and pension are legal and justified.

2. The management is directed to pay the wages to the worker for the period between 10-9-1986 to 29-9-1986 with 12% interest on that amount to be paid to the worker within one month from today.

3. No order as to cost.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जून 1995

का.आ. 1973— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 वा 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार पञ्जाब नेशनल बैंक के प्रबन्धकों के संबंध में विवादों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध से निराद औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण द्वारा वाद के फैसले को प्रभावित करना है, जो केन्द्रीय सरकार की 21-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/60/94/आई आर (वा.-२)]
ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st June, 1995

S.O. 1973.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workman, which was received by the Central Government on 21-6-95.

[No. L-12012/60/94-IR(B.II)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
HYDERABAD

PRESENT :

Shri A. Hanumanthu, M.A.I.L.B.,
Industrial Tribunal-I.

Dated : 29th day of April, 1995

Industrial Dispute No. 41 of 1994

BETWEEN

P. L. Kantha Rao,
S/o Anjalath,
aged about 33 years,

Clerk/Cashier (Undtr orders of
dismissal) Punjab National Bank,
Warangal Branch, Andhra Pradesh

Petitioner

AND

Punjab National Bank,
represented by its Chairman
and Managing Director,
7-Bhikaji Cama Place,
New Delhi.

Respondent

APPEARANCES :

Sri D. Chandra Mohan Reddy, representative
for the petitioner.

Sri K. Swaminadhan, representative for the
respondent.

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the Act) made by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-12012/60/94-IR(B.II) dated 31-5-94/13-6-94 for adjudication of the dispute annexed to the schedule which reads as follows :—

“Whether the action of the management of Punjab National Bank Hyderabad in dismissing Sri P. L. Kantha Rao, Clerk-cum-Cashier from service w.e.f. 29-5-91 is justified ? If not, what relief is the said workman entitled to ?”

This reference has been registered as Industrial Dispute No. 41 of 1994. The Petitioner and the Respondent are being represented by their counsel.

2. On behalf of the Petitioner-workman a claim statement has been filed to the following effect. The petitioner was originally appointed as Peon in the Respondent-Bank in the year 1981 and subsequently he was Promoted as Clerk-cum-Cashier in 1987. He was working without any remarks and to the utmost satisfaction of one and all. While he was working as Cashier in Warangal Branch, he was charge sheeted by the Regional Manager on 9-10-1990 and enquiry was conducted. The Enquiry Officer held the charges levelled against the petitioner as proved. The Regional Manager by his order dt. 25-5-1991 dismissed the petitioner from service. Against the said dismissal order, the petitioner preferred an appeal dt. 20-6-1991 to the Zonal Manager who by his order dt. 9-11-1993 confirmed the dismissal order of the Regional Manager. The dismissal order passed by the Regional Manager and the Appellate Order passed by the Zonal Manager are illegal arbitrary and violative of principles of natural justice and also violative of Punjab National Bank Employees Service conditions and terms of Bi-partite settlement. The charges levelled against the petitioner did not allege

that any loss was caused to the bank due to the acts of the petitioner. At the time of alleged misconduct the petitioner was working in the Extension Counter where there was another officer working. But the management has not taken any action against the said officer who ought to have been made responsible for any irregularity committed in the extension counter. The Enquiry Officer wrongly held the charges 1 and 2 as proved though they were not proved either by documentary or oral evidence. As regards third charge also the Enquiry Officer failed to see that the complainant Someswar Rao developed grudge against the petitioner for not recommending a loan for him. The punishment imposed on the petitioner is disproportionate to the alleged misconduct. The dismissal order passed against the petitioner is also discriminatory on the part of the management as the petitioner belongs to a minority union. The management imposed the minor punishment of stoppage of four increments on one Sri Arul an employee of Nizamabad Branch against whom nine charges of severe nature were proved. The Appellate authority had taken more than 30 months time in disposing the appeal preferred by the Petitioner. The Regional Manager and the Zonal Manager failed to see that the past service record is clean and unblemished before imposing the punishment of dismissal. Hence the petitioner prays to set aside the order of Regional Manager in dismissing the Petitioner from service and to direct the Respondent to reinstate the petitioner with all consequential benefits.

3. On behalf of the Respondent-Management a counter has been filed to the following effect. The Petitioner P.L. Kantha Rao was placed under suspension with effect from 25-8-1990 and was issued a charge sheet dt. 9-10-1990. While working as Clerk-cum-Cashier in Branch Office, Warangal for not accounting for sums received from customers on various dates like 19-2-1990, 9-4-1990 and 2-5-1990 which were acts of gross misconduct in terms of para 19-5-(j) of the Bipartite Settlement. As on reply was received from the Petitioner, the Disciplinary Authority appointed an Enquiry Officer by his order dt. 22-11-1990. The Enquiry Officer conducted the enquiry giving reasonable opportunity to the Petitioner to place his defence during the enquiry proceedings. After completing the enquiry, the Enquiry Officer submitted his report dt. 22-4-1991 wherein he held that the charges were found established. After considering the findings of the Enquiry Officer along with other material placed before him and the enquiry report, the Disciplinary Authority proposed the punishment of dismissal in his notice dt. 25-4-1991. The Petitioner was also granted personal hearing on 29-5-1991. During the personal hearing the Petitioner and his representative pleaded for reduction in the punishment proposed. As there were no fresh grounds submitted by the

employee for reduction of the proposed punishment, the Disciplinary Authority imposed the punishment of dismissal without notice on 29-5-1991. The appeal preferred by the Petitioner was also dismissed on 9-11-1993 confirming the punishment of dismissal imposed on the petitioner. The Respondent-Management denied the other allegations made in the claim statement of the petitioner. A preliminary objection was also taken in the counter filed on behalf of the Respondent-Management stating that disciplinary action has been taken against the Petitioner in consonance with the provisions of the Bipartite Settlement and principles of natural justice and as such the action of the Respondent in having imposed the punishment on the petitioner is justified and it cannot be questioned before this Tribunal. It is also pleaded in the counter that the petitioner is not entitled for any relief under this reference.

4. On behalf of the Petitioner, W.W1 is examined and Exs. W1 and W2 are marked. The Petitioner got himself examined as W.W1 and he deposed to the averments in his claim statement. On behalf of the Respondent M.W1 is examined and Exs. M1 to M30 are marked. K. Deva Bayagani, Officer of the Respondent-Bank is examined as M.W1 and he deposed to the averments in the counter. The details of the documents Exs. W1 and W2 and M1 to M30 are appended to this award.

5. The points for consideration are :—

(1) Whether the action of the Management of Punjab National Bank, Hyderabad in dismissing Sri P. L. Kantha Rao, Clerk-cum-Cashier from service w.e.f. 29-5-1991 is justified?

(2) To what relief the workman P. L. Kantha Rao is entitled?

6. POINT (1).—The admitted facts, as revealed from the evidence on record, are as follows—The Petitioner P.L. Kantha Rao was initially appointed as Peon in the Respondent Bank in 1981, and subsequently he was promoted as Clerk-cum-Cashier in 1987. During the year 1990 he was working as Clerk-cum-Cashier in the Extension Counter of Warangal Branch. On 25-8-1990 the Petitioner was suspended from service alleging that he committed fraud. Ex. M1 is the office copy of the order of suspension dt. 25-8-1990. On 9-10-1990 a charge sheet containing three charges were served on the petitioner. Ex. M2 is the copy of the said charge sheet dt. 9-10-1990. The three charges levelled against the petitioner are as follows :—

“Charge No. 1 :—“On 2-5-1990 you were working in the C. K M C

Extension Counter attached to BO; Warangal as Cashier. In the SF account Number 124 a sum of Rs. 1425.00 was deposited. This is evident from the entry in the pass book. However, the relative entry did not appear either in the Cashier's long book or in any of the primary books of accounts of the branch. The said amount of Rs. 1425.00 was deposited back by you on 14-6-90 which is evident from the Cash challan."

Charge No. 2 :—On 19-2-1990 while you were working at the C. K. M. College, Extension Counter attached to BO; Warangal as Cashier a sum of Rs. 4000.00 was received from Sri Ramaswamy who deposited in his account Number 84. This is evident from the counterfoil of the relative pay-in-slip you had issued on 19-2-1990. However this entry did not appear in any of the primary books of accounts of the branch. You have deposited the sum of Rs. 4000.00 on 13-8-90. This does to prove that you had destroyed the relative Cash voucher without making necessary entries in the bank's book. There by misappropriated the said amount of Rs. 4000.00 being amount deposited by Sri Ramaswamy from 19-2-90 to 12-8-90. Further while jotting down balance on 20-2-1990 you have made fictitious entries in the SF Account Number 84".

Charge No. 3 "On 9-4-1990 a sum of Rs. 2750.00 was deposited by Sri Someswar Rao into his account number CKM 897. This is evident from entry in the pass book made by you. However, the relative entry did not appear either in the Cashier's long book or in any primary books of the accounts of the branch. You have deposited the sum of Rs. 2750.00 on 25-8-1990 by writing cash deposit challan in your own handwriting without mentioning the account number. As such the amount could not be credited to the SF Account of Sri Someswar Rao and thereby you have mis-appropriated the same amount of Rs. 2750.00 from 9-4-1990 to 24-8-1990."

It is alleged in the said charge sheet that the Petitioner committed gross misconduct in terms of Paragraph 19.5(j) of the Bipartite Settlement and the Petitioner was also called upon to submit his explanation within seven days from the date of receipt of the charge sheet. The Petitioner did not choose to send any reply to the

charge sheet. Thereafter, the Disciplinary Authority appointed one P. Balasubramanayam as Enquiry Officer and Smt. C. Uma Maheshwari as Presenting Officer. Ex. M3 is the order dt. 22-11-1990 appointing the Enquiry Officer and the Presenting Officer. The Enquiry Officer conducted the enquiry and submitted his report Ex. M4 is the original enquiry proceedings. Ex. M6 is the typed copy of Ex. M4 Ex. M5 is the enquiry report dt. 22-4-1991. The Enquiry Officer held in his report that the charges levelled against the Petitioner has been proved. The Petitioner participated in the enquiry. The Petitioner did not choose to adduce any evidence on his behalf before the Enquiry Officer. On a consideration of the Enquiry Officer's report the past record of the Petitioner and other documents, the Disciplinary Authority i.e. the Regional Manager proposed the punishment of dismissal from service and issued show cause notice to the Petitioner Ex. M8 is the office copy of the said show cause notice. The petitioner submitted a reply to the said show cause notice. Hereafter personal hearing was also given to the petitioner who was assisted by Sri D. C. M. Reddy. Thereafter the Disciplinary Authority passed the impugned order Ex. M10 dt. 29-5-1991 imposing the punishment of dismissal from service on the petitioner. The Petitioner preferred an appeal to the Zonal Manager, Madras and Ex. M11 is the Memorandum of appeal dt. 20-06-1991 submitted by the Petitioner. Along with his memorandum of appeal, the petitioner enclosed to xerox copies of the letters submitted by two account holders. Exs. M11(a and Ex. M11(b) are the said two letters of the account holders. The Zonal Manager Madras by his order Ex. M12 dt. 9-11-1993 dismissed the said appeal of the petitioner and confirmed the order passed by the disciplinary authority. It is also admitted that the Petitioner and the Management are governed by the Bipartite Settlement dt. 19-10-1966 along with the subsequent amendments. Ex. M13 is the copy of the said Bipartite Settlement. Ex. M7 is a bunch of 12 documents marked before the Enquiry Officer at the time of enquiry.

7. The learned counsel for the Petitioner contends that the Enquiry Officer wrongly held the charges 1 and 2 as proved even though there was no oral or documentary evidence in support of those charges (2) with regard to the third charge, the Enquiry Officer failed to see that the complainant Someswar Rao was enmity towards him as he (Petitioner) failed to recommend a loan to him, (3) the punishment imposed on the petitioner is disproportionate for the alleged misconduct, (4) that the order of dismissal passed against the Petitioner is discriminatory as the Respondent-Management even in other serious cases imposed only stoppage of increments to the delinquents and lastly

(5) the order passed by the Appellate Authority i.e. Zonal Manager, Madras is highly belated.

8. The learned counsel for the Respondent Management submits that the Petitioner has not challenged the domestic enquiry proceedings and therefore the domestic enquiry held in this case is valid and when once the petitioner has not challenged the validity of the domestic enquiry the jurisdiction of this Tribunal is limited and normally cannot interfere with the findings of the Enquiry Officer in the domestic enquiry and the punishment imposed by the disciplinary authority on the delinquent officer. The learned counsel for the Respondent-Management also contends that the findings give by the Enquiry Officer are based on oral and documentary evidence, that the Petitioner participated in the enquiry proceedings and he was also defended by his assistant and that the misconduct committed by the Petitioner is one of fraud and that Respondent Bank is a financial institution where integrity and honesty should rank foremost and therefore the punishment of dismissal imposed on the petitioner is commensurate with the gravity of the misconduct proved against the Petitioner.

9. It is, no doubt, true that the Petitioner has not challenged the validity of the domestic enquiry held in this case. Ex. M4 is the Enquiry Officer's proceedings and Ex. M6 is a typed copy of Ex. M4. As seen from this document, the Petitioner participated in the enquiry proceedings and he was also assisted by one D. C. M. Reddy. The witnesses examined by the Management were also cross-examined on behalf of the Petitioner. The Petitioner did not choose to examine any witnesses on his behalf. The petitioner examined in this reference as W.W1 also states in his examination in chief itself that the enquiry against him was conducted properly, simply because the Petitioner has not challenged the validity of the domestic enquiry, it does not follow that this Tribunal cannot interfere with the findings of the Enquiry Officer. It is well settled that the Industrial Tribunal can interfere with the findings of the Enquiry Officer when the findings are not based on any legal evidence such as no reasonable person would arrive at that conclusions on the basis of material before it i.e. in other words when the findings are treated as perverse. It is also well settled that if it appears to Industrial Tribunal that the ultimate order of punishment is so disproportionate, severe in relation to misconduct proved and that it may lead interference to victimisation, the Industrial Tribunal would be justified in interfering with the order of dismissal. In *M/s. BHARAT IRON WORKS v. BHAGUBHI BALLUBHAI PATEL* (1976 I. S. C. cases) Their Lordships of the Supreme Court observed thus :

"There is a two-fold approach to the problem and if lost sight of it may result

in some confusion. Firstly, in a case where there is no defect in procedure in the course of a domestic enquiry into the charges of misconduct against an employee, the tribunal can interfere with an order of dismissal on one or other of the following conditions —

- (1) If there is no legal evidence at all recorded in the domestic enquiry against the concerned employee with reference to the charge or if no reasonable person can arrive at a conclusion of guilt on the charge levelled against the employee on the evidence recorded against him in the domestic enquiry. This is what is known as a perverse findings.
- (2) Even if there is legal evidence in the domestic enquiry but there is no prima facie case of guilt made out against the person charged for the offence even on the basis that the evidence so recorded is reliable. Such a case may overlap to some extent with the second part of the condition No.1 above. A prima facie case is not as in a criminal case, a case proved to the hilt, or the other, as may be applicable in a particular case, the Tribunal does not sit as a Court of appeal, weighing or reprecating the evidence for itself but only examines the finding of the enquiry officer on the evidence in the domestic enquiry as it is, in order to find out either whether there is a prima facie case or if the findings are perverse. Secondly, in the same case, i.e.; where there is no failure of the principles of natural justice in the course of domestic enquiry if the Tribunal finds that dismissal of an employee is by way of victimisation or unfair labour practice, it will then have complete jurisdiction to interfere with the order or dismissal passed in the domestic enquiry. In that event the fact that there is no violation of the principles of natural justice in the course of the domestic enquiry will absolutely loss its importance or efficiency."

In the instance case, the alleged misconduct against the Petitioner-herein is that the Petitioner, while working as Cashier at the Extension Counter, Branch at Warangal, received cash

from three account holders on different dates but did not account for them in the account books of the Bank. Ex. M2 is the charge sheet containing three charges issued against the Petitioner. Under the first charge, it is alleged that the petitioner as Cashier received a sum of Rs. 1,425.00 and credited to the Saving Fund Account No. 124 in the Pass Book of the Account holder, but failed to make entry in the account books of the Bank, and the said amount of Rs. 1,425.00 was also deposited back by the petitioner on 14-6-1990 through a cash challan. Under Charge No. 2 it is alleged that the petitioner, as cashier, received a sum of Rs. 4,000.00 from one Ramaswamy who deposited it to his account No. 84 and the Petitioner issued a counter foil on 19-2-1990 but failed to make entries in the account books of the Respondent-Bank and that the Petitioner deposited back the said sum of Rs. 4,000.00 on 13-8-1990 and thus Petitioner is said to have misappropriated these amounts. As seen from the enquiry proceedings Ex. M4 and enquiry report Ex. M5 the account holders who were said to have made the payments to the petitioner are not examined before the Enquiry Officer. The management ought to have examined the High School authorities with regard to the payment of Rs. 1425.00 under the first charge and Sri B. Ramaswamy with regard to the payment of Rs. 4,000.00 under the second charge. But, for reasons best known to the management, the said account holders were not examined before the Enquiry Officer. As seen from Ex. M4 one Ramalingam who worked as Incharge Extension Counter during that period was examined and he produced the documents. But he has no personal knowledge with regard to the alleged payments to the petitioner. The entries in the Pass Books relating to charges 1 and 2 are also not proved by the management before the Enquiry Officer. Simply because there are entries in the Pass Books, it cannot be said that they were made by the delinquent petitioner after receiving the amount, in the absence of other connecting evidence. Further as seen from Exs. M11(a) and M11(b) the letters appended to the memorandum of appeal submitted before the Zonal Manager, Madras, the said two account holders did not support the version of the management with regard to the alleged payments to the petitioner. On a careful consideration of the evidence adduced by the management before the Enquiry Officer on charges 1 and 2, I have no hesitation to conclude that the finding of the Enquiry Officer on charges 1 and 2 is not based on legal evidence. Therefore the finding of the Enquiry Officer is perverse. Hence the findings of the Enquiry Officer on Charge No. 1 and 2 are liable to be set aside.

10. As seen from Ex. M2 charge sheet the allegation with regard to the third charge is that the account holder Someswar Rao paid Rs. 2,750.00 to the petitioner on 9-4-1990 for credit

ing it to his Saving Fund Account No. 897, that the Petitioner received the said amount and made an entry in the Pass Book but failed to make relevant entries in the Account Books of the Branch and that the Petitioner deposited the said amount of Rs. 2,750.00 on 25-8-1990 and thus he has temporary misappropriated the said amount from 9-4-1990 to 24-8-1990. As seen from the enquiry proceeding Ex. M4, in support of his third charge, the account holder Someswar Rao and B.N. Rayudu, Clerk-cum-Cashier Main Branch, Warangal were examined. It is in the positive evidence of the account holder Someswar Rao that on 9-4-1990 he deposited Rs. 2,750.00 at Extension Counter, that P.L. Kantha Rao, the petitioner herein, was the cashier and the entry in his pass book was made and counter-foil was given to him by the Petitioner. He also deposed that later on he sent his brother to the Extension Counter for withdrawing Rs. 500.00 through cheque, that cheque was made and counter-foil was given to him by there in his account and thereafter he gave a letter dt. 28-9-1990 to the Branch Manager complaining that he had deposited Rs. 2,750.00 on 9-4-1990 and that an entry has been made in his Pass Book. It is also in his evidence that four or five days later cash pay order was given for Rs. 2,750.00 against the stamped receipt. This witness has been subjected to cross examination on behalf of the Petitioner, but nothing has been elicited to discredit his testimony. Even in his cross examination he has categorically stated that personally he had gone to the Extension Counter and deposited the amount to the Cashier P.L. Kantha Rao for deposit in his account. The Enquiry Officer rightly believed the testimony of Someswar Rao. Further the Management also examined C. N. Rayudu, Clerk-Cum-Cashier working in the Main Branch, Warangal, it is in his evidence that on 25-8-1990 P. L. Kantha Rao i.e. the Petitioner herein remitted Rs. 2,750.00 through Cash Pay Slip for crediting the same to the account of Someswar Rao. Though this witness was tendered for cross examination, the Petitioner did not choose to cross examine him. Therefore, the testimony of this witness B. N. Rayudu goes unchallenged. It is clear from the testimony of B. N. Rayudu that the petitioner herein deposited Rs. 2,750.00 on 25-8-1990 for crediting the same to the account of Someswar Rao. The enquiry officer rightly believed the evidence of this witness and had Charge No. 3 as rightly proved. The Petitioner herein had misappropriated Rs. 2,750.00 deposited by Someswar Rao and subsequently remitted back the same on 25-8-1990.

11. The next aspect to be considered whether the punishment imposed by the Disciplinary Authority to the Petitioner is disproportionate to the proved misconduct of the petitioner. As seen from Ex. M8 the Disciplinary

Authority imposed the punishment of dismissal from service without notice in terms of para 19.5(j) of the Bipartite Settlement on a consideration of circumstances of the case, the gravity of the proved misconduct and the past record of the petitioner. The proved misconduct on the part of the Petitioner is that he committed fraud and misappropriated a sum of Rs. 2,750.00 deposited by Someswara Rao. The learned counsel for the Petitioner submits that the punishment of dismissal from service is disproportionate to the proved misconduct and that the Management also showed discrimination against the petitioner as the Management was imposing only stoppage of increments in various serious cases and one Arual an employee of Nizamabad Branch against whom seven charges of severe nature were proved beyond doubt and he was let off with lesser punishment of stoppage of four increments. The petitioner examined as W.W1 has not spoken to on this aspect. Except mere averments in the claim statement there is nothing on record to show that the Disciplinary Authority had shown any discrimination against this petitioner. Admittedly the Petitioner had been working as Clerk-cum-Cashier in the bank which is a financial institution where integrity and honesty should rank foremost. The Petitioner committed fraud with respect to the amount deposited by a customer of the Bank. Hence no leniency can be shown against a fraudulent Bank employee. The Bank will lose the confidence of its customers if the fraudulent employees are allowed to continue in service. Considering the proved misconduct against the petitioner, I am of the opinion that the punishment of dismissal imposed on the petitioner is not disproportionate to the proved misconduct.

12. There is also no substance in the contention of the learned counsel for the Petitioner that the Incharge Officer of the Extension Counter, should also be held responsible for the alleged fraud. Admittedly the Petitioner herein was cashier at the time of the commission of the offence. It is he who received Rs. 2,750.00 when the account holder Someshwar Rao deposited it. It is he who made the entries in the Pass Book of the said customer and failed to make entries in the account books of the Bank. It is he who remitted back that amount subsequently to the account of Someswar Rao. The Incharge Officer of Extension Counter had nothing to do with all these transactions. Therefore he cannot be said to be responsible for these acts of the petitioner.

13. It is no doubt true that there is delay on the part of the Appellate Authority in disposing the Appeal preferred by the Petitioner herein. But mere delay in passing the Appellate order does not vitiate the order passed by the Disciplinary Authority against the Petitioner.

14. In the light of my above discussion, I hold on the point No. (1) that the action of the Management of Punjab National Bank, Hyderabad in dismissing the Petitioner P. L. Kantha Rao with effect from 29-5-1991 is justified. The point is thus decided in favour of the Respondent-Management and against the petitioner.

15. Point No. (2).—This point relates to the relief to be granted to the Petitioner under this reference. In view of my finding on Point (1) that the action of the Management in dismissing the petitioner is justified, the Petitioner is not entitled for any relief under this reference. The point is thus answered.

16. In the result, Award is passed stating that the action of the Management of Punjab National Bank, Hyderabad in dismissing the workman P. L. Kanta Rao, Clerk-cum-Cashier from service with effect from 29-5-1991 is justified and the Petitioner is not entitled for any relief under this reference. The parties are directed to bear their costs.

The reference is thus answered.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 29th day of April, 1995.

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I Appendix of Evidence

Witnesses Examined for
the Petitioner.

W.W1 D. Lakshmi Kanta Rao.

Witnesses Examined for
the Respondent :

M.W1 K. Deva Nayagam.

Documents marked for the Petitioner :

Ex. W1 Extract of receipt and payment of cash.

Ex. W2. Extract of clause 3.b of IInd Bipartite Settlement dt. 31-8-1989.

Documents marked for the Respondent :

Ex. M-1|25-8-90—Suspension order issued to the Petitioner.

Ex. M-2|9-10-90—Charge Sheet issued to the petitioner.

Ex. M-3|22-11-90—Appointment of Enquiry Officer.

E. M-4|...—Enquiry Proceedings.

Ex. M-5|...—Enquiry Report.

Ex. M-6|...—Typed copy of enquiry proceedings.

Ex. M-7 22-11-90 Documents marked before the Enquiry Officer.

Ex. M-8 25-4-91 Show Cause Notice.

Ex. M-9—Reply to show cause notice.

Ex. M-10—Dismissal Order.

Ex. M-11—Appeal preferred by the petitioner 11|A 11|B letters enclosed to Ex. M-11.

Ex. M-12—Order dismissing the appeal of the Petitioner.

Ex. M-13—Copy of the Bipartite Settlement.

नई दिल्ली, 22 जून, 1995

का.आ. 1974 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बम्बे पोर्ट ट्रस्ट, के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं.-2 बम्बे के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31011/5/91-आई आर (विधि)]
के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd June, 1995

S.O.1974.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust and their workmen, which has received by the Central Government on 22-6-1995.

[No. L-31011/5/91-IR|MISC]
K.V.B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 2

BOMBAY

PRESENT

SHRI S. B. PANSE
PRESIDING OFFICER

REFERENCE NO. CGIT-2/28 OF 1992.

EMPLOYERS IN RELATION TO THE
MANAGEMENT OF
BOMBAY PORT TRUST

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

For the Employer : Shri M.B. Anchan, Advocate.

For the Workmen : Shri P.G. Uparkar, Gen. Secretary.

BOMBAY, dated 6th June, 1995.

AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its letter No. L-31011/5/91-IR dt. 13th of May, 1992 had referred the following industrial dispute for adjudication.

SCHEDULE

"Whether Mr. Chandrakant Ganpat Talashikar and two other workmen of Bombay Port Trust are entitled to payment of wages from 7-5-90 to 11-5-90? And if so, to what relief the workmen are entitled to?"

2. The General Secretary of Bombay Port Trust Mazdoor Sangh filed statement of claim. He contended that on May 3, 1990 the superintendent of Electrical establishment Southern Division Chief Mechanical Engineer department prepared three months muster roll wherein he introduced second shift w.e.f. 7th of May, 1990. Prior to it the workmen were asked to work only one shift that is from 8 a.m. to 5.30 p.m. upto 6th of May, 1990. The total number of workers in that division were 19. The workers operating HUGHES operating dry dock crane and Getty-N-60 tones crane. They were kept for overtime beyond 5.30 pm whenever the cranes were booked by outside party to work beyond day shift. This the action of the superintendent amounts to reduction of the staff to 4 from 7 without giving prior notice. It is also contended that this amount to charge in service condition and no notice contemplated under section 9A of the Industrial Disputes Act was given to the Union and the workers.

3. The Sangh made representations to the management that is the Bombay Port Trust for the above said acts. Ultimately the matter went before the Labour Commissioner for settlement. Before him it was represented by management on 22-8-1990 that the Bombay Port Trust management neither continued the alleged proposed change about which the Union raised dispute nor finalised the decision to go for alleged change at present. Thus finalisation of the decision to introduce second shift was abandoned.

4. It is contended by the Union that the four workers who were shown to work on the second shift from 7th of May, 1990, out the them three

attended the duties at the first shift who were not allowed to work. Their wages were not paid. The Union made a representation for payment of those wages which were illegally deducted.

5. The Union prayed that the three worker's wages which were deducted from 7-5-1990 to 11-5-1990 are wrongly deducted and they are entitled to the same with other reliefs.

6. The management resisted the claim by their written statement Ex. '3'. Most of the facts were admitted by them. The management contended that the second shift was in existence previously but due to decommissioning of the two cranes and due to snag in work load, it was working in day shift only. Whenever there was excess of work in the day shift the staff continued in a second shift. They were paid overtime for working in the second shift. Under such circumstances there was no need of any notice as asked by the Union.

7. The management aver that as the three workers did not do any work on the principle of no work no pay, they are not entitled to any wages. It is submitted that the order which was issued by the management to start the second shift was perfectly legal and proper. It was issued with an intention to get a good result. It is prayed under such circumstances the workers are not entitled to any reliefs as claimed and the reference has to be answered in favour of the management.

8. My learned predecessor framed issues at Ex. '4'. The issues and my findings thereon are as follows: —

ISSUES	FINDINGS
1. Whether the B.P.T. Mazdoor Sangh has locus Standi to espouse the cause for and on behalf of the workmen in question?	In the affirmative.
2. Whether the management has committed a breach of the provisions contained under Sec. 9A of the I.D. Act in relation to the workmen in question and the the Union in question?	Does not arise.
3. Whether the three workmen in question did not report for work from 7th to 11th of May 1990 and did not work on these days during the second shift?	They reported to the duty in the first shift and not worked in the second shift.
4. Whether Mr. Chandrakant Ganpat Talashikar and two other workmen of B.P.T. are entitled to payment of wages from 7-5-90 to 11-5-90?	Yes.
5. If not what relief the workmen are entitled?	Does not survive.
6. What Award?	As per final order.

REASONS

9. Even though Bombay Port Trust Mazdoor Sangh is not recognised Union, admittedly there are many employees of the Bombay Port Trust who are members of the said Union. The Union is representing the cause of their members. These three workers are their members. Under such circumstances I do not find any reason for coming to the conclusion that they have no locus standi to espouse the cause and on behalf of the workmen in question. After perusal of the written argument filed by the management nothing has come on the record to show that the Union cannot represent the case of these workers.

10. After persual of the reference it reveals that it has to be decided by this Tribunal whether these three workers are entitled to payments of wages and if so to what relief the workmen are entitled. No doubt in the statement of claim there is an appeal in respect of implementation of second shift without following procedure under section 9A of the Industrial Disputes Act. The management intimated to the Labour Commissioner in respect of the second shift and the minutes were recorded on 22-9-90. It is observed therein "Shri D.D. Chilale, Asstt. Secretary, submitted that the management of B.P.T. did not continue the alleged proposed change about which the Union raised a dispute, nor finished the decision to go for alleged change at present." Under such circumstances the issue regarding compliance of section 9A does not arise in the matter.

11. Both the parties have not led any oral evidence in the matter. It is not in dispute that the concern workers were present for all these days in the first shift but they were not given any job. It is tried to suggest that as they were asked to work in the second shift they were not allotted any work in the first shift. From the written statement it is very clear that till that order was issued the workers of the first shift were asked to work overtime in the second shift. This clearly suggest that at that relevant time the second shift was not in existence. It might be a position that the second shift might be in existence but due to decommissioning of the two cranes and snag in work load they were working in one shift only. It is, therefore the workers were in a right to refuse the work in the second shift. It can be further seen that the management had decided not to continue with that order and begin with the second shift. As this is so the worker who were present in the first shift has to be paid their wages. They could not work because the work was not allotted to them. It is, therefore the principle of no work no wages has no application. For all these reasons I record my findings accordingly and pass the following order.

ORDER

Mr. Chandrakant Ganpat Talashilkar and two other workmen of Bombay Port Trust are entitled to payment of wages from 7-5-1990 to 11-5-1990.

The management to pay Rs. 300 as the cost of this reference to the Union.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 जून, 1995

का.आ. 1975 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इलाहाबाद बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में विविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-6-85 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/233/84/डी-II-ए/आई.आर.बी.-2]
वी.के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd June, 1995

S.O. 1975.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 22-6-1995.

[No. L-12012/233/84-D. IIA/IR (B-II)]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 24 of 1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Allahabad Bank.

AND

Their Workman.

PRESENT :

Mr. Justice K. C. Jagadeb Roy, Presiding
Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Management.—Mr. P. K.
Mukherjee,
Advocate.

On behalf of Workman.—None.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Banking

AWARD

By Order No. L-12012/233/84-D. II(A) dated June 10, 1985, the Central Government in exercise of its powers under section 10(1)(d) and sub section (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Allahabad Bank, 14, India Exchange Place, Calcutta-700001 in treating June, 1926 as the date of birth of Shri Banarasi Singh is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

2. On being noticed the workman has filed its written statement on 9-1-1986 and also filed a rejoinder to the written statement of the management. No evidence has been led by the workman in support of his contention that the date of birth of the workman concerned is in June, 1929 instead of June, 1926. After filing the written statement and rejoinder, no step has been taken by the workman in this Tribunal and no letter of authority has been given to any one to represent the case. Management however, was represented through their Counsel Mr. P. K. Mukherjee and examined one Sri Abani Mohan Biswas as MW. He had stated in his deposition that the date of birth of Shri Banarasi Singh, the concerned workman was in June, 1926 which appeared on the Service Card. Service Card of Shri Banarasi Singh is also filed before this Tribunal and marked Ext. M-1, which supported the contention of the witness.

3. According to the management's witness the age of superannuation of a sub staff is 60 years. Shri Banarasi Singh being a sub staff, was asked to retire on completion of 60 years. He has been given his retirement benefits e.g. gratuity and contributory provident fund.

4. Accordingly I hold that the action of the management of Allahabad Bank, 14, India Exchange Place, Calcutta-700001 in treating June, 1926 as the date of birth of Shri Banarasi Singh is justified.

5. The reference is accordingly disposed of.
Dated, Calcutta.

The 19th May, 1995.

K. C. JAGADEB ROY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 जून, 1995

का.आ. 1976 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार में भारत कोकिय कोल लि. की सुदामडीह वाशरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/166/92-आई आर (कोल-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd June, 1995

S.O. 1976.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Sudamdih Coal Washery of M/s. BCCL., and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-95.

[No. L-20012/166/92-IR(Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD
PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial dispute under
Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

Reference No. 79 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Sudamdih Coal Washery of M/s. BCCL
and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. Paul.
Advocate.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi.
Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal Washery.

Dated, Dhanbad, the 14th June, 1995

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in
exercise of the powers conferred on them under

Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(166)/92-I.R. (Coal-I), dated the 8th July, 1993.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Sudamdih Coal Washery of M/s. Sudamdih Area of M/s. BCCL in regularising S/Shri Kapildeo Yadav, Ramjanam, Madan Kr. Amrendra Mishra, J. P. Sharma, K. B. Prasad, Biswanath Thakur, Bhagrashan Harijan as Fitter Operator Gr. III in Cat. V w.e.f. 25-9-84 as against 12-10-82 the date they were authorised to work as Fitter cum-Operator is justified? If not, to what relief the workmen are entitled ?”

2. Pursuant to the said reference both the workmen and the management were directed to file their respective W.S. and rejoinder if any.

3. In compliance of the said order of reference for the workmen W.S. was filed on 4-10-92 stating inter alia that the concerned workmen were appointed in the year 1980 as Helper trainee belonging to Cat. I and within one year they were promoted to Cat. II. Thereafter since 12-10-82 they were authorised to work as “Fitter Operator” and by that authorisation they had to perform the job of two posts and according to the rules and convention they should be provided with the wages payable to employees of Cat. V. But inspite of the said authorisation for working as Fitter Operator on and from 12-10-82 they have not been regularised though they completed the period of probation for the said post.

4. Further case of the W.S. is that as per notice No. BCC|SCW|F-EO|83-3281 dt. 30-5-83 issued by the then Project Officer(W) Sudamdih Washery Project, it was specifically clarified that the concerned workmen be authorised to work as Fitter Operator with effect from 12-10-82 and they should be paid the corresponding wages of new Cat. V and accordingly they were paid difference of wages. Inspite of such order unfortunately there was an office order dt. 24th/25th issued by Sri R. S. Singh, Dy. Personnel Manager (SA) regularising the concerned workmen as Fitter Operator within Cat. V with effect from 25-9-84 instead of giving effect from 12-10-82 as and when they were authorised to perform the job of Fitter Operator as per Office order.

5. Though they are entitled to get the benefits and amenities of Fitter-cum-Operator under Cat. V on and from 12-10-82 they were deprived of giving any entitlement of the said amenities and wages arbitrarily regularising them with effect from 25-9-84.

6. As a result an industrial dispute was raised by the concerned workman through their Union Secretary on 24-12-91 for giving effect of their promotion in Cat. V to Cat. VI which has not accepted and the action of the management in not providing with notional seniority with effect from 12-10-82 is illegal arbitrary and unjustified. It is stated further that though they have completed 10 years service in Cat. V they should be directly promoted to Grade-C of Washery Cadre and they should be given seniority etc. with effect from 12-10-82 for getting promotion to Grade C and there by it is stated that for not regularising the concerned workmen in Cat. V on and from 12-10-82 it was given effect from 25-9-84 as against law and the concerned workmen are entitled not only the designation and wages of Fitter Operator Cat. V with effect from 12-10-82 but also they are entitled all service benefits including their seniority in the said category and all consequential benefits thereto.

7. The management in their W.S.-cum-rejoinder has stated that this petition is misconceived and the claim of regularisation of the concerned workmen in the post as referred to above since 12-10-82 is unjustified and the case is liable to be dismissed on the ground of over stale relying upon the principles as laid down by Hon'ble Supreme Court. It is stated further that before 2-9-83 the strength of Fitter-cum-Operators were expected to perform the duties of Fitter-cum-Operator Gr. III in daily rated Cat. IV, Fitter-cum-Operator Gr. II in daily rated Cat. V and in Fitter-cum-Operator Gr. I in daily rated Cat. VI. It is stated further that the posts of Fitter-cum-Operator Grade. III falls in the category of skilled junior, Fitter-cum-Operator Cat. V in the category of skilled senior and Fitter-cum-Operator Cat. VI in highly skilled category as per rules. The further case in their W.S. is that since the inception Four Coal Wage Agreements called NCWA-I in short, from 1-1-75, NCWA-II from 1-1-79, NCWA-III from 1-1-83 and NCWA-IV from 1-1-87 came into force and in the said NCWA provided for promotion policy of different cadres including Fitter/Operator in the Coal Washeries. In September/October, 1982 the concerned management had 92 Fitter-cum-Operators which were quite adequate and to meet future demand they decided to entertain new raw hands for the purpose of training in that matter Fitter Helpers and Fitter Helpers trainees were utilised on daily rated. Thereafter in September, 1982 some workers were given opportunities for getting training as Fitter-cum-Operator in daily rated Cat. IV in Grade-C which was in existence at that time. Till September, 1984 there was no sanctioned post or vacancies of Fitter-cum-Operator and the workmen continued to receive training as Fitter-cum-Operator till then and the vacancies when cropped up, were filled up by the said trainees. In the meantime promotion policy committee of JBCCI framed pro-

motion rules for operators/Fitters in Coal Washeries and notified the same with instructions in Circular No. 43 dt. 2-9-83 and by such implementation the post of Fitter-cum-Operator Grade-III in Cat. V were created and the concerned workmen were posted in the said post giving effect on and from 25-9-84 when they were in Cat. II as Fitter Operator trainees and afterwards they were placed in Cat. VI Fitter-cum-Operator (Cat. V). Also towards the end of 1991 the management held a D.P.C. for consideration for Fitter-cum-Operator Grade. III to Grade-II. (from Cat. V to Cat. VI) and 8 workmen concerned were promoted to the post of Fitter-cum-Operator Grade. II in daily rated category with effect from 1-1-92 to which they raised no voice.

8. It is stated further in the W.S. the purported dispute were raised by Bihar Janta Khan Mazdoor Sang before the ALC(C), Dhanbad for notional seniority for these workmen giving retrospective effect but it was not conceded as it was found to be baseless. As per Implementation Instruction No. 43 of 2-9-1983 after fulfilling the conditions mentioned therein the seniority etc. are given and thus the claim of the concerned workmen is not entertainable. In the rejoinder they had denied the case as made out in the W.S. of the workmen and stated that giving effect of their posts on and from 12-10-82 cannot be taken into consideration as even instruction No. 43 was not implemented but it was implemented on 2-9-83 when Fitter-cum-Operator belonging to Cat. V came into existence. Therefore, the management has stated that they have rightly taken a decision by regularising the concerned workmen in the post of Fitter-cum-Operator belonging to Cat. V Grade-II on and from 25-9-84 and their claim for regularising them on and from 12-10-82 is baseless unjustified and that should not be entertained by the Tribunal.

9. In the rejoinder the concerned workmen stated that the sponsoring union has got locus standi to make this reference through the ALC(C) It is denied that 92 Fitter-cum-Operators were adequate for the purpose and also denied other facts stated in W.S. of the management and they are entitled to get designation and wages of Fitter-cum-Operator belonging to Cat. V with effect from 12-10-82 and also they are entitled to service benefits with seniority from that date as per rules.

10. In the instant proceeding it is not disputed that the present workmen have been promoted to the post of Fitter-cum-Operator Cat. V Grade-II on and from 25-9-84 and for the same office Order Ext. W-2 is referred to.

11. The main contention of the learned Advocate representing the workmen is that actually the present workmen started to work as Fitter-cum-Operator on and from 12-10-82 and for that document Ext. W-1 and W-3 were relied upon.

12. Ext. W-1 goes to show that by a circular dt. 16/20-9-82 the Project Officer, Sudamdih Washery Project circulated addressing Jogendra Pd. Sharma Helper (Mech.) Sudamdih Washery Project stating that the management proposes to utilise his services in the vacancies available for the jobs of Fitter/Operator subject to performance and conduct on probation for certain period in the said job. The document Ext. W-3 in which several earlier letters have been referred to authorise the concerned workmen to work as Fitter/Operator with effect from 12-10-82.

13. It is also submitted by the learned Advocate of the said workmen that they got difference of wages of the posts held before 1982 and the posts to which they started working on and from 12-10-82 but they were regularised on and from 25-9-84 which is absolutely arbitrary and baseless.

14. In this premises it was argued by Mr. Paul the learned Advocate for the concerned workmen that though the concerned workmen started performing the work of Fitter-cum-Operator holding the responsibility of two posts on and from 12-10-82 and got the difference of wages for such authorisation to perform the job of Fitter-cum-Operator but they were not regularised in the post of Fitter-cum-Operator Cat. V, Grade-II but they were not continued to be considered to be the employees belonging to Cat. IV Grade-III and thereby they lost their seniority and other amenities which they were entitled to from 12-10-82 and not from 25-9-84 which was fixed arbitrarily. In this context it is worthy to mention in spite of quarry from the Tribunal no paper was shown from the side of the workmen that they were paid difference of wages of Cat. IV and Cat. V. However, it does not bear much as because I am to see whether actually they were asked to perform the job of Fitter-cum-Operator and there was such post at the relevant time and they were entitled to get promotion in the said post if any on the date as claimed.

15. Mr. Joshi, learned Advocate for the management drew my attention to the Book NCWA-III and argued that in the year 1982 there was no post of Fitter-cum-Operator and promulgation of NCWA III the post of Fitter-cum-Operator came into existence on and from 2nd September, 1983 (vide circular No. 43). Accordingly it was argued by Mr. Joshi learned Advocate for the management as there was no post nor any vacancy for the post of Fitter-cum-Operator regularising the concerned workmen on and from 12-10-82 their claim to that effect is not entertainable under any circumstances.

16. Furthermore, Mr. Joshi, learned Advocate for the management drew my attention to Ext. W-2 as well as Ext. W-3 and distinguished that in the year 1982 they were authorised to work

as Fitter Operator with effect from 12-10-82 not as Fitter-cum-Operator as it appears in Ext. W-2 which is dt. 24/25-9-84 where the concerned workmen were regularised in the designation of Category as indicated against each with immediate effect. From the said document Ext. W-2 it is crystal clear that the concerned workmen were regularised as Fitter-cum-Operator Grade-III new Cat. V as per Circular No. 43 of NCWA-III from Helper. This document clearly makes difference between Fitter Operator and Fitter-cum-Operator. To make it very clear the document of the year 1982 marked Ext. W-3 upon which the workmen depend clearly goes to show that the persons mentioned therein were authorised to work as Fitter/Operator with effect from 12-10-82. That means some were authorised to work as Fitter and some were authorised to work as Operator. It does not show that the persons mentioned therein were authorised to hold both the posts but they were authorised to hold either of the posts. But the document marked Ext. W-2 goes to show that the persons mentioned therein which includes the persons mentioned in Ext. W-3 were promoted and regularised as Fitter-cum-Operator Grade-III new Cat. V and thereby I find substance in the argument of Mr. Joshi that there is no existence of the post of Fitter-cum-Operator on 12-10-82 and it is settled principal of law that if no post or any vacancy lies the question of giving promotion or regularising the workmen in any post does not come in nor it is entertainable.

17. Therefore, considering the aforesaid facts and circumstances I cannot accept the contention of Mr. S. Paul learned Advocate representing the workmen that the management was unjustified by not giving promotion or regularising the concerned workmen in the post of Fitter-cum-Operator Cat. V Grade-III on and from 12-10-82. At the same time I find substance in the argument of Mr. Paul the learned Advocate representing the workmen that what promoted the management concerned to give promotion and regularise the concerned workmen to Fitter-cum-Operator Grade-III Cat. V on 25-9-84 though it came into operation and in existence on and from 2nd September, 1993 vide Circular No. 43 of NCWA-III creating the cadre post of Fitter-cum-Operator Grade-III Cat. V though they were working on the same post admittedly and discharging the duties of the said post before that date.

18. It is the fundamental principle that when the rules are created for giving benefit to the concerned workmen they should be provided with such benefit forthwith not to deprive them from such benefit making delay on the part of the management though I accept that sometimes is required for implementation of the same. But to protect the interest of workmen it is desirable that

effect should be given in retrospective manner as and when that post was created with all benefits when they were discharging on the said and same post from long before.

19. As I have already observed that the claim of the workmen is unjustified for getting benefit on and from 12-10-82 as there was no existence of the post of Fitter-cum-Operator Grade III Cat. V but at the same time it may be observed that it would be unjust to the concerned workmen if they be deprived from getting benefit of creation of such post from the date of its creation and implementation.

20. Keeping in mind the said observation I am of the opinion that natural justice demanded on the part of the management of Sudamdih Coal Washery of M/s. Sudamdih Area of M/s. BCCL to regularise the concerned workmen as Fitter Operator Grade III in Category V with effect from 2nd September, 1983 instead of 25-9-84.

21. Thereby it is held that the claim of the workmen to regularise them as Fitter-cum-Operator Gr. III in Cat. V with effect from 12-10-82 is not entertainable but at the same time it is held that to regularise the concerned workmen in the said post and in the said grade as well as in said Category with effect from 25-9-84 is also justified from 25-9-84 is also unjustified from the side of the management. The management should have regularised them on and from 2nd September, 1983 as per circular No. 43 of NCWA-III and to give all benefits thereto.

22. Thus the reference sent to this Tribunal as referred to above is disposed of in the following terms and conditions:—

“The management is directed to give effect the promotion and regularise the concerned workmen in the post of Fitter-cum-Operator Grade III and Category V on and from 2nd September, 1983 and to deal with them as per rules prevalent in this regard and to fix up their notional seniority counting and giving effect on and from 2nd September, 1983 and to give all consequential reliefs after implementing the order giving effect of the same from 2nd September, 1983 and by paying the difference of wages and other amenities if they are not paid or given as per rules in the meantime. This Award will take effect within one month from the date of publication of this Award.

Thus the reference is disposed of.”

D. K. NAYAK, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 22 जून 1995

का.आ. 1977 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/92/90-आईआरबीआई]
पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delh, the 22nd June, 1995

S.O. 1977.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 22-6-95.

[No. L-12012/92/90-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 20 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Reserve Bank of India.

AND

Their Workman

PRESENT :

Mr. Justice K. C. Jagadeb Roy—Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Management.—Mr. R.K. Gupta, Assistant Legal Adviser.

On behalf of Workman.—None.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Banking.

AWARD

By Order No. L-12012/97/90-IR.B.III dated August 13, 1990 the Central Government in exercise of its powers under section 10(1)(d) and sub-section (2A) of the Industrial Disputes Act 1947,

has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the dismissal of Shri Monohar Delui, ex-temporary mazdoor by the Manager, Reserve Bank of India, Calcutta, vide his order dated 27-8-88 is proper and legal? If not to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. This is a reference case of 1990. Even though several adjournments have been given to the parties to file their respective written statement in the case, none of the parties have filed their written statement till now. Even though the workman has been represented by Counsel in the reference case.

3. I find from the order sheet of the case, on one appeared on behalf of the workmen in this case to take step. In the case as stands now neither party filed written statement nor led any evidence. The reference cannot be answered without any material on record.

4. In the circumstances, I hold that the workman has given up his demand. In the absence of any allegation that demands of the workman has been unfairly given up. I pass 'No Dispute' Award in the case.

5. This reference is accordingly disposed of Dated, Calcutta.

The 19th May, 1995.

K. C. JAGADEB ROY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 जून, 1995

का.आ.1978 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई नं 2, के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 22-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41025/6/91-आईआरबीआई]
पा.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd June, 1995

S.O. 1978.—In pursuance of Section 17 of the industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay No. 2 as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-6-95

[No. L-41025/6/91-IRBI]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2.
BOMBAY

PRESENT

SHRI S. B. PANSE

PRESIDING OFFICER

REFERENCE NO. CGIT-2/41 OF 1991
EMPLOYERS IN RELATION TO THE
MANAGEMENT OF CHIEF WORKS
MANAGER (C&W), WESTERN
RAILWAY BOMBAY

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

For the Employer : Shri V. Narayanan Advocate.

For the Workmen : Shri M. B. Anchan, Advocate.

Bombay, dated 8th of June, 1995

AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its letter No. L-41025/6/91-IR(DU) dated 18th of September, 1991 had referred to the following industrial dispute for adjudication.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Chief Works Manager (C&W) Western Railway, Bombay in denying employment to Shri Shitalaprasad R. Yadav a legal heir or deceased workman Shri Ram Dulari Yadav, Khalashi Parel Workshop, T. No. 5359, who expired on 5-9-71 on compassionate grounds on the representation made by the widow of late workman Shri Ram Dulari Yadav is justified? If not, what relief Shri Shitalaprasad R. Yadav is entitled to?"

2. General Secretary of Paschim Railway Karmachari Parishad who filed statement of claim contended that Ram Dulari Yadav was working as a permanent Khalashi at Parel workshop of Western Railway administration. On 5-9-71 when he was on duty, expired. As per the rules his legal representatives are entitled to employment on compassionate grounds.

3. The Union contended that at that time two sons of the deceased were minors. The widow could not apply. On 6-8-1985 elder son of the deceased by name Sheetalaprasad R. Yadav gave an application for getting an appointment on compassionate ground. On 22-5-1986 the administration directed him to appear for suitability test on

5-6-1986. But this letter was not received by him but was received by his uncle who gave a reply on 2-6-1986 and claimed the job of peon. Sheetalprasad was not aware of the letter of the administration dt. 22-5-1986. It is, therefore, he could not attained the suitability test. However, on 10-12-86 his mother got a letter from administration stating that permissible time limit for employment on compassionate ground is five years from the date of the death of the employee and she applied after 14 years and in that case no employment is permissible. Again she applied on 20-2-87. Same reply was received by her. Then she approached the Union and the industrial dispute was raised. It is contended that the action of the management for not giving the job to the elder son of the deceased on the ground of compassionate ground is not justified. They prayed for employment with other reliefs.

4. The management resisted the claim by the written statement Ex. '3' It is averred that the application of the Yadav through her mother is barred by limitation and stale. It cannot be considered. It is pleaded that as per the rules now Yadav cannot be given an employment on compassionate grounds. It is submitted that the letter dt. 25-5-86 asking Yadav to give a suitability test was wrongly written and cannot be considered. It is submitted that under such circumstances the reference deserves to be answered in favour of the management.

5. My Learned predecessor framed issues at Ex. '4'. The issues and my findings thereon are as follows :—

FINDINGS

ISSUES

1. Whether the prevent reference is tenable in law?
2. Whether the present Reference/workmen's claim is time barred/stale?
3. Whether the action of the management of Chief Works Manager (S&W) Western Railway, Bombay in denying employment to Shri Sheetalprasad R. Yadav a legal heir of deceased workman Shri Ram Dulari Yadav, Khalashi Parel Workshop, T.No. 5359, who expired on 5-9-71 on compassionate grounds on the representation made by the widow of late workman Shri Ram Dulari Yadav is justified?

Yes

Yes

Yes

4. If not, what relief Shri Shitalprasad Yadav is entitled to?

Does
not survive.

5. What award?

As per
order

REASONS :

6. Sheetal Prasad Yadav (Ex. '5') affirmed that when his father died he was minor. That fact is not in dispute. It is not in dispute that his father was not a permanent employee of the railway who expired on 5-9-1971. Immediately after his death or within five years of his death the wife nor the son have applied for getting an employment on compassionate grounds. The first such application was made by her was on 6-8-1985 that is after completion of 14 years. Yadav son of the deceased was called for suitability test by a letter dt. 22-5-1986. It is contended by the administration that this letter was wrongly written by the administration by the staff of the administration because as per the rules they have no authority to call such person after a lapse of five years. So far as this contention is concerned it is supported by the rules of the railway administration. It is not in dispute that as per the rules when railway employee dies on duty on compassionate grounds appointment shall be made only of a son, daughter, widow of an employee. When the first son or a daughter is a minor then such an application is to be kept pending till he or she attains the age of 18 years or for a period of five years from the date of a such date whichever is earlier. As no application was made by the deceased widow for getting employment on compassionate ground immediately after the death and as it was not kept waiting. It is barred by the rules. There is nothing on the record to show that what prevented her to make such an application at that time. It is common knowledge that the fact that in railways, after the death of the employee his legal representatives get a job on compassionate ground is well known. As she had not made the application in time. They are not entitled to the relief.

7. It is tried to argue on behalf of the Union that if the letter which was received by the uncle of the Sheetalprasad would have given to him. He would have attained the suitability test and got the job. But I have already stated that as the letter was wrongly written on the date of the suitability test he would have been informed that he could not be allowed to appear for the said suitability test. It is tried to argue on behalf of the Union placing reliance on Bhimlal Kumar Gajanan V/s. State of West Bengal 1995 LAB IC 576 that Shitalprasad is entitled to an employment. The fact of that case are quite different

then the facts before me. In that case the wife of the deceased gave an application for getting an appointment on the basis of dying in harness. But her application was not allowed because she was not eligible. The son of the deceased who was then minor after attaining majority and having acquired eligibility qualification made such an application. Their lordship allowed the application and directed for such appointment. Herein this case the rules are quite different. There was no application on behalf of the widow for getting an appointment nor her application was rejected. Under such circumstances the ratio in the said authority has no application.

8. The reference deals with service conditions of the employees of the railway which perfectly falls within the definition of industrial dispute. Therefore the reference is tenable under the law. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass following Award.

AWARD

The action of the Management of Chief Works Manager (C&W) Western Railway Bombay in denying employment to Sheetalaprasad R. Yadav a legal heir of deceased workman Shri Ram Dulari Yadav, Khalashi. Parel workshop T. No. 5359 who expired on 5-9-1971 on compassionate ground on the representation filed by the widow and late workman Shri Ram Dulari Yadav is justified.

No order as to cost.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जून 95

का.आ. 1979 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ इंदौर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-95 को प्राप्त हुआ था।

(संख्या एल-12012/661/86-डी-2(ए)/आईआरबीआई)
पी.के. माईकल ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st June, 1995

S.O. 1979.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-6-95.

[No. L-12012/661/86-D-II(A)/IRBI]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R) (247)/1987

BETWEEN

Shri A.S. Jat, Sneh Sadan, Nayapura, Guna(MP).

And

The Asstt. General Manager, Regional Office, State Bank of Indore, 4 Maharana Pratap Nagar, Bhopal (MP)-462 016.

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : Shri S.N. Johri, Advocate.

For Management : Shri S.K. Rao, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Bhopal (M.P.)

AWARD

Dated : June 5, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/661/86-D.II(A) Dated 3-12-1987, for adjudication of the following industrial dispute :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of State Bank of Indore, Guna Branch in terminating the services of Shri A. S. Jat, Head Clerk, w.e.f. 28-2-82 was unjustified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. Admitted facts of case are that Shri A. S. Jat was Head Clerk in the State Bank of Indore at Guna Branch where he was served with the following charge-sheet on 1-5-1980 vide AGM(O)/II/001394 dated 1st May, 1980 :

"You were posted as Head Clerk at the Guna branch of the Bank from 21-4-1973 till 13-2-1978 and also officiated as Assistant Accountant during the period. During the period you worked as Head Clerk/Assistant Accountant at the Guna Branch, you have committed the following acts/omissions :—

(i) (a) The Central Cooperative Bank Limited, Guna who are maintaining a Current Account with us sent Cheque

No. 31894 for Rs. 2,100 drawn by you on your Savings Bank Account No. A-142 with us for collection under their OBC No. 383 dated 31-1-1977, proceeds of which were credited to their account on 1st March 1977, which was apparently received by us on 1st March 1977. You instead of debiting the amount to your account adjuster the credit entry of Rs. 2,100 in the account of the collecting bank by showing a false debit of Rs. 2100 in the Day Book under the No. 2 Draft Paid Without Advance A/C;

(b) You removed and/or destroyed the instrument referred to above with the intention to escape the detention of the fraudulent entry of Rs. 2100 in the D.P.W.A. A/c in the Day Book as referred to above;

(ii) On 8th February 1978, you caused a false credit of Rs. 5,000 in the Savings Bank A/c No. R-378 of Dr. Rammanohar Singh, Medical Officer, Piprai;

(iii) On or about 28th September, 1977 two instruments; one for Rs. 2500 (Cheque No. 22393) and another for Rs. 3,000 (Cheque No. 22400) were purportedly received by you from the Guna Central Cooperative Bank Limited, Guna, for credit to their Current Account with us but the amount was credited to their account as under :—

(a) By debit to your Saving Bank Account No. A-142 vide Cheque No. 23093 for Rs. 1,500 on 28-9-77 when there was no sufficient balance in your account;

(b) Current A/c Cheque No. 37324 for Rs. 4,000 drawn on Savings Bank A/c No. R-378 of Mr. Rammanohar Singh bearing the forged signature of Saving Bank Account holder No. R-378, Dr. Rammanohar Singh, Piprai. There was no adequate balance in the S.B. A/c of Shri Rammanohar Singh to meet the payment of the said Cheque. In order to justify the payment of Rs. 4,000 you made fictitious entry of Rs. 4,000 on the credit side (Transfer) of Savings Bank Long Book of Ledger No. 4 on Page No. 34, by making a false entry debiting the amount to the Head Office A/c under sub-head 'Western Railway';

(c) On 28-9-1977, you made following false and fraudulent entries in the S.B. Long Book No. 4, on Page No. 34 as under :—

Dr. R 378 R.M. Singh Rs. 4,000
Cr. R-378 R.M. Singh Rs. 4,000

(iv) (a) You raised the following false credits in the Savings Bank A/c of Smt. Vimla Jain A/c No. V-154:—

Date	Amount Rs.
During the period from 15-9-75 to	
30-11-75 (On 15-9-1975)	150/-
10-12-1976	1000/-
22-6-1977	400/-
2-1-1978	1000/-
	2550/-

(b) Out of the false credits raised by you as referred to (a) above, you withdrew for your own benefit the following amounts by obtaining depositor's signature by false mis-representation :—

Date	Amount Rs.
14-1-76	300
10-12-76	1000
21-6-77	40/-
30-7-77	400/-
3-1-78	750/-
	Rs.2490/-

(v) You debited the following amounts to S.B. A/c No. R-378 of Dr. Rammanohar Singh without any authorisation from the account holder by a corresponding credit to your S.B. A/c and with the fraudulent intention of concealing these unauthorised entries from the depositors you have not recorded them in the relevant Pass Book :—

Date	Amount Rs.
6-6-74	1000/-
10-10-75	375/-
24-11-75	50/-
20-12-1975	50/-

(vi) You raised a false credit of Rs. 1,000 in the S.B. A/c No. R-378 of Dr. Rammanohar Singh on or about 8th June, 1977. This amount was allowed to be

withdrawn by a withdrawal form bearing forged signature of the depositor in Hindi which was filled up by you.

(vii) As regards your own Savings Bank Account No. A-142 :—

(a) On 23-12-1976 you withdrew a sum of Rs. 500 by Cheque No. 31891 when there was insufficient balance to cover the withdrawal and thus created unauthorised overdrafts in your account;

(b) On 5-1-1977, you withdrew Rs. 400 and Rs. 200 by withdrawal form, when there was no sufficient balance to cover the withdrawals and thus created unauthorised overdrafts in your account;

(c) You have withdrawn Rs. 700 on 9-5-1977, from your own account and fraudulently debited the same in S.B. A/c No. A-67 of Shri Anand Singh Bhagwant Singh;

(viii) In the Savings Bank Account Pass Book of Dr. Rammanohar Singh, credit entries for Rs 120 dated 17-7-74 and Rs. 500 dated 20-1-1975 have been recorded which have been authenticated by you but in the ledger account no such entries appear. Following entries appearing in the ledger account were not recorded in the relative Pass Book of the account.

17-7-74	By cash	975/-
3-2-1975	By cash	800/-
3-12-75	Amt. Transferred from Shri Jat A/c	350/-
20-9-78	—do—	400/-
27-9-78	Amt. Deposited in Cash by Shri Jat	610/-

2. Your acts and omissions detailed in Paragraph No. 1 above, constitute misconduct as laid down in Paragraph 19.5(d) and 19.5(j) of the Bipartite Settlement dated 19th October, 1966, making you liable for disciplinary action."

It is also common ground that Shri R. G. Telang, the then chief Vigilance Officer, investigated the case and during the investigation recorded confessional statement of the workman, A. S. Jat; that the criminal case No. 398 of 1980 was instituted against the workman and Smt. B.M. Jha, JMFC, Guna, acquitted the workman vide judgment dated 27-11-1984; that the Enquiry Officer held that the charges levelled against the workman were proved and the workman was removed from the service with effect from 28-2-1982.

3. The case of the workman is that during the domestic enquiry the material witness, Shri R. G. Telang, was not examined and the grave irregularities were committed and the principles of natural justice were not observed by the Enquiry Officer. The workman has alleged that the workman was threatened and under the threat of the arrest by the police Shri R.G. Telang recorded his confessional statement. The workman has alleged that he did not commit any embezzlement but admitted the guilt at the honest of the management and the workman admitted the guilt and deposited a sum of Rs. 11,350. The workman has prayed for the reinstatement with full back wages.

4. The case of the management is that Shri R. G. Telang, the then Chief Vigilance Officer of the Bank, was directed to make the preliminary investigation and Shri R. G. Telang was assisted by Shri V. K. Pandit; that the workman, Shri A. S. Jat, voluntarily admitted the embezzlement and deposited the amount of Rs. 11,350; that the workman was not induced to make the confession and it was not under the threat of police action. The management has denied the departmental enquiry was against the principles of natural justice and this allegation is also denied that the material witness was not examined in the case. It is alleged that the management has examined V. K. Pandit to prove the confession by the workman and as such no adverse inference can be drawn for not examining Shri R. G. Telang in the domestic enquiry. Management has further alleged that to prove the charges the management has produced documents signed by the workman, Shri A. S. Jat, and on the basis of the statement of Shri R. M. Singh and other circumstances charges were held proved against the workman.

5. The management alleges that the acquittal of the workman in criminal case was on the basis of benefit of doubt and the judgment of acquittal was delivered on 27-11-1984 while the workman was removed from the service with effect from 28-2-1982. The management has further alleged that the charges of embezzlement and falsification of the account book were fully proved and the workman is not entitled for any clemency in the punishment as the workman has committed breach of trust, embezzlement and falsification of account book. The management has alleged that the dismissal of the workman w.e.f. 28-2-1982 is just and proper and the workman is not entitled for any relief whatsoever.

6. Following are the issues in the case :

ISSUES

1. Whether the domestic enquiry is proper and legal ?

2. Whether the punishment awarded is proper and legal?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
4. Whether the termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case?
5. Relief and costs.

7. Issue No. 1 & 3.—My learned predecessor vide order dated 27-2-1991 has held that the impugned domestic enquiry against the workman was fair, legal and proper.

8. Learned Counsel for the workman alleges that the order dated 27-2-1991 is defective and the learned predecessor has not taken into consideration various irregularities committed by the Enquiry Officer which has virtually vitiated the enquiry. I have no jurisdiction to assess and set aside or comment on the propriety of the order dated 27-2-1991 passed by my learned predecessor and such order based on the appreciation of facts are not open for review. Consequently, Issue No. 1 & 3 are answered in favour of the management.

9. Issue No. 4.—The management has filed 39 copies of documents in the domestic enquiry and the copy of the Investigation Report dated 4-11-78 (Ex. M/1) of Shri R. G. Telang & confession by the workman was also produced and proved.

10. From the evidence produced in the enquiry, it is clear that the credit vouchers were sent by the workman, Shri A. S. Jat, for amount of Rs. 2,100 and he has not shown any entry in the Savings Bank Long Book pertaining to debit of Rs. 2,100 and that the debit voucher was missing. It is further clear that Shri A. S. Jat had no sufficient balance to meet the Cheque No. 31894. The workman, Shri A. S. Jat, has admitted during the preliminary enquiry before Shri Pandit about the said embezzlement and he has deposited the amount. Consequently, apart from the confession statement of the workman charge no. 1 was rightly held proved by the learned Enquiry Officer.

11. Charge No. 2.—Workman, Shri A. S. Jat, was Head Clerk in the Bank on 8-2-1978. Credit of Rs. 5000 was made in the Savings Bank Account of Dr. Ram Manohar Singh by the workman, Shri Jat. The workman has not made the entry in Savings Bank Account Book and the required voucher was also not prepared and maintained.

12. As regards, other charge of debiting the amount from the account of Dr. Ram Manohar Singh by the workman without any authority, it is clear that the workman has withdrawn the amount from the account of Dr. Ram Manohar Singh without any authority and the vouchers for debit were not maintained and the workman did not

make the debit entries in the Pass Book of S.B. A/c of Dr. Ram Manohar Singh. The workman recorded credit entry of Rs. 500 on 20-1-75 in the Pass Book of Dr. Ram Manohar Singh, but there was no credit voucher of Rs. 500 or entry in the ledger account. It is further proved that workman, Shri Jat, withdrew Rs. 400 & Rs. 200 on 5-1-77 while the workman, Shri Jat, had no sufficient balance in the Savings Bank Account; that the workman made fraudulent entry of withdrawing Rs. 700 on 9-5-77 in the Savings Bank A/c of Shri Anansingh Bhagwant Singh.

13. The learned Disciplinary Authority vide his Order dated 19-2-1982 has considered the contention of the workman and the learned Disciplinary discussed the detailed finding of the learned Enquiry Officer and it was rightly concluded that there is sufficient evidence on record to substantiate the charges levelled against the workman.

14. Workman has alleged that the management has not examined Shri R. G. Telang, the then Chief Vigilance Officer of the State Bank of Indore, and as such the alleged confession made by the workman (Marked Ex. M/1) is not proved and it cannot be held that it was made voluntarily by the workman. The management directed the preliminary enquiry and Shri R. G. Telang with the assistance of Shri V. K. Pandit conducted the preliminary investigation; that the management has examined Shri V. K. Pandit to prove the confession & to show that the confession was made by the workman voluntarily. There is nothing in the cross-examination of Shri V. K. Pandit to hold that Shri R. G. Telang or the management threatened or coerce or allured the workman to admit the guilt. The workman, Shri Jat, was the Head Clerk in the Bank. It is not possible that he will make the detail confession of the guilt under the threat of officers of his own department. However, the possibility of obtaining the confession under the influence of coercion or inducement is minimised on account of the fact that the workman has deposited the amount of defalcation of Rs. 11,350. It is not shown that Shri V. K. Pandit was interested in any way to obtain the false confession from the workman. The said confession was recorded in presence of two senior officers, Shri R.G. Telang and Shri V.K. Pandit and as such the failure of the management to examine Shri R. G. Telang is not a circumstance to draw an adverse inference affecting the confession made by the workman.

15. Workman was acquitted by Smt. B. M. Jha, JMFC, in Cr. Case No. 398 of 1980 vide judgment dated 27-11-84. Acquittal by the Criminal Court is on the premises that the prosecution has failed to establish the guilt beyond reasonable doubt. The standard of proof in criminal case and the domestic enquiry are different and as such the acquittal of the workman in the criminal case

no bearing to judge the propriety of the finding in the domestic enquiry.

16. The learned Enquiry Officer has elaborately discussed the accounts book and other relevant entries in the Bank recorded by the workman and on the basis of the documentary evidence produced by the management, the learned Enquiry Officer has rightly held the charges against the workman proved. The voluntary confession by the workman Ex. M1 and that of returning the embezzled amount of Rs. 11,350 further lend support to the finding of the learned Enquiry Officer. As such, I hereby confirm the finding of the learned Enquiry Officer and Issue No. 4 is answered in favour of the management.

17. Issue No. 2.—Learned Counsel for the workman argues that the acquittal operates retrospectively as if no offence was ever committed. Learned Counsel relied for this preposition in case of Vidya Charan Shukla Vs. Purushottam Kaushik (AIR 1981 SC 547). The Hon'ble Supreme Court has laid down the said preposition while dealing with the provisions of Peoples Representation Act relating to the disqualification to contest the election. The domestic enquiry is held to cleanse and for effective management, while the premises of the criminal case is to deal and punish the criminals for the social defence. The standard of proof, the purpose and the back drop of criminal proceedings and the domestic enquiry are totally different and as such the settled preposition is that the domestic enquiry is in no way effected by the result of the criminal proceedings against the delinquent employee. Consequently, the contention of the learned Counsel for the workman is held baseless and hypothetical.

18. Learned Counsel for the workman has prayed for the relief in the quantum of punishment and he placed the following grounds for consideration :—

- (a) Acquittal of the delinquent by the criminal court on the same facts which constitute delinquency of criminal nature;
- (b) Already suffered pangs of unemployment for the last about 11 years since 1980. This by itself a sufficiently harsh punishment in these days of inflation;
- (c) Depositing the allegedly embezzled small amount without admitting it guilt.
- (d) Applicant's unblemished past career of 12 years. Even Shri Bharadwaj stated before the Enquiry Officer that the petitioner was very hard working employee who used to sit late hours without grumble.
- (e) Applicant is the only bread earner in the family.

(f) He has a grown up daughter to marry and dowry is highly rampant in his community.

(g) He suffered serious set back at about the time to which these charges related on account of which he became highly perturbed and was working in high tension e.g. —

(i) Prolonged serious illness of wife confined to bed as an indoor patient;

(ii) Theft of Gold then worth Rs. 20,000;

(iii) Brother's false implication in a crime;

(iv) Death of father.

19. The workman is guilty of making several false entries in the account books of the Bank for the purposes of embezzling the huge amount of the Bank. Head Clerk indulging in such a gross and grave misconduct deserves extreme penalty of deterrent and exemplary nature. In the interest of the Bank, the management was justified in terminating such a delinquent employee from the service. However, in view of the observation by the apex Court in case of Union of India Vs. Parma Nanda (1989) 2 SCC 177, 192=1989 SCC(L&S)303 the workman deserves no indulgence by the Tribunal in the quantum of punishment. The Hon'ble apex Court has observed that the official guilty of corruption do not deserve sympathy or any charitable relief and the purity in the streams of administration is necessary for the success of our democracy. Consequently, looking to the gravity of the misconduct the aforesaid grounds for the reduction of the punishment alone to the workmen are of no avail. In view of the aforesaid observation of the Hon'ble Supreme Court, it is held that the punishment awarded by the learned Disciplinary Authority is just and proper. Issue No. 2 is answered in favour of the management. The management has rightly terminated the services of Shri A. S. Jat with effect from 28-2-1982. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY,
Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जून, 1995

का.आ. 1980:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोटा के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-6-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/39/87-डी-2/आईआर-बी-1]
पी.जे. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st June, 1995

S.O. 1980.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Kota as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, and their workmen, which has received by the Central Government on the 21-6-1995.

[No. L-41012/39/87-D-11/IRBI]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

आवृत्ति

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण (केन्द्रीय), कोटा/गज/निर्देश प्रकरण क्रमांक: ओ. न्या. (केन्द्रीय)-1/88

दिनांक स्थापित : 24/2/88

प्रसंग : भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेशांक एल. 41012/39/87-डी. II (बी) दि. 11/2/88

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

मध्य

रामचरण द्वारा डिभिजनल मेनेजरी, पश्चिम रेलवे कर्मचारी पत्रिका, कोटा ।

—प्रार्थी श्रमिक

एवं

डिभिजनल रेलवे मैनेजर, पश्चिम रेलवे, कोटा ।

—प्रतिपक्षी नियोजक

उपस्थित

श्री आर. के. चावान,
आर. एच. जे. एस.

प्रार्थी श्रमिक की ओर से प्रतिनिधि श्री ए. डी. शोबर
प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से प्रति- श्री रामनिवास पाठक
निधि एवं श्री सी. एम.
शर्मा

अधिनियम दिनांक : 17/5/95

अधिनियम

भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा यह निम्न निर्देश औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (जिसे तदुपरांत "अधिनियम" से सम्बोधित किया जाएगा) की धारा 10(1)

(घ) के अन्तर्गत इस न्यायाधिकरण को अधिनियमार्थ सम्प्रेषित किया गया है :—

"Whether the action of the Divisional Railway Manager, Western Railway Kota to retrench Shri Rambaran w.c.f. 1-4-79 is justified? If not, to legal & what relief workman is entitled to?"

2. निर्देश न्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया व पक्षकारों को सूचना जारी की गयी । प्रार्थी रामचरण के सम्बन्ध में प्रस्तुत स्ट्रेटमेंट आफ क्लेम के अनुसार संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि प्रार्थी रामचरण का प्रति-

पक्षी के प्रतिनिधि (एजेन्ट) कल्याण निरीक्षक, कोटा ने दि. 29/3/74 से ग्राउण्ड खूलासी के पद पर नियुक्त किया था और 31/10/75 तक प्रार्थी ने इस पद पर लगातार कार्य किया । प्रार्थी जब 1/11/75 को ड्यूटी पर गया तो कल्याण निरीक्षक ने उसको ड्यूटी पर लेने से मना कर दिया । इस प्रकार प्रार्थी को प्रतिपक्षी ने अधिनियम की धारा 25-एफ के तहत एक माह का नोटिस अथवा नॉटिस वेतन व छंटनी का मुआवजा नहीं दिया । प्रार्थी को अधिकृत स्केल के वेतन का 120 दिन लगातार कार्य करने के बावजूद भी नियमानुसार पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया गया । क्लेम में आगे कहा गया है कि प्रार्थी को आकस्मिक खूलासी के पद पर 21/11/75 से पुनः नियुक्त किया गया एवं प्रतिपक्षी के प्रतिनिधि (एजेन्ट) इन्स्पेक्टर आफ वर्क्स (स्पेशल) कोटा के अधीन कार्य पर लगाया गया । इस पद पर प्रार्थी ने 20/4/76 तक कार्य किया परन्तु उसे 21/4/76 को कार्य पर लेना बन्द कर दिया । इसके अनिश्चित इसी प्रतिनिधि (एजेन्ट) द्वारा प्रार्थी को बार-बार पुनः नियुक्तियां देकर कार्यरत रखा गया व बीच-बीच में कार्य से हटाया गया जिसका विस्तृत विवरण क्लेम के अनुसार निम्न प्रकार है :—

पुनः नियुक्ति कर कार्यरत कार्य से हटाने की तिथि रखने की अवधि

दि. 6/5/76 से 24/6/76	दि. 25/7/76
दि. 30/7/76 से 20/8/76	दि. 21/8/76
दि. 22/2/77 से 20/7/77	दि. 21/7/77
दि. 30/9/77 से 20/3/78	दि. 21/3/78
दि. 30/4/78 से 30/9/78	दि. 1/10/78
दि. 1/12/78 से 31/3/79	दि. 1/4/79

3. प्रार्थी ने आगे क्लेम में कथन किया है कि इस प्रकार प्रार्थी ने कई बार 120 दिन लगातार कार्य करने के पश्चात भी उसे अस्थायी स्टेट्स (टेम्प्रेरी स्टेट्स) नहीं दिया गया इसलिए उसके पास अन्तर्गत धारा 33-सी(2) अधिनियम के तहत पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय, नई दिल्ली के समक्ष दावा प्रस्तुत करने के अलावा कोई उपाय नहीं था । प्रार्थी ने यह भी कहा है कि प्रार्थी को कानूनी अधिकारी से बचिन करने के लिए प्रार्थी की सेवा में बनावटी अवरोध उत्पन्न किया है । अन्त में प्रार्थी ने प्रार्थना की है कि चूंकि उसने प्रतिपक्षी के प्रतिनिधि (एजेन्ट) के अधीन कार्य करते हुए 240 दिन से अधिक समय तक किया है और प्रतिपक्षी द्वारा उसे सेवा से हटाने से पूर्व अधिनियम की धारा 25-एफ की पालना नहीं की गयी है, इसके अनिश्चित प्रार्थी से कनिष्ठ व्यक्तियों की नियुक्ति की है, अतः प्रार्थी की छंटनी को गैरकानूनी घोषित कर पुनः सेवा में पिछले समस्त वेतन व अन्य लाभों सहित लिए जाने का आदेश दिया जाए ।

4. प्रतिपक्षी ने अपने जवाब में प्रार्थी की नियुक्ति ग्राउण्ड खल्लासी के पद पर 29/3/74 से होता स्वीकार किया है परन्तु यह कहा है कि प्रार्थी ने कभी उनके यहां 6 माह तक लगातार कार्य नहीं किया। प्रार्थी की नियुक्ति 21/11/75 से करना भी बतलाया है वह यह भी अंकित किया है कि प्रार्थी जब-जब भी आया उसे नौकरी पर रखा व वह स्वयं ही अपनी इच्छा से नौकरी पर आता बन्द हुआ। प्रार्थी को कभी नौकरी से नहीं निकाला गया बल्कि वह स्वयं ही नौकरी पर नहीं आया, अतः कौम प्रार्थी खारिज किया जाए।

5. प्रार्थी को ओर से प्रतिपक्षी के जवाब के विरोध में प्रत्युत्तर भी प्रस्तुत किया गया है।

6. प्रार्थी रामचरण ने स्वयं का शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है व प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से हरबन्सलाल साहनी का शपथ-पत्र प्रस्तुत हुआ है। इन दोनों से एक-दूसरे पक्ष द्वारा जिरह की गयी है। बहम अन्तिम सुनी गयी व पत्रावली का प्रवलोकन किया गया।

7. प्रार्थी की ओर से विद्वान प्रतिनिधि ने यह बहस की है कि प्रतिपक्षी के गवाह ने जिरह में यह स्वीकार किया है कि प्रार्थी की नियुक्ति 29/3/74 को की गयी थी एवं उसने 31/10/75 तक प्रतिपक्षी के यहां लगातार कार्य किया। यह भी तथ्य स्वीकृत है कि प्रार्थी ने प्रतिपक्षी के प्रतिनिधि (ऐजेन्ट) कल्याण निरीक्षक, कोटा के यहां 29/3/74 से 31/10/75 तक लगातार कार्य किया था जो ओपन लाईन की तारीफ में आता है व 120 दिन लगातार कार्य करने के पश्चात वह अस्थाई घोषित होने का पात्र हो जाता है। प्रार्थी को उसके बाद करीब 7-8 बार नौकरी पर रखा गया परन्तु प्रतिपक्षी ने उसके कार्यावधि में बीच-बीच में अवरोध उत्पन्न किया। प्रार्थी एक गरीब व्यक्ति है जो सदैव प्रतिपक्षी के यहां नौकरी पर हाजिर हुआ। ऐसा कोई कारण नहीं था कि प्रार्थी जानबूझकर प्रतिपक्षी के यहां नौकरी पर नहीं आता बल्कि प्रतिपक्षी ने बनावटी व्यवधान पैदा करने के लिए ही प्रार्थी को करीब 8 बार नौकरी से निकाला व रखा। इस प्रकार यह तथ्य स्वीकृत है कि प्रार्थी को उसके द्वारा 29/3/74 से 31/10/75 तक की अवधि में 240 दिन से अधिक कार्य करने पर भी अधिनियम की धारा 25-एफ के प्रावधानान्तर्गत नोटिस अथवा नोटिस वेतन व छंटनी का मुआवजा देकर पालना नहीं की गयी इसलिए प्रार्थी को पुनः पिछले सम्पूर्ण वेतन व अन्य लाभों सहित नौकरी पर लिए जाने का आदेश दिया जाए।

8. प्रतिपक्षी की ओर से विद्वान प्रतिनिधि ने यह बहस की है कि प्रार्थी ने प्रतिपक्षी के यहां अभी भी लगातार 240 दिन तक कार्य नहीं किया। प्रार्थी जब-जब भी नौकरी के लिए उपस्थित हुआ एवं प्रतिपक्षी के पास जगह थी, उसे नौकरी पर रखा गया। ऐसी स्थिति में जबकि प्रार्थी स्वयं नौकरी पर नहीं आया, उसे अधिनियम की धारा 25-एफ का फायदा दिया जाना न्यायोचित नहीं है।

9. प्रार्थी रामचरण ने अपने शपथ-पत्र में कहा है कि उसकी नियुक्ति प्रारम्भ से प्रतिपक्षी के प्रतिनिधि (ऐजेन्ट) कल्याण निरीक्षक कोटा के यहां 29-3-74 से ग्राउण्ड खल्लासी के पद पर की गयी थी जहां 31-10-75 तक लगातार उसने कार्य किया। उसने अपने शपथ-पत्र में यह भी कहा है कि मैंने 120 दिन लगातार कार्य किया उसके बावजूद भी निर्धारित स्केल के अनुसार वेतन नहीं दिया गया और न ही 240 दिन लगातार कार्य करने के बावजूद छंटनी का मुआवजा दिया गया। मुझे बार-बार नौकरी से निकाला गया व रखा गया। चूंकि मुझे अस्थायी स्टेड्स नहीं दिया गया इसलिए मैंने धारा 33-सी (2) अधिनियम के अन्तर्गत एक दावा श्रम न्यायालय, दिल्ली के यहां पेश किया था। मेरी नौकरी में बार-बार बनावटी अवरोध प्रतिपक्षी द्वारा किया गया, अतः मुझे पुनः पिछले सम्पूर्ण वेतन व अन्य लाभों सहित नौकरी पर लिया जाए।

10. प्रार्थी रामचरण ने अपनी जिरह में यह स्वीकार किया है कि मेरी नियुक्ति 29-3-74 से खल्लासी के पद पर की गयी थी, मेरी एक दिन भी गैर हाजिरी नहीं थी, 19 माह की अवधि में बराबर काम किया है। दि. 29-3-74 से 31-10-75 तक लगातार कार्य किया है। इसके अतिरिक्त यह बात सही है कि मुझे 21-11-75 से दुबारा काम पर लिया गया था। मैं काम पर आता था तो मुझे काम पर रखने के लिए मना कर देते थे।

11. प्रतिपक्षी के गवाह हरबन्सलाल ने जिरह में यह स्वीकार किया है कि मैंने जो शपथ-पत्र में तथ्य अंकित किए हैं वे अभिलेख के आधार पर हैं। प्रार्थी रामचरण की नियुक्ति 29/3/74 से होता अभिलेख के आधार बताया गयी है। दि. 21-11-75 के पूर्व के कार्य का अभिलेख मेरे पास नहीं है। प्रदर्श डबल्यू. 1 अभिलेख 29-3-74 से 31-30-75 का है जो रेलवे द्वारा ही तैयार किया हुआ है। यह सच है कि प्रार्थी को 29-3-74 को कल्याण निरीक्षक ने नियुक्ति दी थी। कल्याण निरीक्षण ओपन लाईन में ही काम कर रहे, यह बात सही है।

12. इस प्रकार प्रार्थी श्रमिक ने जो कार्य किया है वह प्रदर्श डबल्यू. 1 में अंकित है। प्रदर्श डबल्यू. 1 के अनुसार प्रार्थी श्रमिक ने स्वीकृत रूप से प्रतिपक्षी के यहां 29-3-74 से 31-10-75 तक लगातार कार्य करके 240 दिन से अधिक कार्य किया है व उसके पश्चात भी प्रार्थी ने प्रतिपक्षी के प्रतिनिधि (ऐजेन्ट) के यहां दि. 21-11-75 से 31-3-79 तक करीब 7 बार कार्य किया है। प्रार्थी ने अपने शपथ-पत्र में यह कहा है कि वह कभी भी ड्यूटी पर अनुपस्थित नहीं होता था बल्कि प्रतिपक्षी नौकरी में व्यवधान डालने के लिए जानबूझकर बीच-बीच में नौकरी पर नहीं रखता था, विशेषकर इस साक्ष्य की ताईद में कोई भी खण्डनीय साक्ष्य प्रतिपक्षी की ओर से प्रस्तुत नहीं हुई है, प्रतिपक्षी का गवाह हरबन्सलाल केवल अभिलेख सम्बन्धी गवाह है।

13. अतः उक्त माध्य के विक्षेपण के पश्चात् में इय नतीजे पर पहुँचा है कि प्रार्थी ने प्रतिपक्षी के यहां स्वीकृत रूप से 29-3-74 से 31-10-75 तक लगातार कार्य करके 240 दिन में अधिक कार्य कर लिया था व इसके बाद भी पुनः 21-1-75 से 31-5-79 तक कार्य किया गया परन्तु प्रतिपक्षी द्वारा प्रार्थी को अधिनियम की धारा 25 एफ के प्रावधानान्तर्गत समुचित लाभ देकर छटनी नहीं किया गया बल्कि बीच-बीच में कार्य में बनावटी व्यवधान उत्पन्न किया व 120 दिन लगातार कार्य करने उपरान्त भी उसे अर्द्धस्थायी स्टेट्स नहीं दिया गया जो अनुचित श्रम आचरण की तारीख में आता है। इस प्रकार प्रार्थी की जो छटनी 1-4-79 से की गयी है वह उचित एवं वैध नहीं कही जा सकती और परिणामस्वरूप प्रार्थी पिछले सम्पूर्ण वेतन व सेवा की निरन्तरता

महिन पुनः सेवा में आने का अधिकारी घोषित किया जाने योग्य है।

14. उक्त सम्पूर्ण विवेचन के आधार पर भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा सम्प्रेषित निर्देश को इस प्रकार उत्तरित किया जाता है कि प्रतिपक्षी डिविजनल रेलवे मैनेजर, वेस्टर्न, रेलवे, छोटा द्वारा श्रमिक रामचरण को 1/4/79 से छटनी करना अर्थात् कार्य से हटाना उचित एवं वैध नहीं है, फलस्वरूप प्रार्थी रामचरण पिछले सम्पूर्ण वेतन व सेवा की निरन्तरता सहित पुनः सेवा में आने का अधिकारी घोषित किया जाता है।

इस अधिनिर्णय को समुचित सरकार को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिजवाया जाए।

आर. के. चावान, न्यायाधीश